फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 10 प्रभात जयपुर, बुधवार 10 अगस्त, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

BOB DYLAN
The Vagabond Poet

When asked about 'Rainy Day Woman', Bob Dylan replied that it had a Biblical background! Nobody believed him, at least not the smokers.

Extending Shelf Life Of Vaccines — From manufacturing of vaccines to its utilization temperature does matter.

नीतीश कुमार ने मोदी-शाह द्वय को मात दी?

नीतीश 21 महीने पुराना गठबंधन तोड़कर राज्यपाल के पास गये, पद से इस्तीफा लेकर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजनैतिक कौशल के मामले में मोदी-अमित शाह की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने भाजपा के साथ अपनी मैत्री को तोड़ते हुये गठबंधन सरकार का अस्तित्व समाप्त कर दिया है। उन्होंने अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों- आर.जे.डी. और कांग्रेस से मदद लेने के लिये अपना हाथ बढ़ाकर इस कहावत को सही सिद्ध कर दिया है कि "राजनीति में कोई स्थाई शत्रु (या मित्र) नहीं हुआ करता।"

राज्य की 21 माह पुरानी जे.डी. (यू.) - भाजपा गठबंधन सरकार के भविष्य को लेकर एक महीने से ज्यादा समय से चल रही अटकलों को विराम देते हुये, जे.डी. (यू.) - भाजपा गठबंधन को तोड़ने के तुरन्त बाद, नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद, वे राज्य विधानसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता तेजस्वी यादव के साथ बिहार के राज्यपाल फागू चौहान के आवास पर पहुँचे तथा उन्हें नई सरकार के गठन की पूर्व सूचना दी।

- प्राप्त जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार ने राज्यपाल के सम्मुख नए मु.मंत्री के रूप में नयी सरकार बनाने का दावा भी पेश किया।
- राज्यपाल से मिलने, लालू पुत्र तेजस्वी यादव, तेज प्रताप भी नीतीश कुमार के साथ गये।
- चर्चा यह है कि, नीतीश की नयी सरकार में दोनों लालू पुत्र मंत्री होंगे तथा तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री का पद भी दिया जा सकता है। आर.जे.डी. को विधानसभाध्यक्ष का पद भी मिल सकता है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि, कांग्रेस भी नयी सरकार में शामिल हो सकती है।
- नीतीश कुमार ने राज्यपाल के निवास पर जाने से पूर्व अपनी पार्टी के विधायकों को संबोधित किया व गठबंधन तोड़ने के कारण बताये।
- नीतीश को पूरा विश्वास है कि, अमित शाह उनकी पार्टी को तोड़ने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। बिहार में इंटैलिजैंस एजेंसियों ने भी उनके सम्मुख प्रमाण रखे कि, बिहार में बहुत धन आ रहा है दिल्ली से, उनकी पार्टी तोड़ने के लिये।
- भाजपा के कुछ महारथी, जैसे सुशील मोदी व रविशंकर प्रसाद को पटना भेजा गया है, डैमेज कंट्रोल के लिये।

नीतीश कुमार ने भाजपा को दूसरी बार पटखनी देने के अपने इस निर्णय से पहले, अपने विधायकों के साथ मीटिंग की। वे शाम को राज्यपाल से मिलने गये तथा अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया।

राज्यपाल से भेंट करने के बाद, उन्होंने मीडिया को बताया, "मैंने इस्तीफा दे दिया है तथा इसकी जानकारी अपने विधायकों को दे दी है।"

कुछ ही देर बाद, वे विपक्षी नेता तेजस्वी यादव तथा उनके भाई तेज प्रताप, जो लालू यादव के बेटे हैं, के साथ दिखाई दिया और फिर वे राज्यपाल के पास दोबारा गये तथा उनसे मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी पारी शुरू करने की अनुमति देने का आग्रह किया। कांग्रेस जैसी अन्य पार्टियों के भी नई गठबंधन सरकार में शामिल होने की आशा है।

बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता इस बड़ी घटना तथा इसके परिणामों पर विचार करने के लिये पटना पहुँच रहे हैं। इनमें सुशील कुमार मोदी तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद भी शामिल हैं। बिहार के भाजपा अध्यक्ष संजय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

काले कपड़े

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार पंकज

- अमित शाह ने राहुल गांधी द्वारा काले कपड़े पहनने को भारतीय आस्था और भगवान राम का अपमान बताया तो कांग्रेस ने गंगा स्नान में मोदी द्वारा काले कपड़े पहनने पर कटाक्ष किए।

शर्मा ने राहुल गांधी व कांग्रेस के अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत जोड़ो यात्रा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। कांग्रेस ने मंगलवार को अपनी "भारत जोड़ो यात्रा" की घोषणा की। आगामी 7

- कांग्रेस की "भारत जोड़ो" पद यात्रा 7 सितम्बर से शुरू होगी, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

सितम्बर से कन्या कुमारी से कश्मीर तक होने वाली यह पदयात्रा महात्मा गांधी के "भारत छोड़ो" आंदोलन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजनीतिक यू-टर्न के बादशाह!

पर यह भी सच है कि, इस यू-टर्न से नीतीश कुमार ने बिहार में भाजपा के प्रभाव व प्रसार बढ़ाने के प्रयास पर अंकुश लगा दिया है, चाहे यह अंकुश अस्थायी ही साबित हो

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। बिहार के सीनियर नेता नीतीश कुमार ने एन.डी.ए. के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देकर और आर.जे.डी. सहित "महागठबंधन" पार्टियों के समर्थन से एक वैकल्पिक सरकार के गठन का राज्यपाल फागू चौहान के समक्ष दावा पेश कर स्वयं की छवि राजनीति के "यू-टर्न किंग" के रूप में और सशक्त की है।

कुमार के भाजपा के साथ संबंध जहां तनावपूर्ण थे वही जे.डी.यू. और भाजपा, दोनों ही एक गतिरोधपूर्ण स्थिति में बंधे हुए थे जो कि एक असहज और मजबूरी में की गई व्यवस्था थी। यह संवाददाता अपने निर्णय में गलती का बैठा जब उसने कल के राष्ट्रदूत में यह खबर दी कि कुमार के इस स्थिति में भाजपा के साथ पूर्ण रूप से संबंध विच्छेद करने की संभावना नहीं है। एक बार फिर महागठबंधन राजनीति की राह पकड़ने के साथ ही कुमार ने भाजपा की बिहार में विस्तार वादी योजनाओं में बाधाएं खड़ी कर दी हैं, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अपनी प्रतिष्ठानुरूप कार्य नहीं किया है। कुमार के जहां एक बार फिर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की संभावना है वहीं अब वे आर.जे.डी. नेता लालू प्रसाद के दोनों पुत्रों तेजस्वी और तेज प्रताप की दया पर निर्भर होंगे और उनकी मि.क्लीन की छवि के जबर्दस्त रूप से खराब होने की उम्मीद हैं।

- दूसरी ओर, नयी सरकार में नीतीश कुमार की भी स्थिति, तनावपूर्ण रहेगी, क्योंकि वे सदा लालू-पुत्र तेजस्वी व तेज प्रताप की "मेहरबानी" पर जीवित रहेंगे, जिससे उनकी "क्लीन" छवि को धक्का लगने की भारी संभावना है।
- एक और प्रश्न यह भी उठ रहा है कि, मु.मंत्री पद तो जरूर मिल जायेगा नीतीश कुमार को, पर जद (यू) का भविष्य क्या रहेगा? क्या भाजपा व आर.जे.डी. ही दो प्रमुख पार्टियां रहेंगी, अगले चुनाव में?

जमीनी सूचनाएं बता रही हैं कि राज्य के नये मन्त्रिमण्डल के मंत्री पद तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं, जैसे विधानसभा अध्यक्ष का चयन आदि सब कुछ तय और पक्का हो चुका है। कुछ समय पूर्व असदुद्दीन ओवैसी की ए.आई.एम.आई.एम. के पाँच में से चार विधायक आर.जे.डी. में शामिल हो गये थे तथा इस प्रकार, आर.जे.डी. राज्य विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। राज्य के भाजपा नेताओं को तब ही सतर्क हो जाना चाहिये था कि विपक्षी खेमे में कोई खिचड़ी जरूर पक रही है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पटना में आयोजित विशाल पार्टी सम्मेलन के 10 दिन के अन्दर ही एन.डी.ए. सरकार का गिर जाना, साफतौर पर भगवा पार्टी के लिये परेशानी का सबब, बल्कि लज्जानक माना जा रहा हैं।

जाहिरा तौर पर, कुमार ने भाजपा के साथ अपने रिश्ते तोड़ने का निर्णय ऐसी आशंकाओं के फलस्वरूप लिया कि भगवा पार्टी जे.डी.यू. को तोड़ने की कोशिश कर रही है। लेकिन, अब नीतीश भले ही आर.जे.डी. से साथ जुड़ गये हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल तिजारा में?

जयुपर, 9 अगस्त (कासं)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को एक संक्षिप्त दौरे पर अलवर के तिजारा कस्बे में आयेंगे।

वह सड़क मार्ग से तिजारा पहुचेंगे और वहां जैन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद वापस लौट जायेंगे।

राहुल गांधी करीब 9 बजे दिल्ली से रवाना होंगे और करीब 11.15 बजे

- सूत्रों से पता चला है कि, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को संक्षिप्त दौरे पर तिजारा आ रहे हैं। वे सड़क मार्ग से यहाँ पहुंचेंगे।

तिजारा जैन मंदिर पहुंचेगे। यहां वह 11.30 बजे संगम वर्कशॉप में एक सत्र को संबोधित करेंगे। जैसा कि विदित है कि, 2 दिन पहले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी तिजारा गये थे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव जसवंत गुर्जर ने बताया कि, राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलोर निगम के चुनाव बता देंगे कर्नाटक में अगली सरकार किस की बनेगी

बैंगलोर नगर निगम की ऐसी महिमा है कि, पार्षद ज्यादा राजनीतिक महत्व रखते हैं, स्थानीय विधायक व सांसद से

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। अगले वर्ष होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव लड़ने के आकांक्षी नेता जल्दी ही होने वाले बी.बी.एम.पी. बैंगलोर म्यूनिसिपेलिटी) काउंसिल चुनावों के लिये विधिवत रिहर्सल की तैयारी कर रहे हैं, जिनके नतीजों से यह साफ संकेत मिल जायेगा कि कर्नाटक के मतदाता क्या सोच रहे हैं- वे अपना आशीर्वाद सत्तारूढ़ भाजपा को देते हैं तथा सत्ता-परिवर्तन करना चाहते हैं।

बेंगलुरू म्यूनिसिपल इलैक्शन, जिनके अक्टूबर या नवम्बर में होने की उम्मीद है, का प्रतिष्ठा की बनना सुनिश्चित है क्योंकि इनके जरिये बेंगलुरू शहर तथा काउंसिल पर कब्जा हो जायेगा, जिसका बजट करीब 10,000 करोड़ रू. है। बेंगलुरू म्यूनिसिपल काउंसिल के पार्षद प्रायः विधायकों और सांसदों से भी ज्यादा ताकतवर माने जाते हैं।

- मुख्य स्पर्धा भाजपा व कांग्रेस के बीच रहेगी, क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव को त्रिकोणात्मक बनाने वाली जद (एस) का बैंगलोर में खास प्रभाव नहीं है।
- अब तक हुए सर्वेक्षणों के अनुसार, त्रिशंकु नतीजा रहेगा नगर निगम के चुनाव में।
- आप भी यह ही चाहती है, इसीलिये आप ने सौ पार्षद सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने की घोषणा की है। अगर किसी भी पार्टी, भाजपा या कांग्रेस, को बहुमत नहीं मिलता है तो, आप मान रही है कि, उसका राजनीतिक महत्व बढ़ जाएगा।

सत्तारूढ़ भाजपा के लिये, इस शहरी स्थानीय निकाय पर कब्जा करना इसलिये प्रतिष्ठा का विषय है क्योंकि इससे एक ऐसे शहर पर अपनी ताकत प्रदर्शित होगी, जहाँ दोनों पार्टियों के विधायकों की संख्या करीब-करीब बराबर है। तीसरी प्रबल राजनैतिक ताकत, जनता दल (सेकूलर), जो राज्य के चुनावों को त्रिकोणीय बना देता है, का बेंगलुरू में कोई खास प्रभाव नहीं है। बी.बी.एम.पी. काउंसिल चुनावों के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजीब संयोग है: भारत में गांधी परिवार के दफ्तर, जो नैशनल हैरल्ड बिल्डिंग में है, की ई. डी. छानबीन कर रही है व पूछताछ कर रही है

इसी प्रकार अमेरिकी शीर्षस्थ इन्टैलिजैंस एजेंसी पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के फ्लोरिडा स्थित निवास व उनकी निजी तिजोरियों में बंद दस्तावेजों को खंगाल रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। एक अभूतपूर्व कदम के तहत अमेरिका की शीर्ष जाँच एजेंसी, फैडरल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन्स (एफ.बी.आई.) ने पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के फ्लोरिडा के मार-ए-लागो स्थित विशिष्ट आवास एवं फैन्सी गोल्ड क्लब में तलाशी अभियान चलाया।

जाँच-पड़ताल यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस के आदेशों के अन्तर्गत की गई और इसे "काफी गंभीर" माना जा रहा है। कुछ वरिष्ठ टिप्पणीकारों का मानना है कि संदेह के ठोस आधार के बिना ऐसी तलाशी के आदेश नहीं दिए जा सकते।

- प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन तहखानों से दस्तावेजों से भरे संदूकों को एफ.बी.आई. ले गयी है। इस छापे के दौरान अमेरिका के अभिलेखागार (आर्काइव्ज़) के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।
- एफ.बी.आई. का तर्क है कि, वह यह जानकारी करना चाहती है कि, राष्ट्रपति ट्रम्प अपने शासन काल में, अमेरिका की सुरक्षा से संबंधित कागजात तो साथ नहीं ले आये। यह एक गंभीर बात है, क्योंकि ये दस्तावेज "शत्रु देशों" के हाथ में पड़ गये तो अमेरिका की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

तलाशी के बारे में राष्ट्रपति जो बाइडन तक को पता नहीं था और मामले में जज ने स्वयं ही आदेश जारी किए। इस खबर ने वॉशिंगटन के प्रमुख नेताओं के साथ ही रिपब्लिकन पार्टी के दिग्गजों को हिलाकर रख दिया है।

एफ.बी.आई. एजेन्ट्स को यह पूर्व सूचना थी कि पेपर्स कहां होंगे और वे ट्रम्प के निजी आवास के बेसमैंट और मार-ए-लागो परिसर के ऑफिस क्वार्टर्स में गए। स्पष्ट है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके क्लोज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं।

–रामदास

हर घर तिरंगा अभियान लोगों को भाईचारे के धागे से जोड़े

भारत के लोग इस बार देश की आज़ादी की 75वीं सालगिरह के जश्न मना रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस जश्न को आज़ादी का अमृत महोत्सव नाम दिया है। इस जश्न को मनाने के लिए सभी राज्य सरकारें भी अपने-अपने स्तर पर जुटी हैं। स्वतंत्रता दिवस के इस उत्सव में बड़े पैमाने पर जन भागीदारी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान की घोषणा की है। इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों से 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर पर तिरंगा फहराने का आव्हान किया है। उनके मुताबिक इस अभियान से नागरिकों का तिरंगे के साथ रिश्ता और गहरा होगा हम भारत के लोग, जिन्होंने अपने आप को गणतांत्रिक संविधान दिया, जिन्होंने अपने आजाद मुल्क के लिये तिरंगा झण्डा अपनाया, जिन्होंने देशभक्ति की भावना और प्रबल होगी। 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटेन के ध्वज यूनियन जैक का उतरना और तिरंगे का फहराया जाना कोई रस्म अदायगी नहीं थी, वह इतिहास की करवट थी। इस झंडे के नीचे पूरा भारत और उसके सभी नागरिक बिना किसी भेद के आपसी सद्भाव के ताने-बाने में बुन गये थे। आज़ादी का अमृत महोत्सव वह समय है जब देश जवान होने लगा है। आज इसके नागरिकों में पहले से अधिक आत्मविश्वास है। वे अपनी मुट्ठी में अपनी तकदीर लिये आसमान की ऊंचाइयां छूने को तत्पर हैं। भले ही 75 वर्ष की यात्रा गणतंत्र भारत में जबरदस्त चुनौतियां, बाधाएं और मायूसियां भी रही मगर उसके कदम रुके नहीं। महोत्सव की सच्ची सफलता तभी होगी जब हमारे पूर्वजों ने आज़ादी की जंग में जैसा देश और समाज बनाने का सपना देखा था वह पूरा हो सके और महोत्सव के उल्हास में हर घर झण्डा फहरा कर यदि वह सपना साकार करने के लिए नई पीढ़ी को फिर से संकल्पबद्ध किया जा सके।

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी देश की एकता, अखंडता, अस्मिता, गौरव और यहां के नागरिकों के आत्मसम्मान का प्रतीक होता है। वह देश को राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करता है। बड़े-बड़े सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन किसी न किसी झंडे के नीचे ही होते आये हैं। मगर समूचे हिंदुस्तान का कभी एक झण्डा नहीं रहा। सभी रियासतों के अपने अपने अलग-अलग झंडे होते थे। अंग्रेजों के राज में ब्रिटेन का राष्ट्र ध्वज यूनियन जैक फहराता रहा किन्तु 1857 की सैनिक क्रांति के बाद पहली बार अपने साम्राज्य के इस देश के लिए अलग ध्वज बना कर यहां के लोगों को उससे जोड़ने की कोशिश की। इस ध्वज में ऊपर कोने पर यूनियन जैक तथा नीचे हिंदुस्तान का प्रतीक सूर्य का चिन्ह अंकित था। 1880 से 1947 तक यह ध्वज अविभाजित हिंदुस्तान का प्रतिनिधित्व करता रहा। आज़ादी की सुबह इसकी जगह संविधान सभा द्वारा अंगीकृत ध्वज ने स्थान लिया। 26 जनवरी 1950 को बीच में चक्र वाला यही तिरंगा गणतांत्रिक भारत का राष्ट्रीय ध्वज बना। मगर झंडा हमारे यहां हमेशा सत्ता के रुतबे का प्रतीक ही रहा। उसे श्रद्धा युक्त भय के साथ देशाहंकार के लिए उपयोग किया जाता रहा। आमजन के लिए वह सम्माननीय तो रहा मगर एक दूरी के साथ। लंबे समय तक माना जाता रहा मानो आम नागरिक के हाथ में आने से उसकी मर्यादा भंग हो जायेगी। इसलिए राष्ट्रीय ध्वज के साथ भारत के नागरिकों का व्यक्तिगत से ज़्यादा औपचारिक और संस्थागत रिश्ता ही अधिक रहा है। यही माना जाता रहा कि झण्डा फहराना तो मंत्रियों और बड़े अफसरों को ही शोभा देता है और वह अधिकार का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान के बाद ये मिथक टूटेगा और आम नागरिक के राष्ट्रीय ध्वज के साथ संबंध ज़्यादा व्यक्तिगत हो सकने की उम्मीद की जा सकती है।

> **प्रधानमंत्री ने लोगों से हर घर तिरंगा फहराने के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने खातों की प्रोफाइल पिक्चर के रूप में तिरंगा लगाने का भी आग्रह किया है जिसका असर नज़र भी आने लगा है। राष्ट्रीय ध्वज का यह उत्सव देश के सभी नागरिकों को आपस में मानवीय भाईचारे के धागे से जोड़ने में सफल होता है तो वह देश के लिए बड़ी सौगात होगी जिसकी आज बेहद जरूरत है।**

राष्ट्रीय ध्वज को हर घर पर फहराने के अभियान तक पहुंचने में हमें एक लंबा सफर तय करना पड़ा है जिसके दौरान कुछ ज़िद्दी नागरिक झण्डा फहराने का हक़ हासिल करने के लिए लड़ते हुए देश की सर्वोच्च अदालत तक गये हैं और न्याय पाया है। 23 जनवरी 2004 को, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 22 सितंबर 1995 के फैसले और आदेश के खिलाफ भारत संघ द्वारा दायर दीवानी अपील को खारिज कर दिया और माना कि संविधान के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराना अभिव्यक्ति का प्रतीक है और नागरिक का अधिकार भी। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि प्रथम दृष्टया उन्हें कोई कारण नहीं दिखता कि इस देश के नागरिक राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करके क्यों देशभक्ति व्यक्त नहीं कर सकते ! इसी के चलते आम नागरिकों को अपने ही ध्वज से दूर रखने वाली ध्वज संहिता में सरकार को बदलाव करने पड़े। हमारे देश में कोई भी मुद्दा हो उस पर विवाद न उठे यह संभव ही नहीं है। अनेक बार विवाद अनुचित भी नहीं होते है। ऐसा ही एक विवाद सरकार द्वारा पिछले साल 30 दिसंबर को राष्ट्रीय ध्वज संहिता में किये संशोधन पर हुआ है। इसके पहले तक तिरंगा हाथ से काते गये और हाथ से बुने हुए खादी के कपड़े का ही हो सकता था। अब यह छूट दे दी गई है कि राष्ट्रीय ध्वज हाथ की कती बुनी खादी के अलावा मशीन द्वारा सूती/पॉलिएस्टर/ऊनी/सिल्क के कपड़े से भी बनाया जा सकता है। इसका विरोध गांधीवादी संस्थाएं और लोग कर रहे हैं। उनका वाजिब तर्क है कि खादी कोई उद्यम नहीं एक विचार है खादी ने करोड़ों लोगों को आर्थिक संबल और आत्मसम्मान देकर उन्हें विकास की धारा से जोड़ा है। हाथ से कते और बुने कपड़े से तिरंगे का निर्माण हमारी विरासत है जिसे यह संशोधन ध्वस्त करता है। मगर नई तकनीक जनित तथा बाज़ार पोषित अर्थव्यवस्था में ऐसी बातें टिकती नहीं। ऐसे में खादी के विचार के साथ समाज में काम करने वालों पर अधिक जिम्मेवारी आ गई है कि वे आम नागरिकों में यह भावना प्रबल बनाये रखें कि वे अपने घरों पर फहराने के लिए खादी से बने झंडे को प्राथमिकता देंगे। उन्हें भी मशीन से बने झंडों के प्रति वैसा ही लचीला रुख अपनाना होगा जैसा संविधान सभा ने स्वतंत्र हो रहे देश के लिए राष्ट्रीय ध्वज को अंगीकार करते हुए अपनाया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अशोक चक्र वाली तिरंगे को अपनाने का जो संकल्प रखा उसमें कहा गया कि झंडे की चौड़ाई से लंबाई का अनुपात सामान्यत: 2:3 होगा। नेहरू ने अपने भाषण में इसमें लिखे सामान्यत: शब्द को रेखांकित किया और कहा कि उसमें अवसर और स्थान के अनुरूप लचीलापन हो सकता है। हमारे संविधान निर्माता रूढ़िवादी नहीं थे और परिवर्तन के लिए सदैव तत्पर थे। भारत की स्वतंत्रता से कुछ दिन पहले 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज पर चर्चा के दौरान एक सदस्य एच.वी. कामथ ने ध्वज के बीच चक्र के अंदर स्वास्तिक को शामिल करने के लिए संशोधन प्रस्ताव पेश किया था। उनका कहना था कि चक्र के अंदर स्वास्तिक अंकित हो जाने से स्वास्तिक चिन्ह के रूप में अशोक के धर्म चक्र के साथ प्राचीन भारतीय संस्कृति का प्रतीक भी जुड़ जाएगा। किन्तु बाद में उन्होंने यह कहते हुए अपना संशोधन प्रस्ताव वापस ले लिया कि उन्हें महसूस होता है कि स्वस्तिक को ध्वज के डिजाइन में शामिल करने से यह घिच-पिच लगेगा। जिस प्रकार भारतीय संविधान उसके निर्माताओं ने लचीला बनाया वही भावना झंडे को अंगीकार करने में भी रही इसे भी समझना होगा।

नेहरू ने भारतीय ध्वज के लिए संविधान सभा में कहा यह ध्वज, जिसे मुझे आपके सामने प्रस्तुत पेश करने का सम्मान मिला है, किसी बादशाहत, साम्राज्य या प्रभुत्व का प्रतीक नहीं है। यह झण्डा सिर्फ हमारे लिए ही स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं है बल्कि इसे देखने वाले प्रत्येक की स्वतंत्रता का प्रतीक है। नेहरू ने प्रस्ताव के साथ दो झंडे - एक रेशमी खादी का बना और दूसरा सूती खादी का बना - प्रस्तुत किये। जिण झंडों को संविधान सभा में नेहरू ने रखा उन्हें भारत की समस्त महिलाओं की ओर से हंसा मेहता ने यह कहते हुए भेंट किये थे कि यह ध्वज महान भारत का प्रतीक बने, यह हमेशा ऊंचा फहराता रहे, और दुनिया में फैले अंधकार में प्रकाश के रूप में काम करे। यह उसके साये में रहने वालों के लिए खुशियां लाये। इन दो ध्वजों को ऐतिहासिक धरोहर मानते हुए संविधान सभा ने उन्हें राष्ट्रीय संग्रहालय में सहेज कर रखने का संकल्प लिया।

संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज को अंगीकार करने के प्रस्ताव पर हुई बहस में राजस्थान के नेताओं ने भी अपना नाम दर्ज कराया। जोधपुर के शेरे राजस्थान कहलाने वाले जयनारायण व्यास और उदयपुर के डॉ. मोहन सिंह मेहता ने प्रस्ताव का समर्थन करने वाले अकेले नेता थे जिन्होंने अपने भाषण में भारत की राजसी रियासतों का जिक्र किया और कहा कि वे देसी रियासतों की तरफ से भी प्रस्ताव का समर्थन करते हैं क्योंकि वे भी स्वतंत्र देश का अभिन्न अंग बने रहना चाहती हैं। जय नारायण व्यास ने कहा यह हमारा राष्ट्रीय ध्वज है जो सभी समुदायों - हिंदू, मुस्लिम, सिख और पारसी- सभी का है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से हर घर तिरंगा फहराने के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने खातों की प्रोफाइल पिक्चर के रूप में तिरंगा लगाने का भी आग्रह किया है जिसका असर नज़र भी आने लगा है। राष्ट्रीय ध्वज का यह उत्सव देश के सभी नागरिकों को आपस में मानवीय भाईचारे के धागे से जोड़ने में सफल होता है तो वह देश के लिए बड़ी सौगात होगी जिसकी आज बेहद जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

समानुभूति की ओट में कौन छिपा बैठा है?

डॉ. रामावतार शर्मा

अंग्रेजी भाषा में दो शब्द हैं - सिंपैथी एवं एंपैथी। इन शब्दों का हिंदी अनुवाद है - सहानुभूति एवं समानुभूति। दोनों ही भाषाओं में दोनों का अर्थ एक जैसा लगता है पर होता नहीं है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से तो दोनों में अच्छा खासा अंतर होता है। इन दोनों भावों को समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इन्ही के द्वारा हमारे जीवन में बड़े परिवर्तन आते हैं। जो लोग उपरोक्त भावों के जानकार होते हैं वे एक अदृश्य परदे के पीछे से पूरे देश या समाज को नियंत्रित करने की क्षमता विकसित कर लेते हैं। सहानुभूति वह भाव है जिसमें कोई व्यक्ति किसी की पीड़ा, हीनभावना या किसी और कष्ट को साझा करता है, उसकी पीड़ा से आहत होता है, उसको उस स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश करता है। समानुभूति वह भाव है जिसमें एक व्यक्ति आपकी पीड़ा या भावना को समझता तो है पर यह जरूरी नहीं कि वह उसे साझा करे या उसके निवारण का उपाय बताने की सोचे।

जब हम मनुष्य के व्यक्तित्व का विश्लेषण करते हैं तो एक वर्ग आता है जिसे साइकोपैथ या मनोरोगी कहा जाता है। यहां इस बात को याद रखना ज़रूरी है कि मनोरोग और पागलपन में बहुत फर्क होता है। मनोरोग एक तरह का मनोविकार है जबकि पागलपन एक मानसिक बीमारी होती है। मनोविकार से ग्रसित व्यक्तित्व को समझना बहुत ही मुश्कित होता है क्योंकि ये लोग अक्सर कोई न कोई छद्म रूप धारण किए हुए होते हैं। मनोविज्ञान में तीन तरह के खतरनाक व्यक्तित्व माने जाते रहे है - मनोरोगी, मैकियावेली वादी और आत्ममोही। मनोरोगी (साइकोपैथ) व्यक्तित्व पश्चाताप विहीन हिंसा करता है। इटली के दार्शनिक मैकियावेली ने धूर्तता एवं दगाबाजी को शासन प्रणाली का अहम हिस्सा बताया था। इस श्रेणी में आने वाला व्यक्ति शक्ति या शासन पाने के लिए झूठ और निष्ठुरता को अपना काम निकालने का साधन बनाता है, सत्ता पाने के लिए किसी की भी बलि चढ़ा सकता है। तीसरा व्यक्तित्व आत्ममोही अपने ही सपनों की दुनिया में रहता है, दूसरों की समस्याओं को अनदेखा कर आत्ममुग्ध रहकर चारों तरफ की पीड़ा और अव्यवस्था को नकारता हुआ काल्पनिक अच्छे समय को यथार्थ मानता है। वह अपने हर निर्णय को सही मानता है और विरोध करने वालों को अपने समर्थकों से प्रताड़ित करवाता है। इन तीनों तरह के मनोविकारों को निष्ठुर तिकड़ी या डार्क ट्रायड कहा जाता है। इन तीनों तरह के व्यक्तित्वों में दूसरे की भावनाओं को समझने का कोई प्रयास नहीं होता है, सब कुछ स्वकेंद्रित होता है।

तकनीकी विकास और शहरीकरण के कारण एक चौथा समूह भी बहुत तेजी से उभरा है जिसे समानुभूति कहते हैं वह भी होता है जिसमें ये लोग सामने वाले की मनोस्थिति को पूरी तरह से समझते तो हैं पर उसका उपयोग अपने हित के लिए करते हैं। लोगों की भावनाओं और डर का बड़े स्तर पर दोहन करते हैं। इन लोगों को डार्क एंपैथ या छद्म सहयोगी या श्यामल समानुभूति व्यक्तिव कहा जाता है। निष्ठुर तिकड़ी के लोग जहां छुप कर नुकसान पहुंचाते है, नेपथ्य में रहने का प्रयत्न करते हैं पर छद्म सहयोगी बहुत मुखर होते हैं। अपने आपको आक्रामक तरीके से जनहितकारी घोषित करते हैं, सपने बांटते हैं। ये लोग सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं पर यदि इनके अपने हित पर आंच आए तो बहुत ही निष्ठुर और हानिकारक होते हैं। ये लोग सदा परोक्षरूप में ही हमला करते हैं। चूंकि ये हर तरह की मानवीय भावनाओं के प्रति सचेत होते हैं तो लोगों को अपनी विचारधारा में इस तरह से ढाल लेते हैं कि ठगे जा रहे लोगों को लंबे समय तक ठगाने में ही आनंद आता रहता है। इस तरह के छद्म पथप्रदर्शक लोग व्यक्ति, समाज या देश के लिए सदा नुकसानदेह होते हैं क्योंकि ये लोग छद्म व्यक्तित्व को सामाजिक सक्रियता, राष्ट्रीय गर्व, सांस्कृतिक महानता आदि के आवरण में ढके रखते हैं पर इनका प्रमुख उद्देश्य निष्ठुर स्वहित ही होता है।

निष्ठुर समानुभूति का एक उदाहरण चीनी नेता माओ त्से तुंग रहा है। वह चीनी लोगों की हीन भावनाओं और स्वघोषित सांस्कृतिक उच्चता की मन:स्थित को समझता था। उसनें चीनी लोगों की स्थिति के लिए बाकी बातों के अलावा कन्फ्यूशियस की शिक्षा को जिम्मेदार बताया हालांकि उस समय 98 प्रतिशत चीनी लोग साक्षर नहीं थे। अपने इस विचार की आड़ में उसने करोड़ों नागरिकों का कत्ल अपनी ही सेना या समर्थकों द्वारा करवाया। कंबोडिया का पोल पॉट भी इसी श्रेणी में आता है। एक और बड़ा उदाहरण हिटलर है जिसने पूरी जर्मन जनता को एक बड़े भ्रम पर विश्वास दिला दिया कि विश्व में सिर्फ जर्मेनिक एवम् एंग्लो-सैक्सन जाति ही सर्वोत्तम हैं, बाकी एशियन, अफ्रीकन आदि उनके सेवादार होने चाहिए।

हिटलर ने इन जन भावनाओं को समझा और हार का सारा दोष मुख्यतया यहूदियों और कुछ साम्यवादियों को दिया, जबकि यहूदी जर्मनी की एक प्रतिशत से भी कम आबादी थे। उसने लोगों को विश्वास दिलाया कि यदि उसे सत्ता सौंप दी जाएगी तो वह जर्मन आत्म सम्मान को पुन: स्थापित कर देगा और जर्मनी के अच्छे दिन आयेंगे। आगे विश्व युद्ध द्वतीय में जो नर संहार हुआ वह सर्व विदित है।

मनोविज्ञान में श्यामल समानुभूति वाले लोगों को सबसे खतरनाक माना जाता है और आधुनिक समय में जब सूचनाओं का प्रवाह बहुत तीव्र गति से होता है तो ये लोग समूह में इकट्ठे हो कर वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल सकते हैं और यदि व्यक्तिगत स्तर पर बात देखी जाए तो कितने ही लोगों के जीवन कितनी ही तरह से प्रभावित हो सकते हैं। डार्क एंपैथ को पहचानना बहुत मुश्किल होता है और जब तक कोई पहचान पाए वह इतना स्थापित हो चुका होता है कि उसे पूरी तरह से जन मानस पटल से हटाना संभव नहीं है। आज भी चीन में माओ और जर्मनी में हिटलर की अच्छी खासी पकड़ है हालांकि लोग प्रत्यक्ष में स्वीकार नहीं कर रहे हैं। श्यामल समानुभूति का धर्म, राजनीति, अपराध और शारीरिक या आर्थिक शोषण में उपयोग होता रहा है और अब इसकी धार और पैनी हो गई है। आज हर मनुष्य को अपने आस -पास बैठे श्यामल समानुभूति व्यक्तित्व को पहचानने की जरूरत है वरना डार्क एंपैथ जीवन में अंधेरा फैला देगा।

डॉ रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

आदिवासी दिवस पर कन्हैया दंगल में झूमे श्रोता

▪ शेखपुरा गांव में गायक कलाकारों ने धार्मिक में पौराणिक कथाएं सुनाईं

श्रीमहावीरजी (निस)। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को शेखपुरा गांव में एक दिवसीय कन्हैया दंगल आयोजित किया गया, जिसमें गायक कलाकारों ने धार्मिक में पौराणिक कथाएं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कन्हैया दंगल में कानापुरा कि पार्टी ने भक्त हरदौल व नल - दमयन्ती की कथा का मार्मिक वृत्तांत सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। वही आडा डूंगर की पार्टी ने शिव पार्वती विवाह का वृत्तांत सुनाकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। गावी - मोहनपुरा की कन्हैया पार्टी ने सुदामा चरित्र का वृतांत सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इससे पूर्व आदिवासी समिति द्वारा बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस मौके पर देश की आजादी के लिए बिरसा मुंडा के द्वारा दिए गए योगदान को याद किया गया।

उपसरपंच सुमन मीना ने बताया कि पूर्व में आदिवासी समाज कबीलो में रहकर जल जंगल एवं जमीन के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाते थे। उसी भूमिका की मंगलवार को आदिवासी समाज को शपथ दिलाई गई। इस दौरान प्रधानाचार्य धीरसिंहमीना, राजेंद्र सिंह, संजय लकवाड़, उप सरपंच सुमन मीना, प्रहलाद मीना अध्यापक, बबलूमीना, फरेबी मीना ,सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

श्रीमहावीरजी में कन्हैया दंगल के दौरान कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया के नेतृत्व में गौरव यात्रा निकाली

गांव नुहंद से लेकर चांदगोठी तक 22 किलोमीटर की आजादी गौरव यात्रा निकाली गई।

सादुलपुर, (निसं)। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी के द्वारा विधायक पद्मश्री डॉ कृष्णा पूनिया के नेतृत्व में गांव नुहंद से लेकर चाँदगोठी तक 22 किलोमीटर की पैदल यात्रा निकाली गई। वहीं आजादी गौरव यात्रा जैसे ही गांवों में पहुंची तो वहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा तिलक लगाकर और फूल मालाओं से यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा गांव नुहंद से आजादी गौरव यात्रा रवाना होकर गांव बास गोविंद सिंह, भैंसली, नवां, गुडान होते हुए चांदगोठी तक 22 किमी की पैदल यात्रा की।

सादुलपुर विधायक पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने कहा कि देश को आजाद कराने में कांग्रेस पार्टी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश की एकता व अखंडता के लिए बलिदान दिया। साथ ही कहा कि केन्द्र की मौजूदा सरकार लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। आज जनता महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी से बेहाल है। इस दौरान चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भंवरलाल पुजारी ने कहा कि मौजूदा माहौल में समाज को जोड़ने के लिए प्रयास किए जाने की जरूरत है और इस यात्रा के जरिये नफरत के खिलाफ संदेश दिया गया है।

साथ ही चूरू जिले के यात्रा समन्वयक सांवरमल महरिया ने कहा कि आज और आने वाली पीढियों को जानना चाहिए कि कितनी मुश्किल और कुर्बानियों के बाद देश को आजादी मिली थी। साथ ही विधायक डॉ कृष्णा पूनिया ने कहा कि अंतराष्ट्रीय खेल स्टेडियम, राजकीय कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, ऑक्सीजन प्लांट, कृषि महाविद्यालय, घर-घर पानी कनेक्शन, सिद्धमुख को तहसील बनवाने, हमीरवास को उपतहसील बनाने, नए उप स्वास्थय केन्द्र स्वीकृत करवाने, एसओजी चौकी स्वीकृत करवाने, सीएचसी के सभी प्रकार के चिकित्सक उपलब्ध कराने आदि विकास कार्य के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पूनिया, चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भंवरलाल पुजारी, चूरू जिले के यात्रा समन्वयक सांवरमल महरिया, नगर अध्यक्ष पवन सैनी, नियाज मो, करतार टांडी, सीताराम प्रजापत, वेद प्रकाश रेडू, पूर्व सरपंच अशोक पूनिया, पार्षद हैदर अली, सुलेमान चौहान, रफीक पहाड खानी, संजय बुरडक, सिकंदर जाटू, हरपालू कुशाला सरपंच धर्मवीर कटारिया, विजेंद्र मेहरा हमीरवास, अरुण कोच, सुरेश भाटी, सहित हजारों कांग्रेसी कार्यकर्तागण आजादी गौरव यात्रा में शामिल थे।

बड़ोदरा से दिल्ली तक स्केटिंग यात्रा कर शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

गुजरात के बड़ोदरा से स्केटिंग यात्रा पर निकले अगस्त्य वालंद सैन का ब्यावर में श्री सैन समाज संस्थान एसोसिएशन स्वागत किया।

ब्यावर (निस) श्री सेन समाज संस्थान एसोसिएशन द्वारा 75 वें आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर बड़ोदरा गुजरात से स्केटिंग यात्रा करते हुए अगस्त्य वालंद सेन दिल्ली शहीद स्मारक पर पहुंचेंगे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

संस्थान अध्यक्ष दिलीप बडगुर्जर ने बताया कि अगस्त्य वालंद सैन के जोधपुर रोड बाइपास पहुंचने पर श्री सैन समाज संस्थान एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने माला पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए स्वागत किया। लगभग 1100 किलोमीटर की यात्रा करते हुए 15 अगस्त को अगस्त्य सैन शहीदों को शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि देंगे। सैन के साथ सहयोग के लिऐ 5 साथी फोर व्हीलर के साथ चल रहे हैं। श्री सेन समाज संस्थान एसोसिएशन के सदस्य व पदाधिकारी मौजूद रहे । स्वागत करने वालों में संस्थान अध्यक्ष बडगुर्जर, पार्षद रामनिवास सैन, महावीर प्रसाद मेवाडा, पुरूषोत्तम जयपाल, राकेश छापरवाल, सुनील हर्षवाल, मनीष हर्षवाल, कन्हैयालाल हर्षवाल, सुनील घोडलिया गहलोत, गोपाल छापरवाल, सुमित सेन, अशोक तंवर, मनीष बड़गुर्जर व अन्य सदस्य मौजूद रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 10 अगस्त, 2022

सावन मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र प्रात: 9:40 तक, प्रीति योग सांय 7:35 तक, तैतिल करण दिन 2:16 तक, चन्द्रमा दिन 2:58 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मेष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग दिन 9:40 से आरम्भ होगा। आज मंगल वृष में रात्रि 9:12 पर प्रवेश करेगा। आज आखेटक त्रयोदशी और शिव पवित्रारोपण है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:11 तक, शुभ 10:54 से 12:32 तक, चर 3:49 से 5:27 तक, लाभ 5:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 7:04

मेष
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे और शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों एवं महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आय में वृद्धि होगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

कन्या
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा और उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
मानसिक तनाव दूर होगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे और योजनानुसार सम्पन्न होंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है और घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मन:स्थिति में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

बसपा से आने वाले विधायकों ने धमकी दी, तो मिली नियुक्ति

उपाध्यक्ष बने नेता मुंह ताक रहे हैं दर्जा मिलने का

- राजनीतिक नियुक्तियों के बीच उभरे नाराजगी के स्वर, युवा बोर्ड उपाध्यक्ष बोले, "सैलरी के लिए राजनीति में नहीं आया, पद के हिसाब से ताकत मिलनी चाहिए"
- दर्जा तो दूर की बात, कई उपाध्यक्षों के पास तो बैठने के लिए जगह भी नहीं, भत्ता तय किया वह भी नहीं मिलता
- गहलोत सरकार में राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए बने हैं 23 उपाध्यक्ष

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ तो ऐसा हो रहा है कि घर के पूत कुंवारे रह रहे हैं और पड़ोसी का फेरा की तरह दूसरे दलों से आए नेता राज का पूरा मजा ले रहे हैं। यही कारण है कि धमकी देने का असर याद दिला कर बसपा से कांग्रेस में आए सभी छह विधायक अब राज का हिस्सा हो चुके 4 विधायकों को पहले ही मंत्री पद और राजनीतिक नियुक्तियां मिल चुकी थी।

सोमवार देर रात को बाकी बचे दो विधायक संदीप यादव और वाजिब अली भी राजनीतिक नियुक्तियों से नवाज दिए गए। दूसरी ओर राजनीतिक नियुक्तियों में विभिन्न बोर्ड निगमों में उपाध्यक्ष बनाए गए नेता और कार्यकर्ता आज भी दर्जा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। युवा बोर्ड के उपाध्यक्ष ने तो स्पष्ट रूप से कह दिया है कि हम राजनीति में काम करने आए हैं, वेतन लेने नहीं। पावर नहीं मिलता है, तो संगठन के लोगों का काम कैसे करेंगे। यानी कि कांग्रेसजन भले ही नाराज होते रहे, दूसरों को खुश रखने का काम होता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों ही बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों ने उनकी मांगे पूरी नहीं होने पर धमकी की भाषा का इस्तेमाल किया था और कहा था कि अगर हमसे किए वादे पूरे नहीं किए तो हमें सोचना पड़ेगा। मंत्री राजेन्द्र गुढा ने कहा था कि विधायकों को विलय के लिए मैंने तैयार किया था। क्योंकि मैं पुराना आदमी था, पहले मंत्री रह चुका था। सीएम अशोक गहलोत के बिहाफ पर काफी बातें कही थीं, भरोसा दिलाया था। इस धमकी का असर यह हुआ कि भरतपुर के नगर से विधायक वाजिब अली को राज्य खाद्य आयोग चेयरमैन और अलवर के तिजारा से विधायक संदीप यादव को भिवाड़ी शहरी आधारभूत विकास बोर्ड चेयरमैन के पद पर नियुक्त कर दिया गया है। वैसे दोनों विधायकों को कोई वेतन भत्ते नहीं मिलेंगे। इससे पहले बोर्ड निगमों में चेयरमैन बनाए गए विधायकों को भी कैबिनेट या राज्यमंत्री का दर्जा नहीं दिया गया है। केवल गैर विधायक बोर्ड-निगमों के अध्यक्षों को मंत्री का दर्जा और वेतन भत्ते मिल रहे हैं।

इधर राजस्थान में राजनीतिक पदों के रूप में केवल वेतन पाने वाले शक्तिविहीन उपाध्यक्ष भी नाराज हो गए हैं। राजस्थान यूथ बोर्ड के उपाध्यक्ष सुशील पारीक ने कहा कि सैलरी के लिए राजनीति में नहीं आया। हमें पद के हिसाब से ताकत मिलनी चाहिए। सुशील पारीक ने कहा कि हमसे ये कोई भी उपाध्यक्ष पैसे के लिए, यहां नहीं आया होगा। ऐसे में हम राजनीतिक लोग हैं और राजनीति करते हैं तो पद के हिसाब से ताकत और शक्तियां भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उपाध्यक्ष पद की जो शक्तियां हैं वह सभी लोगों को समान रूप से मिलनी चाहिए ताकि हम जो कांग्रेस संगठन के लोग हैं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का काम भी करवा सकें। पारीक ने कहा कि उनके लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का काम करवाना जरूरी है बजाय सैलरी और दूसरे माध्यम के।

पारीक ने कहा कि हम अब आगे भी सरकार बनाने के लिए अग्रसर हैं। सरकार की योजनाएं भी शानदार हैं और हमारी सरकार में अच्छे काम हो रहे हैं।

बता दें कि 19 जुलाई को उपाध्यक्षों के लिए वेतन के रूप में 30,000 रुपए, वाहन भत्ता या यात्रा भत्ते के रूप में 30,000 रुपए, आवास भत्ते के रूप में 10,000 रुपए और टेलीफोन या मोबाइल के भत्ते के रूप में 5000 रुपए समेत कुल 75,000 रुपए महीने तय किए है, वो भी मिलना शुरू नहीं हुए हैं।

सरकार की ओर से विभिन्न बोर्ड निगम और आयोगों में दीपचंद खेरिया, पंकज मेहता, सचिन सरवटे, सुमेर सिंह राजपुरोहित, डूंगराम गेदर, सतवीर चौधरी, राजेश टंडन, रामकिशोर बाजिया, सांवरमल मेहरिया, चुन्नीलाल राजपुरोहित, किशनलाल जेदिया, रमिला खड़िया, सुशील पारीक, चतराराम देशबंधु, जगदीश राज श्रीमाली, रमेश बोराणा, मंजू शर्मा, मानसिंह गुर्जर, कीर्ति सिंह भील, मीनाक्षी चंद्रावत, सुचित्रा आर्य, दर्शन सिंह गुर्जर और दिवाकर बैरवा को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने निकाली तिरंगा वाहन रैली

जयपुर। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव को लेकर घर-घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान को लेकर मंगलवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर ने तिरंगा वाहन रैली निकाली। तिरंगा वाहन रैली को हर घर तिरंगा अभियान की सह संयोजिका, प्रदेश महामंत्री व सांसद दिया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सांसद दीया कुमारी ने लोगों से आग्रह किया कि सभी लोग 13 से 15 अगस्त तक अपने अपने घरों, प्रतिष्ठानों व आफिसों पर तिरंगा फहराए। शहर अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है उन्होंने हर घर झंडा फहराने की अपील की। जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने बताया कि 15 अगस्त को देश अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। इस अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रैली में कुलवंत सिंह शहर महामंत्री, विमल कुमावत शहर उपाध्यक्ष, पुनीत कर्णावत उपमहापौर, अजयपाल सिंह भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह शेखावत संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ, रजनीत सिंह सोडाला, महेंद्र यादव, श्रवण बगड़ी, सहसंयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ, दिनेश सैनी, महेंद्र सिंह पंवार, महेश सैनी सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूनिया और सिंह तिरंगा रैली में होंगे शामिल

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत देशभर में 20 करोड़ और प्रदेशभर में भाजपा का 50 लाख तिरंगा लगाने का लक्ष्य है। साथ ही तिरंगा रैलियों और प्रभात फेरियों का आयोजन भी प्रदेश के सभी जिलों में होगा। विभिन्न जिलों में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक व अन्य सभी जनप्रतिनिधि तिरंगा रैलियों और हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होंगे।

इसी क्रम में डॉ. सतीश पूनिया और राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह आमेर विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को देवका हरवाड़ा स्थित श्री देवनारायण मंदिर से तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। इसका दोपहर में रायथल पहुंचकर समापन होगा। आमेर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा रैली का शुभारंभ बुधवार को सुबह देवका हरवाड़ा स्थित श्री देवनारायण मंदिर से होगा, जो चंदवाजी, अचरोल, बिलोंची, दौलतपुरा, टोड़ी मोड, रामपुरा टोल, जाहोता, जालसू, बल्लूपुरा और रायथल तक जाएगी।

राज्यपाल ने 'शौर्य कला प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को जवाहर कला केन्द्र में शौर्य कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर केन्द्र द्वारा तैयार करवाए गए मांडणा कलाकृतियों के एलबम और पंचतंत्र कथा मंजरी का लोकार्पण भी किया। इस दौरान कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला, पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर की निदेशक किरण सोनी गुप्ता सहित अन्य कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

यात्री बसों में माल ढुलाई क्यों?

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में चलने वाली निजी बसों को माल ढुलाई का लाइसेंस देने का प्रावधान करने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। जनहित याचिका पर हाईकोर्ट की खंडपीठ अगले सप्ताह सुनवाई करेगी। मुस्कान खंडेलवाल की ओर से दायर इस जनहित याचिका में केंद्र सरकार के साथ ही राज्य के मुख्य सचिव, परिवहन आयुक्त और आरटीओ को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 27 जुलाई को एक नोटिफिकेशन जारी कर निजी यात्री बसों के लिए स्कीम जारी की है। इसके तहत यात्री बसें निर्धारित लाइसेंस लेकर माल की ढुलाई कर सकती हैं। याचिका में कहा गया कि ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड के तहत बस बॉडी की छत पर परिवहन करना नियमों के खिलाफ है। इसके अलावा छत पर माल रखने या यात्रियों को बैठाकर बस चलाना जानलेवा साबित हो सकता है। अब तक ऐसी बसों से अब तक कई घटनाएं हो चुकी है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार करोड़ों रुपए कमाने के लिए लोगों की जान से खेल रही है।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश के हर घर पर लगेगा तिरंगा : दीया कुमारी

जयपुर। भाजपा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान के तहत 9 से 15 अगस्त तक देश के प्रत्येक घर पर तिरंगा लगाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम करेंगी। अभियान की प्रदेश संयोजक, सांसद व प्रदेश महामंत्री दीया कुमारी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर राजस्थान में भी 50 लाख घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा। यह अभियान किसी पार्टी विशेष का अभियान नहीं है, यह प्रत्येक व्यक्ति का, राष्ट्रीय अभियान है और इसमें मेरा मानना है कि जितना उत्साह जोश हमारी युवा पीढ़ी में दिख रहा है।

दीया कुमारी ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि हमारा जो कानून था उसमें हम अपने घर पर तिरंगा नहीं लहरा पाते थे। उसमें भी मोदी सरकार बदलाव लाई है। आज हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हम अपने घर पर तिरंगा लहरा पायेंगे। पहले केवल सूर्य उदय से सूर्यास्त तक ही झण्डा फहरा सकते थे, लेकिन अब आप उसे पूरा दिन, 2 दिन 4 दिन लहरा सकते हैं। ऐसी अब कोई पाबंदी नहीं रही, इस पाबंदी को दूर किया गया है। उसके अलावा पहले यह था कि हम लोग केवल खादी के ही झंडे लहरा सकते थे, लेकिन उसमें भी अब बदलाव किया गया हम पॉलिस्टर के, कॉटन के अन्य मटेरियल के झंडे लहरा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस अभियान में हमारी पार्टी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किए जा रहे हैं। इस अभियान के अन्तर्गत बाइक रैली, वाहन रैली, पदयात्रा 9 से 12 अगस्त तक उसके बाद 11, 12, 13 अगस्त तक प्रभात फेरी का हमारा कार्यक्रम है।

सांसद दीया कुमारी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस को संबोधित किया।

बिजली कंपनियों के सलाहकार की गिरफ्तारी की मांग

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अल्पसंख्यक महासंघ ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

जयपुर। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति जनजाति एवं अल्पसंख्यक महासंघ ने राज्य सरकार से सातों बिजली कंपनियों के सलाहकार बनाए गए ए.के. गुप्ता की तत्काल प्रभाव से बर्खास्तगी की एवं गिरफ्तारी की मांग की है। महासंघ के अध्यक्ष डी. आर. राठौड़ ने आरोप लगाया कि गुप्ता ने विभिन्न पदों पर रहते हुए केंद्र सरकार से आए अरबों रुपए डकार लिए और गरीब आदमी तक सुधार कार्यक्रम का लाभ नहीं पहुंचने दिया। राज्य सरकार ने इन कंपनियों के मुखिया पद पर भ्रष्ट एवं अयोग्य तथा अकुशल अधिकारी ए.के. गुप्ता को एमडी जयपुर डिस्कॉम जोधपुर डिस्कॉम और बाद में सातों कंपनियों में निदेशक एवं राज्य सरकार के ऊर्जा सलाहकार पद पर नियुक्त कर भ्रष्टाचार पर मुहर लगा दी है जबकि गुप्ता के भ्रष्टाचार की परतें एवं काले कारनामे फाइलों में दबे हुए हैं। इस भ्रष्ट अधिकारी को सरकार का संरक्षण होने से वह बेखौफ होकर अपने काले कारनामे को अंजाम दे रहा है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की आरएपीडीआरपी एवं एससीएडीए योजनाओं में कंपनियों को अरबों रुपए की राशि मिली थी जिसकी क्रियान्वयन के लिए, जो निविदाएं निकाली गई व कार्य आदेश दिए गए थे इनमें गुप्ता ने बतौर जोधपुर डिस्कॉम एमडी जो भ्रष्टाचार किया, उसका परिवाद एसीबी में दर्ज हुआ जो आज भी लंबित है। जयपुर डिस्कॉम द्वारा केंद्र सरकार के आईडीपीएस डीडीयूजिजेवाई के क्रियान्वयन के लिए जारी निविदा व कार्यादेशों में भी ए.के. गुप्ता द्वारा एमडी जयपुर डिस्कॉम के पद पर की गई अनियमितताओं की जांच एसीबी में 110 करोड़ एवं 55 करोड़ की राशि का भ्रष्टाचार करने पर दो परिवाद दर्ज हुए हैं। यह प्रकरण स्वास्तिक इलेक्ट्रिकल्स एवं फर्जिलाइजर मोतीलाल अटल रोड जयपुर वह मैसेज गैलेक्सी कोनकेब प्रथम सीतापुरा जयपुर से संबंधित है। इन दोनों फर्मा के हाथ में लिया है। जिसमें आज तक क्रमश 95.16 करोड़ रुपए 14.13 करोड़ के कार्य आदेश दिए गए हैं। दूसरी फर्म मैसर्स गैलेक्सी कोनकेब को आईपीडीएस स्कीम में शहर उत्तर जीसीसी में कार्य करने हेतु 43. 62 करोड़ 1224 करोड़ के कार्य आदेश दिए गए थे। इन फर्मों में पुराना सामान नहीं उतारा था।

भाजपा ने किया कमेटी का गठन

जयपुर। जालौर में संत रघुनाथ महाराज के आत्महत्या प्रकरण की तथ्यात्मक जांच के लिए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के निर्देशानुसार उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह जांच समिति बुधवार को घटनास्थल का दौरा करेगी और तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रदेशाध्यक्ष पूनियां को सौंपेगी। इसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सचेतक एवं विधायक जोगेश्वर गर्ग, पूर्व संसदीय सचिव जोगाराम पटेल को बनाया है। वही समिति के साथ जिलाध्यक्ष, विधायक, सांसद एवं जिले के जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

'जेडीए को व्यापक लोक हित में नीलामी रद्द करने का अधिकार है'

- अधिकरण ने टोंक रोड पर बजरी मंडी और ईपी के पास स्थित भूखंड की नीलामी को रद्द करने की जेडीए की कार्रवाई को सही माना

जयपुर, (का.सं.)। जेडीए अपीलीय अधिकरण ने टोंक रोड पर बजरी मंडी और ईपी के पास स्थित भूखंड की नीलामी को रद्द करने की जेडीए की कार्रवाई को सही माना है। अधिकरण ने कहा कि जेडीए व्यापक लोक हित में संपत्ति का ज्यादा मूल्य प्राप्त करने के लिए नीलामी को रद्द करने का अधिकार रखता है। मौजूदा मामले में नीलामी प्रक्रिया में सिर्फ दो लोगों ने भाग लिया था। इसके अलावा भूखंड के मुख्य क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद इसकी उच्चतम बोली नहीं मिली। ऐसे में जेडीए विशेषाधिकार के तहत नीलामी को रद्द कर सकता है। अधिकरण ने यह आदेश संदीप कुमार की अपील को खारिज करते हुए दिए। अधिकरण ने कहा कि याचिकाकर्ता एक माह में जेडीए के विशेषाधिकारी को अपना बैंक का विवरण दे और जेडीए उस राशि छह फीसदी ब्याज सहित लौटा दे।

दरअसल अपील में अपीलार्थी ने जेडीए के 26 सितंबर 2018 के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उच्चतम बोलीदाता होने पर भी उसके पक्ष में हुई नीलामी रद्द कर दी गई थी। जवाब में जेडीए की ओर से कहा गया कि नीलामी रद्द करने के आदेश को दो साल बाद अधिकरण में चुनौती दी गई है। इससे पहले उसने जेडीए की कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन वहां याचिका खारिज होने की संभावना पर उसे वापस ले लिया था। ऐसा करना विधिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। जेडीए को किसी भी नीलामी प्रक्रिया में उच्चतम बोली को मंजूर या अस्वीकार करने का विशेषाधिकार है। इस नीलामी में भी जेडीए को आरक्षित दर से 200 रुपए ही ज्यादा राशि मिल रही थी और यह बोली मिश्रित उपयोग के लिए प्राप्त हुई थी। ऐसे में लोक हित में जेडीए इस भूखंड की व्यावसायिक उपयोग के लिए नीलामी करेगा।

LOST FOUND

We have lost Bank Guarantee No. 309101GL000222 Dated 01.01.2022 of Rs. 7 Lacs Given by M/s Harish Medical Agencies 5393 Nicholson Road Ambala Cantt-133001 issued to M/s SKCC Herbels opc pvt ltd. G-992 Sitapura Jaipur-302020 Due to office shiffting. If found plz inform.

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम लोकेश गिरधारीलाल शर्मा से बदलकर लोकेश शर्मा पुत्र श्री गिरधारी लाल शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे लोकेश शर्मा के ना से जाना पहचाना जावें। पता-प्लाट नं. 83, ग्राउण्ड फ्लोर, मंगलम आंगन विलास, अजमेर रोड, महापुरा, जयपुर

I Monika Chaudhary W/o Shri Pawan Sharma declare that in my old passport my name is Monika Sharma mentioned while my correct name is Monika Chaudhary. I am the same person of both the above names so in future I should be known by Monika Chaudhary R/o Plot No. 85 Nirman Nagar-AB Jaipur.

जयपुर से तिरंगा सम्मान यात्रा रवाना

- 14-15 अगस्त को लंदन की ब्रिटिश पार्लियामेंट के बाहर होगा तिरंगे का पूजन

जयपुर, (का.सं.)। भारत की आजादी के 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर जयपुर की "संस्कृति युवा संस्था" और "राजस्थान एसोसिएशन यूके" ने संयुक्त रूप से एक अद्भुत और अनूठा कार्यक्रम हाथ में लिया है। जिसमें आज चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर मंदिर में प्रातः11 बजे विद्वानो पण्डितों द्वारा संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा एवं सपत्नीक नीलम मिश्रा ने तिरंगे की विधि विधान से पूजा अर्चना की और विद्वान पण्डितों ने देवताओं का आह्वान कर देश में सुख शांति की प्रार्थना की। इसके बाद तिरंगे झण्डे की आरती की गई।

इस अवसर पर सैकड़ो धर्मावलम्बियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाये। कार्यक्रम के आयोजक संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे हो चुके है और इस आजादी को पाने के लिये हमारे लाखों शहीदों ने बलिदान दिया और एक लम्बा संघर्ष आजादी पाने के लिये हमें करना पड़ा। इस आजादी को 75वें वर्ष में 15 अगस्त 2022 को लंदन की ब्रिटिश पार्लियामेंट के बाहर जयपुर से रवाना होकर यह तिरंगा लंदन पहुंचेगा।

जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर मंदिर में विद्वानो पण्डितों ने तिरंगे की विधि विधान से पूजा अर्चना की। इसके बाद तिरंगे झण्डे की आरती की गई।

इसके पूर्व इस तिरंगे को अमृतसर में जलियांवाला बाग के लिये रवाना करेंगे। वहां 12 अगस्त को तिरंगे की पूजा अर्चना और शहीदों को नमन का कार्यक्रम होगा। उसके पश्चात 13 अगस्त को यह तिरंगा लंदन के लिये रवाना होगा। जिसे 15 अगस्त को लंदन की ब्रिटिश पार्लियामेंट के बाहर राजस्थान एसोसिएशन, यूके के पदाधिकारी आलोक शर्मा खंडेलवाल और उनकी टीम ढाढणिया फहराएंगे और लंदन के समयानुसार सुबह 10:30 बजे झंडारोहण करेंगे।

इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के संरक्षक एच.सी. गणेरिया, पं. पुरुषोत्तम गौड़, रामकिशोर डेरेवाला, राजीव खीचड़, दिलीप पूलिया, अनुभव चौधरी, हरेन्द्र सिंह जोधा, अजय जयपुर युवा महिला अध्यक्ष पूजा शर्मा, मनोज मिश्र, अरविन्द मिश्र, विजय भास्कर, राजेश शांडिल्य, नरेन्द्र शर्मा, पवन गौड़, गौरव गणेरिया, जितेन्द्र टांक, करण डाबी, निखिल मिश्रा, विमल बज पार्षद करण शर्मा, पूर्व चैयरमेन कमल वाल्मिकी, पप्पू श्रीमाल, सर्व ब्राह्मण महासभा की प्रदेशाध्यक्ष सविता शर्मा, जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत, सहित सैंकड़ो लोग उपस्थित थे।

"आजादी गौरव पदयात्रा" आज

जयपुर। देश की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पीसीसी के आह्वान पर 10 अगस्त को "आजादी गौरव पदयात्रा" आयोजित की जा रही है। स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानी एवं कांग्रेस नेताओं के अमिट योगदान का स्मृति गौरव उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पदयात्रा में जयपुर शहर के विधायक एवं विधायक प्रत्याशी, सांसद प्रत्याशी, पीसीसी पदाधिकारी-सदस्य, मेयर-डिप्टी मेयर शामिल होंगे।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत–तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर दूरभाष संख्या:- 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- 6/MB/214 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर, क्षेत्रफल 128.000 वर्ग मीटर का आवंटन श्री गौरी शंकर गर्ग पुत्र श्री कुरड़ा राम को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3520 दिनांक 27.06.2011 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 23.12.2011 को करवाया गया। श्री गौरी शंकर गर्ग की मृत्यु दिनांक 29.04.2021 को हो जाने के पश्चात् श्रीमती रतनी देवी गर्ग पत्नी स्व.श्री गौरी शंकर गर्ग के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, हकत्याग पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती रतनी देवी गर्ग पत्नी स्व. श्री गौरी शंकर गर्ग के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक
वृत तृतीय, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रतापनगर, जयपुर
क्रमांक:-6701 दिनांक:-8.8.2022
जाहिर आम -सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 83/28 (MIG-B) का आवंटन श्री जगदीश चन्द्र परिहार पुत्र श्री श्रीराम परिहार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4096 दिनांक 30.03.2001 को जारी किया गया था। तत्पश्चात श्री जगदीश चन्द्र परिहार ने अपनी सहमति व आवश्यक प्रपत्र प्रस्तुत उक्त आवास अपनी पत्नी श्रीमती शान्ता परिहार का नाम जोडने हेतु निवेदन करने पर इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 117 दिनांक 11.04.2002 के द्वारा श्री जगदीश चन्द्र परिहार एवं श्रीमती शान्ता परिहार का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया।
श्री जगदीश चन्द्र परिहार की मृत्यु दिनांक 06.06.2006 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती शान्ता परिहार पत्नी स्व.श्री जगदीश चन्द्र परिहार द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
अत: उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती शान्ता परिहार पत्नी स्व.श्री जगदीश चन्द्र परिहार का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक राजस्थान आवासन मण्डल,
वृत्त- प्रथम, प्रतापनगर, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रतापनगर, जयपुर
क्रमांक:-6700 दिनांक:-8.8.2022
जाहिर आम -सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 83/26 (MIG-B) का आवंटन श्री जगदीश चन्द्र परिहार पुत्र श्री श्रीराम परिहार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4097 दिनांक 30.03.2001 को जारी किया गया था। तत्पश्चात श्री जगदीश चन्द्र परिहार ने अपनी सहमति व आवश्यक प्रपत्र प्रस्तुत उक्त आवास अपनी पत्नी श्रीमती शान्ता परिहार का नाम जोडने हेतु निवेदन करने पर इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 116 दिनांक 11.04.2002 के द्वारा श्री जगदीश चन्द्र परिहार एवं श्रीमती शान्ता परिहार का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया।
श्री जगदीश चन्द्र परिहार की मृत्यु दिनांक 06.06.2006 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती शान्ता परिहार पत्नी स्व.श्री जगदीश चन्द्र परिहार द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
अत: उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती शान्ता परिहार पत्नी स्व.श्री जगदीश चन्द्र परिहार का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक राजस्थान आवासन मण्डल,
वृत्त- प्रथम, प्रतापनगर, जयपुर

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)
कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/2023-24 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-01.08.2022
श्रीमती रेणु राज सैनी पत्नी श्री मदन लाल सैनी, जाति माली, श्री श्याम कॉलोनी वार्ड नं. 12, कस्बा श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.12 अवस्थित भूखण्ड	चर्तु सीमाऐं पूरब में आम रास्ता, पश्चिम में सिनेमा हॉल, उत्तर में रामजीवण चौधरी के गोदाम एवं दक्षिण में प्लाट नं. 27 होकर स्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब-पश्चिम 22'-0" एवं उत्तर-दक्षिण 25'-0" होकर कुल रकबा 51.09 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 01.08.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

स्वीकृति नहीं मिलने पर मालपुरा में रद्द किया ताजिया का जूलूस

प्रशासन द्वारा तय किये नवीन मार्ग को नहीं किया स्वीकार

मालपुरा, (निसं)। मुस्लिम समुदाय द्वारा मोहर्रम पर निकाले जाने वाले ताजिया जूलूस के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा परम्परागत मार्ग से स्वीकृति नहीं देने तथा नवीन मार्ग से भी सशर्त जारी स्वीकृति के बाद नागोरी, देशवाली व हम्माल समाज के लोगों ने प्रशासन द्वारा तय किये नवीन मार्ग को अस्वीकार कर ताजिये का जूलूस रद्द कर दिया।

मालपुरा शहर को छोड़ क्षेत्र के लाम्बाहरिसिंह, पचेवर, डिग्गी में मुस्लिम समाज के लोगों ने मातमी धुनों के साथ ताजिये का जूलूस निकाल दर्जनों स्थानों पर युवाओं ने पट्टेबाजी करते हुए देर शाम ताजिये को कर्बला में सुपुर्द ए खाक किया। ग्रामीण क्षेत्र में निकले ताजिये को देखने के लिए शहर से बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलम्बी पहुंचे। मालपुरा शहर में आये दिन होने वाली साम्प्रदायिक तनाव की घटनाओं पर अंकुश लगाने के नाम पर हिन्दु समाज के दशहरा व कावड यात्रा सहित मुस्लिम समाज के ईद व मोहर्रम के जूलूसों के परम्परागत मार्गों को बदल स्वयं द्वारा नवीन मार्ग निर्धारित कर उन्हीं मार्गों से दोनों समुदाय के जूलूस निकाले जाने के लिए जिला प्रशासन को रिपोर्ट भेज लगातार प्रयास कर रहे हैं। लेकिन स्थानीय प्रशासन स्वयं द्वारा तय किये गये नवीन मार्गों से दोनों ही समुदाय के जूलूस निकलवा अपनी योजना को अमलीजामा पहनाने में विफल रहा।

प्रशासन द्वारा तय किये गये नवीन मार्ग को दोनो ही समुदाय के लोग लगातार यह कहते हुए अस्वीकार करते आ रहे हैं कि हमारे पूर्वजों द्वारा जूलूस व यात्राओं के मार्ग तय किये गये थे उन्हीं से परम्परा का निर्वहन होगा। यदि इन आयोजनों के दौरान शरारती तत्वों द्वारा शांति एवं कानून व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयास किये जाते हैं तो ऐसे शरारती तत्व व हुडदंगियों की पहचान कर तत्काल पुलिस सख्त कार्यवाही करे। शरारती तत्व व हुडदंगियो पर कार्यवाही के बजाय प्रशासन द्वारा जूलूस व यात्राओं का मार्ग बदलना समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। शहर में ताजिये का जूलूस रद्द किये जाने के बावजूद सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन ने एसटीएफ जवानो के साथ फलैगमार्च किया।

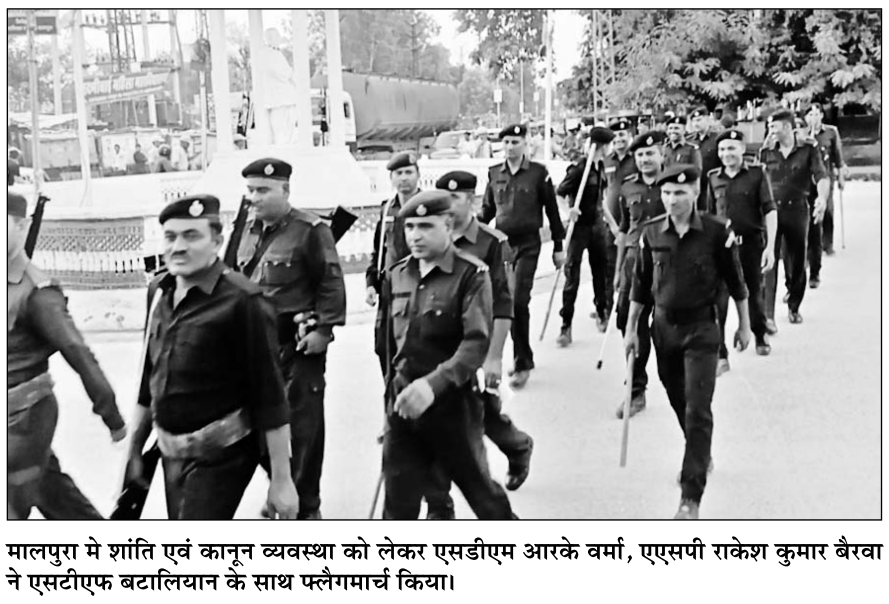

मालपुरा मे शांति एवं कानून व्यवस्था को लेकर एसडीएम आरके वर्मा, एएसपी राकेश कुमार बैरवा ने एसटीएफ बटालियन के साथ फ्लैगमार्च किया।

- **पचेवर, डिग्गी व लाम्बाहरिसिंह में मातमी धुनों पर निकले ताजिये**

दो गुमशुदा बच्चों की गड्ढे में मिली लाश

गड्ढे में डूबने के पीछे साजिश या हादसा, पुलिस कर रही जांच

बस्सी, (निसं)। उपखंड बस्सी क्षेत्र के कानोता थाना इलाके में मंगलवार सुबह पानी में डूबने से दो बच्चों की मौत का मामला सामने आया है। गडढे में डूबने के पीछे कोई साजिश या हादसा पुलिस इस मामले की तहकीकात में जुटी है।

जानकारी मुताबिक जिन दो बच्चों के शव एक कॉलोनी में प्लॉट के निर्माण कार्य हेतु खोदे गए पानी से भरे गड्डे में मिले, वे दोनों ही बच्चे सोमवार दोपहर से ही अपने घर से लापता थे। इन दोनों बच्चों के शव कनोता थाना इलाके के अमरविहार कॉलोनी में मिले हैं। जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। कुछ ही समय पर बच्चों को ढूंढ रहे परिजन भी मौके पर पहुंचे।

मौके पर पहुंची कानोता थाना पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान 12 वर्षीय आशु और 12 वर्षीय चंदन के रूप में हुई है। ये दोनों ही बच्चे इसी कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। सोमवार दोपहर 3 बजे से बच्चे लापता थे। इस सम्बंध में कानोता थाने में दोनों बच्चों की गुमशुदगी भी दी गई थी। उसके बाद से परिजन और पुलिस भी दोनों बच्चों की तलाश कर ही थी। आशु के पिता प्रेमसिंह ने बताया कि आशु रक्षाबंधन से पहले अपनी बड़ी बहन 14 वर्षीय गौरी को रोता हुआ छोड़ गया। चंदन और आशु अच्छे दोस्त थे। कॉलोनी में ही एक प्लाट में जेसीबी से गड्ढा खुदवाने पर उसमें पानी भरा हुआ था। ये बच्चे खेलते हुए उसके पास पहुंचे जिसके बाद यह हादसा हुआ।

बस्सी एसीपी मेघचंद मीणा ने बताया कि पूरे मामले जांच की जा रही है। मामले की जांच के बाद ही पूरा खुलासा हो पाएगा।

एक लाख से भरा बैग ले भागा युवक

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह कस्बे में एक मोबाईल की दुकान से काउंटर पर रखे सेवानिवृत शिक्षक के एक लाख रूपयों से भरे बैग को अज्ञात युवक द्वारा ले भागने का मामला दर्ज कराया गया।

अलियारी निवासी सेवानिवृत शिक्षक अम्बालाल सैनी ने दी रिपोर्ट में बताया कि एसबीआई बैंक शाखा से एक लाख रूपये निकलवा थैले में रख पास ही मोबाईल की दुकान पर अपना मोबाईल ठीक करवाने पहुंच थैले को काउंटर पर रख परिचित से बातचीत के दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा रूपयों से भरा बैग ले भागने की घटना के बाद आस-पास गहन तलाशी की गई लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की।

आठ किलो पोस्त के साथ तस्कर को पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रावला इलाके में आठ किलो पोस्त के साथ तस्कर को पकड़ा गया। आरोपी पैदल ही पोस्त लेकर आ रहा था। पुलिस टीम को देखकर वह घबरा गया और रास्ता बदलकर भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने भागकर उसे पकड़ लिया। उसके पास मिले थैले में से आठ किलो पोस्त मिला।

पुलिस ने डोडा-पोस्त के साथ कुलदीप सिंह पुत्र सुंदर सिंह को पकड़ा है। पुलिस टीम सामान्य गश्त पर थी। इस दौरान रावला से 365 हैड की तरफ जाते हुए टीम 15 केएनडी की तरफ पहुंची थी। केएनडी नहर के पास एक आदमी हाथ में थैला लेकर आ रहा था। पुलिस की गाड़ी देखते ही वह घबरा गया और नर्सरी की तरफ भागने लगा। पुलिस ने जीप से पीछा कर उसका नाम-पता पूछा। वह बारह केएनडी का रहने वाला है। फिलहाल 13 केएनडी में रहता है। थैले के बारे मे पूछने पर बहाने बनाने लगा। तलाशी लेने पर थैले में से पोस्त मिला।

आरोपी के पास पोस्त मिलने पर उसे थाने लाकर सप्लायर के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। वह पोस्त कहां से लेकर आया और इसे किसे सप्लाई करने जा रहा था, इसके बारे में अभी जानकारी जुटाई जा रही है।

- **पुलिस को देखकर भागा तो हुआ शक, थैले में मिला डोडा-पोस्त**

लैपर्ड के दिखने से फैली सनसनी

करौली के बड़ा पांचना पुल पर लैपर्ड कैमरे में कैद हो गया।

करौली (नि.स.)। शहर के करौली-हिण्डौन मार्ग स्थित बड़ा पांचना पुल पर आबादी क्षेत्र में लेपर्ड दिखने से सनसनी फैल गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पग मार्क जुटाने का प्रयास कर रही है। साथ ही लेपर्ड के मूमेन्ट पर भी नजर रखी जा रही है।

मंगलवार को प्रातः 4:35 पर एक कार करौली से भरतपुर की ओर जा रही थी। कार में सवार नासिर खान को बड़ा पांचना पुल की सड़क पर सामने से आता लेपर्ड दिखाई दिया। जो कार की रोशनी को देखकर पांचना पुल की चारदीवारी पर चढ़ कर तेजी से निकल गया। लेपर्ड का इस दौरान नासिर खान ने एक वीडियो भी बनाया है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम बड़ा पांचना पुल क्षेत्र में पहुंची और दिन भर लेपर्ड के पगमार्क जुटाने में लगी हुई थी। करौली उप वन संरक्षक सुरेश मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर टीम भेजी है और पगमार्क्स जुटाने तथा लेपर्ड के मूवमेंट पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

बिलाड़ा क्षेत्र में बिजली गिरने से दो चरवाहों की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में एक बार फिर मानसून पूरी तरह से सक्रिय नजर आ रहा है। मंगलवार को दोपहर करीब बारह बजे हुई तेज बारिश से पूरा शहर पानी पानी हो गया। आधा घंटे हुई बारिश के बाद धूप भी निकल गई। इससे पूर्व सोमवार रात को बिलाड़ा क्षेत्र के पड़ासला कलां गांव में बिजली गिरने से दो चरवाहों की मौत हो गई।

सोमवार को हालांकि जोधपुर शहर में हलकी बूंदाबांदी ही हुई मगर लोहावट व लूणी में भारी बारिश हुई। दोनों चरवाहे भेड़ें चराते समय बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े थे।

बिलाड़ा थानाधिकारी बाबूलाल राणा ने बताया कि सोमवार शाम गुजरावास निवासी 42 वर्षीय जस्साराम पुत्र मोडाराम देवासी व 44 वर्षीय बिरमाराम पुत्र भुंडाराम खेत में भेड़ चरा रहे थे। इस दौरान बारिश शुरू हो गई। दोनों वहां एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की मौत हो गई। खेत में जोरदार धमाके की आवाज सुन ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो दोनों मृत अवस्था में जमीन पर पड़े मिले।

जोधपुर में कल शाम एक बार बारिश का जोरदार मौसम बना, लेकिन बादल जोधपुर पहुंचने से पहले लूणी में जमकर बरस कर रह गए। लूणी में 64 एमएम बारिश दर्ज की गई। झमाझम बारिश से खेतों में पानी भर गया। शहर में दिन का तापमान 34.6 डिग्री रहा।

- **लूणी में 64 एमएम बारिश दर्ज की गई, खेतों में पानी भर गया**

भतीजे ने किया खुद के ताऊ का कत्ल

राजगढ़ थाना पुलिस ने हत्या के आरोपी अंकित कुमार को गिरफ्तार किया।

सादुलपुर, (निसं)। दिव्यांग व्यक्ति की धारदार हथियार से निर्मम हत्या करने के मामले में राजगढ थाना पुलिस ने चंद घंटों बाद ही आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मंगलवार शाम को प्रेस कान्फ्रेंस कर पुलिस ने हत्या का पर्दाफाश करते हुए मृतक के सगे भतीजे अंकित कुमार को गिरफ्तार किया जाना बताया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने मृतक विजय सिंह के उसकी माता के साथ अवैध संबंधों के कारण हत्या करना स्वीकार किया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी रेलवे कॉलोनी के आस-पास क्षेत्रों में ही घूमता रहा तथा बाद में रेलवे स्टेशन पर किसी ट्रेन में सवार होकर फरार होने की कोशिश करते समय पुलिस ने आरोपी को रात को ही दबोच लिया।

घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल की फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी करवाई तथा चूरू से एफएसएल टीम को बुलाया तथा साक्ष्य जुटाए। थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि देर शाम को मृतक के भाई धन सिंह निवासी नवां ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव का अपने छोटे भाई विजय सिंह के रूप शिनाख्त की।

8 अगस्त को सूचना मिली कि उसके भाई विजय सिंह की किसी ने हत्या कर दी है, जिसका का शव लोको कॉलोनी में संजय के घर पर पडा है। सूचना पर उसके चाचा के लडके कुलदीप व कृष्ण कुमार के साथ संजय के मकान पर सादुलपुर पहुंचे तो देखा संजय के मकान के अंदर हॉल में चारपाई पर उसके भाई विजय सिंह का खून से लथपथ शव पडा है। हमने पता किया तो जानकारी मिली की अंकित दोपहर से ही गायब है। वहीं दर्ज मामले में धन सिंह ने बताया था कि उसके भतीजे तथा भाई विजय सिंह की पहले से ही आपस में बोलचाल हुई थी। मुझे शक है कि मेरे भतीजे अंकित ने मेरे भाई विजय सिंह की हत्या की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी तथा मृतक का पोस्टमार्टम करवा कर शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

प्राप्त सूचनाओं का तकनीकी विश्लेषण कर घटना के चंद घंटों बाद ही आरोपी अंकित कुमार निवासी नवां तहसील राजगढ जिला चूरू हाल निवासी वार्ड नंबर 18 दुर्गा कॉलोनी को गिरफ्तार कर किया गया तथा आरोपी अंकित कुमार द्वारा घटना करना स्वीकार करते हुए अपने ताऊ विजय सिंह की हत्या करना स्वीकार किया है।

- **मां के साथ अवैध संबंधों के चलते दिया वारदात को अंजाम**
- **चन्द घंटो में आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया**
- **ट्रेन में सवार होकर फरार होने की कोशिश करते समय पुलिस ने आरोपी को रात को ही दबोच लिया**

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

जालोर, (कासं)। पिछले तीन दिनों से नंदगांव में चल रहे विस्तारक प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हुआ। समापन समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुणसिंह और प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने शिरकत की।

- **प्रदेश प्रभारी और प्रदेशाध्यक्ष सहित कई जनों ने दी उपस्थिति**
- **कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र की समस्याओं पर संवाद किया गया**

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया (बीच में) के आबूरोड से रेवदर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र के दौरान प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने विस्तारक जाने वाले कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया की भाजपा का संगठन दिनों-दिन मजबूत हो रहा हैं। सैंकडों कार्यकर्ता पूर्व में भी विस्तारक गए है और आज भी जाने के लिए तैयार हैं। आज देश की युवा शक्ति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों में अपना सहयोग देने के लिए आतुर है।

दूसरे सत्र में प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जोशी ने कार्यकर्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। विस्तारक जाने वाले कार्यकर्ताओं के सामने क्षेत्र में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान के संबंध में संवाद किया गया। कार्यक्रम के समारोप सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री एवम प्रदेश प्रभारी अरुणसिंह मौजूद रहें। उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक संरचना पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया की आज भाजपा जो विश्व के सबसे बडे राजनैतिक दल के रूप में विकसित हुई हैं, वह सदियों की अथक मेहनत का परिणाम है।

समापन समारोह के बाद जालोर एवम् सिरोही जिले की संयुक्त बैठक प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें संगङ्गनात्मक संरचना की जानकारी ली एवम् आगामी हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं रानीवाडा विधायक नारायणसिंह देवल, प्रदेश मंत्री विजेन्द्र पुनियां, प्रशिक्षण वर्ग प्रदेश संयोजक राजेश गुर्जर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सांवलाराम देवासी, वन्नेसिंह गोहिल, जालोर जिला संगठन प्रभारी महेन्द्र बोहरा, जालोर जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली, सिरोही जिलाध्यक्ष नारायणलाल पुरोहित, सियाना विधायक हमीरसिंह धायल, रेवदर विधायक जगसीराम कोली, पिंडवाडा - आबू विधायक समाराम गरासिया, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, सांचौर पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, सांचौर विधायक प्रत्याशी दानाराम चौधरी सहित कई भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

रींगस वृत्ताधिकारी निलंबित

जयपुर। पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने मंगलवार देर रात को एक आदेश जारी कर रींगस वृत्ताधिकारी सुरेन्द्र सिंह को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ एक मामले में जांच प्रस्तावित है। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय पुलिस महानिदेशक कार्यालय जयपुर रहेगा।

फायरिंग में महिला घायल

भरतपुर, (निसं)। शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र की बुद्ध की हाट में पड़ोसी से किसी विवाद को लेकर झगड़ा इतना बढ़ गया कि घर में घुसकर फायरिंग व मारपीट की गई। इस मारपीट में एक महिला घायल हो गई। घटना की सूचना पाकर मथुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित पक्ष ने इस घटना को लेकर मामला दर्ज करवाया है।

हालांकि दूसरे पक्ष की ओर से अभी तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है। रिपोर्ट में बताया है कि नौ अगस्त की दोपहर करीब एक बजकर 15 मिनट पर घर पर ही था और बच्चे भी उपस्थित थे। जैसे ही पत्नी स्कूल से पढ़ाकर आई तो संजय व अन्य ने एक राय होकर घर में प्रवेश किया। इन्होंने घर में घुसकर फायरिंग की। साथ ही घर के दरवाजे तोड़ दिए। गेट के बाहर खड़ी बाइक को तोड़ दिया। मेरे व पत्नी से मारपीट की।

जेईई-एडवांस्ड के आवेदन की अंतिम तिथि कल

कोटा, (निसं)। जेईई-मेन के आधार पर शीर्ष चुने गए ढ ाई लाख विद्यार्थी एडवांस्ड परीक्षा के लिए पात्र घोषित किए गए हैं। ये विद्यार्थी अब बड़ी संख्या में जेईई-एडवांस्ड के लिए आवेदन करते दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष आईआईटी बॉम्बे द्वारा 28 अगस्त को जेईई-एडवांस्ड परीक्षा दो पारियों में होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-एडवांस्ड के आवेदन के दौरान वे विद्यार्थी परेशानी का सामना कर रहे हैं, जिन्होंने आवेदन प्रक्रिया में सभी चरणों को पूर्ण कर फीस का भुगतान भी कर दिया है, परन्तु उनकी आवेदन शुल्क अभी भी पेंडिंग बता रहा है। विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड वेबसाइट पर एडवांस्ड के लिए 11 अगस्त शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान ऐसे विद्यार्थियों को जेईई-एडवांस्ड द्वारा राहत दी गई जिनके पास ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस कैटेगरी का प्रमाण पत्र 1 अप्रेल 2022 के बाद का उपलब्ध नहीं है। इन सभी विद्यार्थियों को आवेदन के दौरान कैटेगरी दस्तावेज को अपलोड करने के स्थान पर डिक्लेरेशन के माध्यम से आवेदन करने का मौका दे दिया है। ये सभी विद्यार्थी जोसा काउंसलिंग के दौरान सीट आवंटन होने पर अपनी कैटेगरी सर्टिफिकेट को जमा करवा सकता है। डिक्लेरेशन का प्रारूम जेईई-एडवांस्ड के इनफोर्मेशन बुलेटिन से डाउनलोड किया जा सकता है। एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम 11 सितम्बर को जारी किया जाएगा।

जमीन विवाद में पांच घायल

बयाना, (निसं)। बयाना पुलिस वृत के थाना गढीबाजना क्षेत्र के गांव तरसूमा में एक ही परिवार के दो पक्षों में आपसी विवाद के चलते आपस में हुई मामूली कहासुनी ने ऐसा तूल पकड़ा कि देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी भाटा जंग हो गई। जिसमें दोनों पक्षों के पांच जने घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए बयाना के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना पर पुलिस भी पहुंची और घायलों के पर्चा बयान दर्ज कर मेडिकल कराया। पुलिस हैडकांस्टेबल ब्रजेन्द्र शर्मा ने बताया कि झगडे में घायल हुए प्रकाशचंद, भैरोसिंह, गुनेषवती व दूसरे पक्ष के जीतेन्द्र एवं रामवीर को अस्पताल में भर्ती कराया है।

चौदह घंटों की मशक्कत के बाद जोधपुर-जैसलमेर रेल मार्ग यातायात के लिए खुला

जोधपुर, (कासं)। पानी के तेज बहाव के कारण रेल पटरियों के नीचे से मिट्टी खिसकने से अवरुद्ध जोधपुर - जैसलमेर रेल मार्ग सोमवार देर रात दुरुस्त करवा लिया गया है।

तेज बारिश,दलदल और संकडे रास्ते के बावजूद ट्रेक के रखरखाव का कार्य पूरा होने के साथ ही जोधपुर-जैसलमेर- जोधपुर रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही फिर से प्रारंभ हो गई है।

उत्तर- पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के जैसलमेर सेक्शन लोहावट-शैतानसिंह नगर रेलवे स्टेशनों के बीच पश्चिमी ढाणी स्थित रूपाणा-जेताणा गांव में सोमवार सुबह खेतों में से बहकर तेज बहाव से आई एक छोटी नदी ने तीन जगहों से रेलवे ट्रेक के नीचे से मिट्टी बहा दी। जिससे रेल पटरी हवा में झूल गई थी। मामले की जानकारी मिलते ही इस मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया और जोधपुर डीआरएम गीतिका पांडेय ने जोधपुर से इंजीनियरों की टीम प्रभावित स्थान के लिए रवाना की और दोपहर में स्वयं भी विशेष ट्रेन वहां पहुंची।

पांडेय ने बताया कि शैतान सिंह नगर 111 किलोमीटर 9/111 के नीचे से पानी के तेज बहाव के कारण तीन स्थानों पर मिट्टी बह गई थी जिसे राहत कार्य में लगी टीम ने जेसीबी व पौकलेंड मशीनों के माध्यम से सीमेंटेड पाइप डालकर दुरुस्त करते हुए पानी की निकासी का मार्ग बना दिया है। उन्होंने बताया कि इस तरह की अत्यधिक समस्या वाले स्थलों को चिन्हित किया जा रहा है जहां स्थाई रूप से पुल बनाने का प्रस्ताव रेलवे मुख्यालय को भेजा जाएगा।

उन्होंने बताया कि जोधपुर संभाग में तेज बारिश की चेतावनी के मद्देनजर डीआरएम ऑफिस में इसके लिए एक कंट्रोल रूम की भी स्थापना की गई है। इस दौरान डीआरएम के साथ वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) मुकेश कुमार मीणा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम)अंशुल सारस्वत, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी(आरपीएफ) अनुराग मीणा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक अशोक कुमार मीणा, जैसलमेर सहायक बिजली अभियंता पी एस अधिकारी, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी अनिल मोदी, यातायात निरीक्षक हेमंत शर्मा, महेंद्र सिंह सब्बरवाल, राजकुमार जोशी, चिकित्सा अधिकारी आयुष गहलोत व यातायात निरीक्षक आर एस नेण समेत बड़ी संख्या में अधिकारी निरीक्षक और आरपीएफ के जवान उपस्थित थे।

खुद डीआरएम तेज बरसात के बावजूद मौके पर मोर्चा संभाले रही। इस दौरान अनेक ग्रामीण भी उपस्थित थे।

लोहावट - शैतान सिंह नगर रेल मार्ग के दुरुस्त होने का फिट सर्टिफिकेट रात दस बजे जारी होने के बाद सबसे पहले लोहावट से फलोदी की ओर एक मालगाडी का संचालन किया गया जो प्रभावित स्थान से दस किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से सफलतापूर्वक निकाली गई।

- **'समस्या वाले स्थलों को चिन्हित कर स्थाई पुल बनाने का प्रस्ताव रेलवे मुख्यालय को भेजा जाएगा'**

ढोल-ताशों की मातमी धुन के साथ शहर में निकला ताजियों का जुलूस

अभ्रक, चांदी के वर्क और झाड़वाले शीशे लगे ताजिये रहे आकर्षण के केन्द्र

मोहर्रम के मौके पर विभिन्न मोहल्लों के इमामबाड़ों में निकले ताजिये मंगलवार सुबह 4 बजे मातमी धुनों के साथ बड़ी चौपड़ पर इकट्ठा हुए। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर (कासं)। मोहर्रम के मौके पर शहर के विभिन्न मोहल्लों के इमामबाड़ों में मंगलवार को इमाम हुसैन की याद में ढोल-ताशों की मातमी धुन के साथ ताजियों का जुलूस निकाला गया। वैश्विक महामारी के मद्देनजर 2 साल बाद ताजियों की रौनक शहर में बिखरी। सेंट्रल हिलाल कमेटी के कन्वीनर और राजस्थान चीफ काजी खालिद उस्मानी ने समाजजनों से सौहार्द कायम रखने की अपील की।

- **इमाम हुसैन की कर्बला में शहादत को यौम-ए-आशूरा के रूप में मनाया**

रामगंज, चांदपोल समेत अन्य जगहों से तकरीबन 350 ताजिए बड़ी चौपड़ पहुंचे, यहां से शाम को हजरत इमाम हुसैन के रोजे के प्रतीक रूप में बनाए अभ्रक, चांदी के वर्क और झाड़वाले शीशे लगे इन ताजियों को रामगढ़ मोड स्थित कर्बला मैदान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दिन को इमाम हुसैन की कर्बला में शहादत को यौम-ए- आशूरा के रूप में मनाया गया। इससे पहले जंजीरे मातम के साथ सीनाजनी हुई। उधर मोहर्रम के दिन रोजे, इबादत कर दान-पुण्य किया गया। दोपहर परकोटे समेत अन्य जगहों पर ताजिए का जुलूस निकाला गया, जहां दस्तारबंदी की गई। ताजिए के जुलूस के दौरान पुलिस का समुचित जाप्ता तैनात रहा।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार प्रातः 8 बजे शिया जामा मस्जिद में आमाने आशूरा हुआ। प्रातः 9 बजे मेहरों की नदी स्थित शेरपुर हाउस में मजलिस हुई। ताजियों का जुलूस मोहल्ला पन्नीगरान, बांदरी का नासिक, चार दरवाजा, गंगापोल होते हुए कर्बला पहुंचा। जुलूस में शिया अंजुमन मिलकर जंजीरे मातम कर हजरत इमाम हुसैन को खिराजे अकीदत पेश की। इसके बाद ताजियों को सुपुर्द-ए- खाक किया गया। रात 8.30 बजे शिया इमाम बारगाह शाम-ए-गरीबा की मजलिस हुई।

मन की मुराद पूरी होने पर नंगे पांव, हरे रंग की टोपी पहन, मन्नत की हाजिरी देकर माला पेश करते और सेहरा बांध दुआ करते अकीदतमंद दिखाई दिए। फजर की नमाज से पहले मोहल्लों में ताजिए रखे गए। ताजिए के जुलूस के दौरान पुलिस का समुचित जाप्ता तैनात रहा।

मोहर्रम पर लाखों रुपए के ताजियों की खास कशिश रही। खासतौर से रियासतकालीन मोहल्ला मावतान का सोने का ताजिया, घाटगेट स्थित बड़े पार्क का चांदी का ताजिया समेत अब्दुल वहीद, मुश्ताक, अनवर अहमद, पप्पू, सलीम खान, गुरजार मस्जिद, पन्नीगरान का ताजिया का आकर्षण रहा। इसके अलावा गुरजार मस्जिद, मौला कुरैशियों का ताजिया, पन्नीगरान का ताजिया, नीलगरान, नालबंदान, हांडीपुरा, सिरकीगरों का ताजिया, बड़ वालों की मस्जिद का ताजिया, जालुपुरा, रेहमानियों का ताजिया, लुहारों का खुर्रा पहलवानों का ताजिया, उमरान मछली वाला, ऊंटवाला अंसारियों का ताजिया समेत रहमानियों का ताजिया भी खास रहा।

पिकअप सवार बदमाश दो एटीएम उखाड़कर फरार

- **नाकाबंदी के बावजूद नहीं पकड़ सकी पुलिस टीम**
- **सिरसी मोड मुख्य तिराहे पर सोमवार देर रात हुई वारदात**

जयपुर (कासं)। भांकरोटा इलाके में सोमवार देर रात पिकअप सवार बदमाशों ने दो एटीएम मशीनों को गाड़ी से बांधकर उखाड़ा और उसे लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने आसपास के इलाके में नाकाबंदी भी करवाई गई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया।

अब फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम को घटनास्थल पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए है। बताया जा रहा है कि एटीएम मशीन में 50 हजार रुपए मौजूद थे। कि पुलिस को वारदात स्थल पर चौपहिया वाहन के टायरों के निशान भी मिले हैं।

बदमाशों की यह तमाम करतूत वारदात स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। फुटेजों में छह बदमाश वारदात करते दिखाई दे रहे है। फिलहाल पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

भांकरोटा थानाधिकारी रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार देर रात सिरसी मोड़ स्थित मुख्य तिराहे के पास स्थित निजी कंपनी के हिताची और वक्रांगी के एटीएम है और एटीएम पर सिक्योरिटी गार्ड तैनात नहीं था। जहां बदमाशों ने एटीएम को गाड़ी से रस्सी बांधा और उखाड़ लिया। फिर उखाड़े गए एटीएम को अपने साथ लाई गाड़ी में रख कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने बूथ में लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला। फुटेज में लोहे के नकब के साथ 6 नकाबपोश बदमाश एटीएम लूट की वारदात को करते दिखाई दे रहे है। बूथ में घुसते ही कैमरों पर स्प्रे कर बंद कर दिया और फिर सीसीटीवी कैमरों का मुंह मोड़ दिया गया। पुलिस का कहना है कि करीब पौन घंटे में दोनों एटीएम को बदमाश गाड़ी में रखकर लूट ले गए। एक एटीएम में 8 हजार और दूसरे में 38 हजार रुपए मौजूद थे। फिलहाल बदमाशों को पकड़ने के लिए जिला स्पेशल टीम पश्चिम के साथ थाने की स्पेशल टीम जुटी हुई है। बदमाशों के वारदात को अंजाम देने के बाद हाईवे के रास्ते भागने की संभावना को देखते हुए आसपास हाईवे पर स्थित टोल पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाले जा रहे है।

परिचय सम्मेलन 14 अगस्त को

जयपुर (कासं)। गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान की ओर से 15वां अंतरराष्ट्रीय परिचय सम्मेलन 14 अगस्त को परशुराम भवन विद्याधर नगर सेक्टर 4 सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। इसमें देश-विदेश से 800 से अधिक युवक-युवती अपना परिचय देकर जीवनसाथी चुनेंगे। महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया ने बताया कि परिचय सम्मेलन में संपूर्ण भारत के साथ विदेशों से भी विवाह योग्य युवक युवती की प्रविष्टि प्राप्त हुई है। समाज को दिनांक 1 अगस्त तक 800 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी है। इसमें अमेरिका में रह रहे परिवार के साथ-साथ उच्च शिक्षित डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, अधिवक्ता, सरकारी उच्च पदस्थ अधिकारी के बायोडाटा प्राप्त हुए हैं।

सार-समाचार

अवनी होम्स परिसर में बनेगा मंदिर

जयपुर (कासं)। बीलवा कलां स्थित अवनी होम्स परिसर में सभी फ्लैट मालिकों के सहयोग से अवनीश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की जा रही है। अधिवक्ता मुनेश चन्द शर्मा ने बताया कि परिसर में निवासरत सभी महिला-बच्चे व पुरुषों की मौजूदगी में महावीर शास्त्री ने पूरे विधि विधान से मन्दिर की नींव अवनी होम्स के डायरेक्टर विजय सिंह चौहान के कर कमलों द्वारा रखवाई। मन्दिर का भव्य निर्माण सभी के सहयोग से करवाया जायेगा, यहां पर शिव परिवार के साथ सभी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी।

इच्छापूर्ण महादेव मंदिर में झांकी सजाई

जयपुर (कासं)। इच्छापूर्ण महादेव मंदिर में हर वर्ष की भांति भगवान शिव का पंचामृत और मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक करके भव्य सिंगार व महाआरती की गई। इसके बाद आराध्यदेव को भोग लगाकर अच्छी वर्षा व सभी के स्वस्थ रहने की कामना की गई। सभी श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ के दर्शनों का लाभ उठाया। मंदिर में भगवान का भव्य श्रृंगार हिमांशु कटारिया, बृजेश सैनी, मुकेश कटारिया, देवेंद्र सैनी, गणेश सैनी, पवन कटारिया, रामबाबू सैनी और देव कटारिया ने किया।

मनोज सोगानी तीसरी बार अध्यक्ष बने

(बायें से) दशरथ सिंह, अरविंद पारीक व मनोज सोगानी जैन

जयपुर (कासं)। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (टाई) राजस्थान चैप्टर की सालाना बैठक जयपुर की गणगौर होटल में आयोजित की गई। यहां सभी मौजूदा मेंबर्स ने 2022 से 2024 के कार्यकाल की निर्विरोध कार्यकारिणी का चयन भी किया। इस दौरान लगातार तीसरी बार टाई, राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष के तौर पर मनोज सोगानी जैन को अध्यक्ष घोषित किया गया। साथ ही मानद सचिव के तौर पर दशरथ सिंह और मानद कोषाध्यक्ष के तौर पर अरविन्द पारीक ने अपना दायित्व संभाला। मौजूदा टूरिज्म और होटल इंडस्ट्री के हालातों पर मनोज जैन ने कहा कि कोविड आपदा के दौर से गुजरने के बाद होटल, एविएशन और टूरिज्म इंडस्ट्री को खासा नुकसान झेलना पड़ा है, अब वे हालत समय के साथ बेहतर हो रहे है। ऐसे में हमारी कोशिश है कि हम ट्यूरिस्ट और सेलर के बीच एक सरल रास्ता बना सके। साथ ही देश के ग्रामीण इलाकों में ट्यूरिज़्म बढ़ाने की ओर प्राथमिकता दी जाएगी।

'घर-घर में तिरंगा फहराएंगे विद्यार्थी'

जयपुर (कासं)। जयपुरिया इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने भारत के 75 वें अमृत महोत्सव के तहत अपने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को आगामी 75वें स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में भारतीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया। इंस्टीटयूट के डायरेक्टर डॉ. प्रभात पंकज ने सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को झंडे वितरित किए। उन्होंने सभी को "हर घर तिरंगा-आज़ादी का अमृत महोत्सव" में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में एक राष्ट्र के रूप में ध्वज को सामूहिक रूप से फहराना न केवल तिरंगे से व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र-निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का भी अहसास कराता है।

नर्सेज को सम्मानित किया

जयपुर । अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष के.सी. घुमरिया ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर नमो नारायण मीणा एडवांस आईसीयू 1 में कार्यरत व सीनियर नर्सिंग ऑफीसर मुरारी लाल मीणा जयपुरिया चिकित्सालय तथा परिषद के प्रदेश सचिव मनोज दुब्बी मीना को सम्मानित किया। इन्हें यह सम्मान निस्वार्थ भाव से मरीजों की सेवा करने पर मंगलवार को विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित समारोह में दिया। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यादराम मीणा, किसान नेता और जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील भी मौजूद थे।

अपहरण कर युवक की हत्या करने वाला बदमाश गिरफ्तार

- **सांगानेर पुलिस इस प्रकरण में पहले भी तीन आरोपियों को पकड़ चुकी**

जयपुर (कासं)। सांगानेर इलाके में युवक का दिनदहाड़े अपहरण कर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूर्व में तीन लोगों को इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है।

डीसीपी (पूर्व) राजीव पचार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कन्हैयाल उर्फ कानाराम गुर्जर (32) गुर्जरों की ढाणी सेक्टर-11 प्रताप नगर का रहने वाला हैं। डीसीपी ने बताया कि 19 फरवरी को चौधरी कॉलोनी सांगानेर निवासी रमेश बैरवा ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि दिन में तीन बजे घर के बाहर से एक सफेद रंग की कार में तीन-चार लोग उसके भाई मुकेश को उठाकर ले गए। जिसको उठाकर ले जाने के बाद मारपीट कर चलती गाड़ी से बीलवा टोंक रोड पर फेंक गए थे, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इस संबंध में पीड़ित ने संजय सागर, अक्षय चौधरी और उसके साथियों के खिलाफ भाई के साथ मारपीट कर हत्या करने का मामला दर्ज करवाया था। मामला दर्ज करवने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश कर संजय सागर, मनोज उर्फ फफोला, महेश उर्फ डब्बू छीपा को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में एक आरोपी कन्हैया उर्फ कानाराम गुर्जर लम्बे समय से फरार चल रहा था। जिसकी तलाश के लिए एडिशनल डीसीपी अवनीश कुमार, एसीपी रामनिवास विश्नोई और थानाधिकारी हरि सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। टीम के हैड कांस्टेबल सूरजमल और कांस्टेबल केदारमल को सूचना मिली थी कि कन्हैयालाल गुर्जर काली माता मंदिर प्रताप नगर हल्दी घाटी पर खड़ा है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

ईमानदारी से काम करने के लिए राजनीति में आया हूं : रमेश मीना

जयपुर । मंत्री रमेश मीना ने कहा कि गरीब को गणेश मानकर ईमानदारी से कम करने के लिए राजनीति में आया हूँ और अपने समाज और जनता के लिए पूर्ण रूप से समर्पित हूँ। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी समाज को एक जुट होनी की जरूरत है। तभी आदिवासी समाज का विकास सम्भव है। और खासतौर पर बच्चों को अच्छे संस्कार देने की जरूरत है।

दुर्गापुरा स्थित राजस्थान कृषि अनुसंधान केंद्र सभागार में विश्व आदिवासी अंतराष्ट्रीय दिवस समारोह के आयोजन में केबिनेट मंत्री रमेश चंद मीना मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। वरिष्ठ आईएएस कुंजी लाल मीना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अरावली विचार मंच की ओर से आयोजित समारोह की थीम आदिवासी समाज के विकास में महिलाओं का योगदान रखी गयी। समारोह में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी लोक कला एवं संस्कृति को साकार किया।

प्रदेश में थोड़ी वृद्धि के बाद 580 नए करोना संक्रमित मिले मंगलवार को

जयपुर के बाद अब अलवर में सर्वाधिक नए संक्रमित मिल रहे हैं

- **राहत की बात यह है कि पिछले दो दिन से इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।**

जयपुर (कासं)। प्रदेश में मंगलवार को थोड़ी वृद्धि के बाद 580 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सर्वाधिक जयपुर और अलवर में मामले पाए गए हैं। वहीं रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 4 हजार के पार हो गए हैं। राहत की बात यह है कि पिछले दो दिन से इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 21 जिलों में 580 नए संक्रमित मिले थे। इससे पहले सोमवार को 552 रोगी पाए गए थे। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 139 नए संक्रमित जयपुर जिले में जबकि अलवर में 112 मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा उदयपुर में 72, दौसा में 55, भरतपुर में 35, चित्तौड़गढ़ में 32, जोधपुर में 25, नागौर में 20, कोटा में 19, डूंगरपुर में 17, प्रतापगढ़ में 10, झालावाड़ में 9, सवाई माधोपुर में 7, सीकर में 6, धौलपुर और पाली में 5-5, बूंदी में 4, जालोर में 3, अजमेर और बीकानेर में 2-2 तथा झुंझुनूं में एक नया संक्रमित मिला है। प्रदेश में सोमवार को कोविड जांच के लिए 20 हजार 299 नए सैम्पल लिए गए।

प्रदेश में मंगलवार को केवल 251 मरीज ही ठीक हुए हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 4142 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में आज एक भी मरीज रिकवर नहीं होने से 1400 एक्टिव केस हो गए हैं। इसके अलावा अलवर में 464 जबकि दौसा, जोधपुर और उदयपुर में दो सौ से अधिक लोगों का इलाज चल रहा है। राज्य में पिछले 24 घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9590 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। जयपुर जिले में 41 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सर्वाधिक 36 संक्रमित सांगानेर में मिले हैं। जगतपुरा में 9, मालवीय नगर में 8, मानसरोवर और शास्त्री नगर में 7-7, सी-स्कीम व दुर्गापुरा में 5-5, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, सांभर, सोड़ाला व विद्याधर नगर में 4-4, बाइस गोदाम, लालकोठी व वैशाली नगर में 3-3, बापू नगर, बस्सी, गोविंदगढ़, फागी व टोंक फाटक इलाके में 2-2 तथा आदर्श नगर, आमेर, बनीपार्क, सिविल लाइन, गोपालपुरा, गुर्जर की थड़ी, हरमाड़ा, हसनपुरा, जमवारामगढ़, खातीपुरा, किशनपोल बाजार, कोटपूतली, रामगंज, रेनवाल, शाहपुरा, सीकर रोड, सिरसी रोड, तिलक नगर, वाटिका व वीकेआई में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 3 संक्रमितों का पता सही नहीं मिला है।

नंदपुरी अंडरपास में भरे पानी में बस डूबी, सवारियों ने छत पर चढ़कर जान बचाई

बारिश के दौरान मालवीय नगर के इस अंडरपास में हमेशा भरता है पानी

मालवीय नगर स्थित नंदपुरी अंडरपास में मंगलवार सुबह मिनी बस आधी डूब गई। इससे घबराई सवारियां बस की छत पर चढ़ गई।

- **पुलिस और सिविल डिफेंस ने सवारियों को सुरक्षित निकाला**
- **पिछले दिनों मंत्री मुरालीलाल मीणा की बेटी की कार भी यहीं पर डूबी थी**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मालवीय नगर स्थित नंदपुरी अंडरपास में मंगलवार को सवारियों से भरी बस पानी में डूब गई। देखते ही देखते बस में पानी भर गया। यह देखकर सवारियां पहले तो सीट पर और फिर बस की छत पर चढ़ गई और मदद की गुहार लगाने लगी। यह देख आस-पास के लोगों ने पुलिस और प्रशासन को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों व सिविल डिफेंस टीम की मदद से बस में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के मुताबिक मिनी बस-6 खिरनी फाटक से जयपुर एयरपोर्ट तक चलती है। मंगलवार को बस खिरनी फाटक से जयपुर एयरपोर्ट जा रही थी, तभी सेक्टर-15 नंदपुरी अंडरपास में बस निकालते समय यहां भरे बारिश के पानी में डूब गई। देखते ही देखते पूरी बस में पानी भर गया। यहां तक की सीट के उपर तक पानी आ गया, जिससे उसमें बैठी 4 सवारियां घबरा गई और किसी तरह वह बस की छत पर चढ़ गई और लोगों से मदद की गुहार लगाई। यह देख उधर से गुजर रहे लोगों ने पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दी।

मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस की टीम ने सवारियों को बाहर निकाला। बस को पानी से निकालने का प्रयास किया रहा हैं। बस में पानी भर जाने से उसमें बैठी सवारियों को जान सांसत में आ गई। किसी तरह वह बस की छत पर बैठ गई। नागरिक सुरक्षा जयपुर के उप नियंत्रक अमित शर्मा के नेतृत्व में सिविल डिफेंस की टीम के सदस्य महेन्द्र सिंह सेवदा, भीम सिंह सहित अन्य लोग पहुंचे और बस के उपर बैठी सवारियों को सकुशल उतार लिया।

गौरतलब है कि बरसात की वजह से नंदपुरी अंडरपास में पानी भर जाता है। इसकी वजह से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं होने की वजह से आए दिन इस तरह की परेशानी होती है।

ज्ञात रहे कि चार-पांच दिन पहले भी इसी अंडरपास में मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी की लग्जरी कार भी डूब गई थी, उस वक्त भी कार सवार लोगों ने छत पर चढ़कर खुद की जान बचाई थी। यहां आए दिन बाइक सवार लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है।

भांकरोटा में रस्सी से गला घोंटकर युवक की हत्या

- **बदमाशों ने लाश को चद्दर में बांध सड़क किनारे फेंका**

जयपुर (कासं)। भांकरोटा थाना इलाके में रस्सी से गला घोंटकर 25 वर्षीय एक युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। बताया कि जा रहा है कि हत्यारों ने किसी और जगह पर हत्या करने के बाद चद्दर में लाश को बांधकर मंगलवार सुबह रोड किनारे फेंका है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम को मौके पर बुलाकर घटनास्थल से सबूत जुटाए है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

थानाधिकारी रविन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि रिंग रोड के सड़क किनारे मंगलवार सुबह एक युवक का शव पड़ा मिला। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि युवक की गला घोंटकर हत्या की गई। साथ ही कहीं और हत्या करने के बाद शव यहां फेंका गया है। मृतक युवक की पहचान नहीं होने पर शव को एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र 25 से 30 साल के बीच की है। करीब 4-5 घंटे पहले ही रस्सी से गला घोंटकर युवक की हत्या की गई थी। किसी दूसरी जगह पर हत्या करने के बाद शव को चद्दर में बांधकर हत्यारे यहां लाए और थाना इलाके में स्थित रिंग रोड किनारे खाली जगह में शव ठिकाने लगाकर फरार हो गए। लाश बांधकर लाने वाली सफेद कलर की चद्दर को जब्त कर लिया गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि मंगलवार तडके शव यहां फेंका गया है। हत्या में दो या दो से अधिक लोग शामिल है। हत्या के बाद किसी वाहन में डालकर शव यहां लाए। पुलिस मृतक की पहचान के साथ परिजनों की तलाश कर रही है।

बावरिया गैंग के तीन चोर दबोचे

जयपुर । कालवाड़ पुलिस ने शातिर वाहन चोर और रात में सूने मकानों में नकबजनी करने वाले बावरिया गिरोह का पर्दाफाश कर तीन बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के पांच वाहन बरामद कर लिए। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी सूने मकानों, थड़ी और किराना की दुकानों और मंदिरों में रखे दानपात्र से चोरी करते थे।

डीसीपी (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि पकड़े गए आरोपी मेवा बावरिया डिग्गी टोंक, राकेश बावरिया मालपुरा टोंक, धारा सिंह बावरिया मेन्दवास टोंक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चुराई 7 मोटरसाईकिल बरामद की है। इस संबंध में 8 अगस्त को परिवादी अमन यादव ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। पीड़ित ने बताया था कि उसकी मोटरसाईकिल बालाजी फ्रेक्चर एण्ड जनरल अस्पताल की पार्किंग से कोई चोरी कर ले गया। इस पर पुलिस ने जांच करते हुए आरोपियों को दबोचा।

Inventors Month

The printing press. The automobile. The internet. Electricity. Penicillin. Glasses. Sliced bread. All of these things and thousands more are inventions made by our ingenious inventors that may have lived thousands or hundreds of years ago or may even still be alive today that we benefit from every single day. Take some time to appreciate the brilliant men and women who have invented ways to make our lives better and easier from glasses to plumbing to spaceships.

#BIOCHEMISTRY

Extending Shelf Life Of Vaccines

Most vaccines require strict temperature regulation from the manufacturing line to injection into a human arm.

Early half of all vaccines go to waste. This is due to the logistical obstacles involved in transporting them to diverse regions of the world. Most vaccines require strict temperature regulation from the manufacturing line to the injection into a human arm. Maintaining a constant temperature along the cold (supply) chain is a challenging feat in the best of circumstances. In the Sub-Saharan Africa and other developing regions for example, limited transport infrastructure and unreliable electricity compounds the already immense challenges of delivering viable vaccines.

Rising to the challenge, scientists from ETH Zurich's Macromolecular Engineering and Organic Chemistry Labs and entrepreneurs from Colorado based Nanoly Bioscience worked together to develop a safe, versatile platform to increase the thermal stability of vaccines. Their aim is to vastly improve the distribution of viable vaccines and reduce the economic costs of the cold chain.

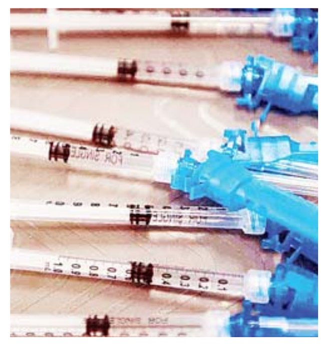

Like 'Tupperware' for Proteins

"Think of it like an egg," explains Bruno Marco-Dufort, a doctoral researcher in Professor Mark Tibbitt's Macromolecular Engineering lab. "At room temperature or in the refrigerator the egg maintains its viscous like protein structure but once it hits boiling water or the frying pan its structure changes permanently." It is similar for the proteins in a vaccine - once exposed to certain temperatures they clump together. Cooling them down again will not reverse their denaturation - you cannot 'un-cook' the egg.

So rather than altering Mother Nature, Marco-Dufort and the research team developed a new type of hydrogel, the details of which were just published in the journal Science Advances. The gel is based on a biocompatible, synthetic polymer known as 'PEG' that serves as a protective, 'cloaking device' for very large - yet invisible to the naked eye - complex molecules such as the proteins found in vaccines, antibodies or gene therapies. The packaging works kind of like a molecular Tupperware, encapsulating the proteins and keeping them separated. It enables the proteins to withstand a higher range of temperature fluctuations. Instead of the traditional +2 to +8°C (35 to 45°F) range for the cold chain, encapsulation allows for a range of 25 to 65°C (75 to 150°F).

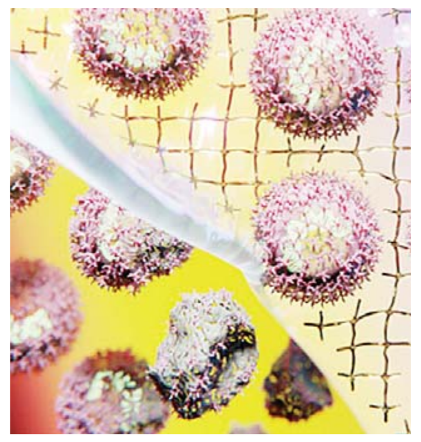

Most importantly, the encapsulated cargo is simply released by adding a sugar solution, enabling easy on-demand recovery of the vaccines at their point of use.

Usage in Cancer Research

In addition to a higher rate of vaccine viability, the real game changer of this new biomedical hydrogel technology is the potential economic effect it could have on reducing costs and health risks associated with the cold chain. "In 2020, the overall market for cold chain services (from manufacturing to distribution) was $17.2 billion and forecasted to rise," the researchers reported. Rising costs pose potentially dire consequences for public health and public trust if vaccines arrive via a compromised cold chain.

"Most vaccines are sensitive to hot and cold. This creates a large barrier for global immunization campaigns, because vaccine distribution and administrative costs often exceed the costs of production," explains Marco-Dufort. While more investment will be needed to shore up the cold chain, encapsulation offers a cost saving solution that could be put towards production of more vaccines and thus save more lives.

Yet, there is still a long way to go in terms of further research, safety studies and clinical trials before the hydrogels can be implemented for vaccine distribution.

Solving a Global Issue

While new biotechnologies and cost savings are a step in the right direction, there are still tremendous logistical, political and socio-economic challenges in resolving the global issues surrounding equitable vaccine distribution and vaccine hesitancy. Marco-Dufort's motivation is undeterred. His childhood experience living in the Democratic Republic of the Congo instilled a deep appreciation for the need for vaccines against infectious diseases not just for Covid-19 but also for Polio, Meningitis and Ebola. He more than most is aware of the tremendous challenges people living in Sub-Saharan Africa face in terms of access to vaccines where infectious diseases are still prevalent.

Mark Tibbitt, Bruno Marco-Dufort and the team's work represent a substantive advancement in vaccine excipient development. Their work also offers a glimmer of hope for a positive societal impact. Even a small relief of the economic factors associated with the distribution of vaccines, medicines and biomedical research could result in larger impacts down the road.

#LEGEND

BOB DYLAN
The Vagabond Poet

By mid 60s, Dylan had begun to change quite a bit, much to the dismay of his diehard fans who called him names for switching to electric guitars and playing rock-n-roll. He also began to wear flashy clothes, shaded glasses and moving around in expensive cars, money..... But his creative energies continued to explode, producing one smash hit album after another. In 1965, Columbia produced his sixth long playing record 'Highway 61 Revisited' that carried 'Like a Rolling Stone'. It is quite a poignant song that captures the ethos of human condition in difficult circumstances by telling the story of a woman who has fallen from grace and good times into misfortunes and is reduced to fending for herself in a hostile, unfamiliar world of strangers.

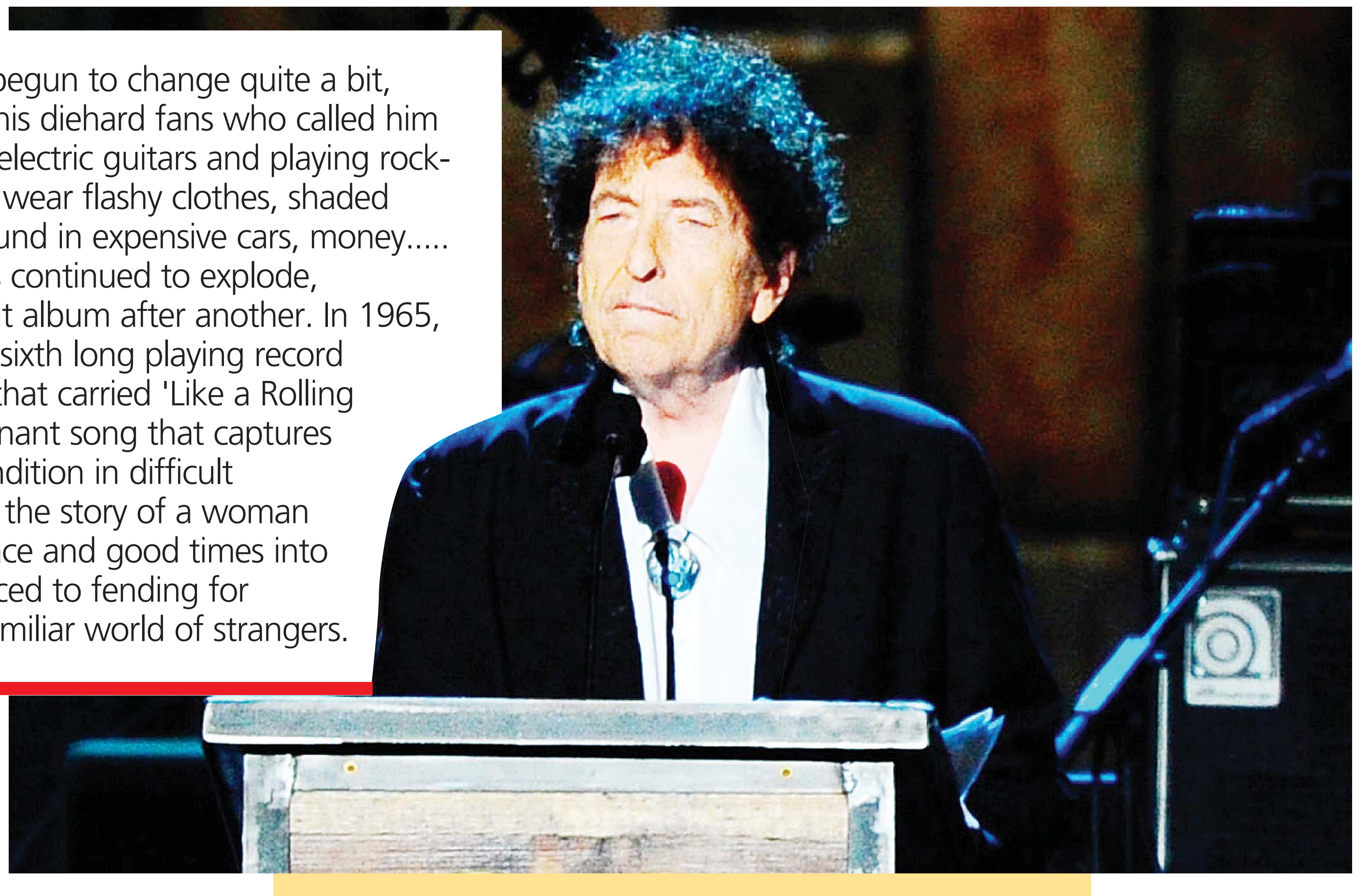

Nihal Mathur
Filmmaker, writer, bon vivant

Bob Dylan was born in the vast empty open spaces of rural Minnesota, in the summer of 1941, as Robert Allen Zimmerman. Bob Dylan has come to be regarded as one of the greatest singer songwriter of all time. He received the Nobel Prize for Literature in 2016. Dylan has had a long career of over sixty years and today at 81, Dylan is still writing and performing. But Dylan is celebrated for his early work produced in the 1960s when he was called a 'People's Poet' and 'Voice of a New Generation'. He was indeed the poetic voice of the counter culture of the 1960s in America that sought to unseat the establishment that seemed obsessed with the war. Dylan appeared on the American scene in the backdrop of Vietnam War and a Beatnik revolution of drugs and rock music. Naturally, he had a massive fan following of college kids for whom he was an ideologue of sorts. He was hailed by the New York Times as folk music's 'Troubadour of Conscience', who was a champion of free world. When asked, record producer Bob Johnson once said, "Hell No! The leader of free world ain't the President of the United States. The leader of the free world is Bob Dylan."

Folk Origins: Guthrie

Words and music came to Dylan encoded in his genes. He was born with a natural gift for words, music and the sublime art of listening to others who gave their stories to him. He in turn converted them into songs and poems. Although Dylan went to college there was no formal training in music for him. It just grew out of him. Dylan had an early beginning as a young troubadour in the countryside when he began to write songs about what he saw happening around him and performed them at the local gigs. There Dylan imbibed folk traditions from many masters but more so from Woody Guthrie, many years his senior, who was one of the most significant figures in American folk music. As a poet of the people Guthrie wrote some of America's most important songs including 'This Land Is Your Land'. Guthrie left a deep influence on the poetry of Dylan. Folk traditions also taught Dylan how to change and adopt old songs to his new stories, about real people and real events. Dylan was marvelously current and traditional at the same time. Sometimes, as inspirational as gospel also! But that's because Dylan wrote about rural American values. His 'city' side would come later.

New York

In 1961, Dylan dropped out of college and arrived in New York as a young man of 19. Like others of his tribe, Dylan landed up performing in Greenwich Village district, especially around MacDougal street, at the now famous Cafe Wha. This was the hip and happening place where all kinds of singers and performers converged to showcase their talents. Dylan came onstage solo with a simple acoustic guitar and a harmonica; and while sitting on high stool, he belted out sheer poetry in nicotine stained voice that spoke for free speech and right to protest. He was quickly noticed by the press, contracted by Columbia Records and given his first album simply titled 'Bob Dylan' in 1962. It must be said for Dylan that he did not forget to pay homage to his hero in his debut album with a 'Song to Woody':

"I'm out here, thousand miles from my home
Walkin' a road other men have gone down
I'm seein' your world of people and things
Your paupers and peasants and princes and kings
Hey, hey Woody Guthrie, I wrote you a song
Bout a funny ol' world that's a-comin' along
Seems sick an' it's hungry, it's tired an' it's torn
It looks like it's a-dyin' an' it's hardly been born"

Joan Baez & Dylan sharing the stage.

The Freewheelin' Bob Dylan, 1963

The following year, in 1963 the second album 'The Freewheelin' Bob Dylan' came out to critical acclaim, establishing Dylan's place among the song writers. What caught the nation's imagination and became a worldwide hit was the song 'Blowing in the Wind' which caused a sensation because at that time nobody was writing songs like Dylan. People were listening to his songs over and over again to memorize the lyrics and then discuss the meaning of the poem for hours with their friends. One such interpretation describes 'Blowing in the Wind' as a protest song because it raises questions about war, peace and freedom. The refrain "... answer, my friend, is blowin' in the wind... has been interpreted to mean either the answer is so obvious it is right in your face or the answer is as intangible as the wind." Either way, you are unable to find the answer:

"How many roads must a man walk down
Before you call him a man?
How many seas must a white dove sail
Before she sleeps in the sand?
Yes, and how many times must the cannonballs fly
Before they're forever banned?
The answer, my friend, is blowin' in the wind
The answer is blowin' in the wind"

> What caught the nation's imagination and became a worldwide hit was the song 'Blowing in the Wind' which caused a sensation because at that time nobody was writing songs like Dylan. People were listening to his songs over and over again to memorize the lyrics and then discuss the meaning of the poem for hours with their friends.

The Beatles, 1964

1964 was a significant year for Bob Dylan. This was the year when he discovered the Beatles after having dismissed them earlier as 'bubblegum'. Later, he admitted there was something new about the simplicity of the lyrics like 'Love Me Do' or 'I Wanna Hold Your Hands'. After exposure to the Beatles, Dylan rented his first electric guitar and his fans criticized him for playing loud rock-n-roll music. He was booed. Same year, Dylan broke up with his long standing girl friend Suze Rotolo, after a steady relationship for four years. In 1964, Dylan also embarked on his exploration of psychedelics. Although he has denied any connection between drugs and songwriting but what can one say about 'Rainy Day Woman', a 1966 song from his album 'Blonde on Blonde' where part of the refrain has a controversial chorus line:

"*But I would not feel so all alone,*
Everybody must get stoned.'

When in concert, this is the line that everybody joins in to sing! But to be on the safer side of the System, Dylan insisted "I have never and never will, write a 'drug song." When asked about 'Rainy Day Woman', he replied that it had a Biblical background. Nobody believed him, at least not the smokers.

In 1964, Dylan also released two albums: The Times They Are a-Changin' and 'Another Side of Bob Dylan'. These albums established his reputation as a folk singer who was also a poet. Experts said that The Times They Are a-Changin' seems to have 'caught the pulse of the time and became an anthem for the civil rights and anti-war movements' but Dylan publicly denied such claims.

"Come senators, congressmen
Please heed the call
Don't stand in the doorway
Don't block up the hall
For he that gets hurt
Will be he who has stalled
There's a battle outside and it is ragin'
It'll soon shake your windows and rattle your walls
For the times they are a-changin"

Another Side of Bob Dylan, 1964

Same year Columbia released 'Another Side of Bob Dylan' that featured some brilliant songs including 'Chimes of Freedom'. The poetic imagery of Chimes of Freedom is quite complex and allows an individual to interpret and understand it in a personal way. In fact, there are some lines that you don't quite understand but still these enigmatic lines stay with you all your life. It is the choice of words, their juxtapositioning and unexpected turn of phrases that gets singed in your memory and immortalizes the poet and his poem:

"Far between sundown's finish and midnight's broken toll
We ducked inside the doorways, thunder went crashing
As majestic bells of bolts struck shadows in the sounds
Seeming to be the chimes of freedom flashin'
Flashin' for the warriors whose strength is not to fight
Flashin' for the refugees on the unarmed road of flight
And for each an' every underdog soldier in the night
And we gazed upon the chimes of freedom flashin"

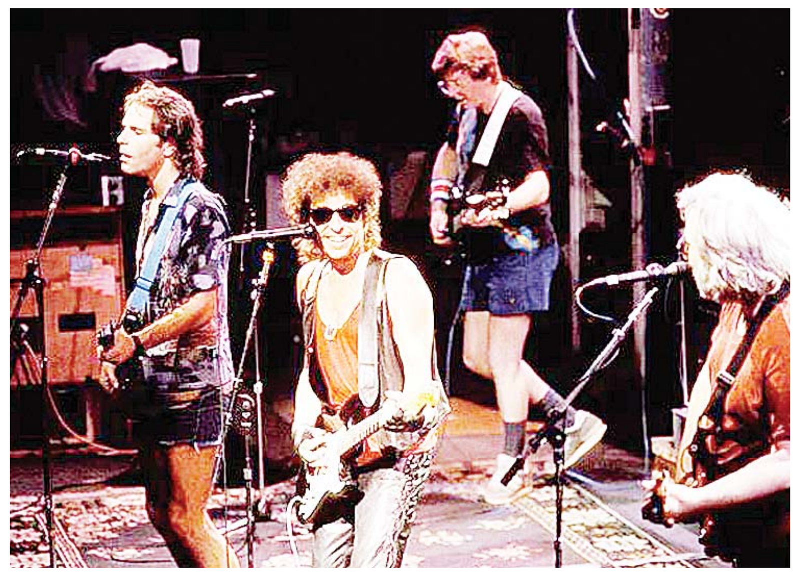

Dylan playing rock-n-roll using electric guitar.

Mr. Tambourine Man

Written and composed around the same time as 'Chimes of Freedom', 'Mr. Tambourine Man' was yet another hit Dylan delivered in his next album 'Bring It All Back Home' in 1965. It is indeed a difficult song to understand but the lyrics sound so good although the message behind them only contains sorrow, longing and misery where Mr. Tambourine Man is seen as a symbol of salvation. The song's popularity led to many recorded versions and was performed by many artists - actually more than 80, according to Goggle. 'Bring It All Back' had another landmark song 'Subterranean Homesick Blues'. Stylistically it was very different from what Dylan had ever attempted before. For starters, it was written in staccato style, à la hip hop:

"Get sick, get well, hang around a ink well,
Ring bell, hard to tell, If anything is going to sell,
Try hard, get barred, Get back, write Braille,
Get jailed, jump bail, join the army, if you fail,
Look out kid, you're gonna get hit.."

Highway 61 Revisited, 1965

By mid 60s, Dylan had begun to change quite a bit, much to the dismay of his diehard fans who called him names for switching to electric guitars and playing rock-n-roll. He also began to wear flashy clothes, shaded glasses and moving around in expensive cars, money..... But his creative energies continued to explode, producing one smash hit album after another. In 1965, Columbia produced his sixth long playing record 'Highway 61 Revisited' that carried 'Like a Rolling Stone'. It is quite a poignant song that captures the ethos of human condition in difficult circumstances by telling the story of a woman who has fallen from grace and good times into misfortunes and is reduced to fending for herself in a hostile and unfamiliar world of strangers:

"Once upon a time you dressed so fine
Threw the bums a dime in your prime, didn't you?
People call say 'beware doll, you're bound to fall'
You thought they were all kidding you
You used to laugh about
Everybody that was hanging out
Now you don't talk so loud
Now you don't seem so proud
About having to be scrounging your next meal
How does it feel, how does it feel?
To be on your own, with no direction home
Like a complete unknown, like a rolling stone"

It is one song Dylan greatly enjoyed himself. In a Playboy interview he said that there was a time when he had decided to quit music but 'Like a Rolling Stone' changed it all. He said, "I mean it was something that I could dig myself. It's very tiring having other people tell you how much they dig you if you yourself don't dig you." What caught the imagination of the artists was this phrase in the song 'No Direction Home'. Perhaps this is Dylan's leitmotif for the Vagabond Poet. In fact, Martin Scorsese, an Academy Award winning film director made a documentary with the title that traces the life of Dylan and his impact on popular American music and culture.

Motorcycle Crash, 1966

It was amazing to see the quantum of work Dylan was producing in 60s. Then suddenly, in the summer of 1966, Bob Dylan crashed his Triumph motorcycle in upstate New York. In a dramatic move, Dylan holed up and withdrew from his 'rocket riding career'. Although Dylan seemed to have gone out of the loop but in his isolation he continued to work and the following year, Columbia produced his eighth record 'John Wesley Harding', which was released in December 1967.

There was no stopping Dylan as one album followed another almost every year. After 1970, Dylan went on to produce more than 30 original albums and 15 live albums of his concerts among other compilation albums. Though Dylan retained his poetic edge and continued to produce many hits like 'Forever Young', 'Shelter from the Storm', 'Simple Twist of Fate' etc. but the old magic was gone. Post 1980 period was widely seen as a low point in Dylan's career, when he was seen drifting from folk to blues, to rock, to gospel, to country, to traditional, from pop to jazz and some forgettable Hollywood films. Just discovering his limits...

Dylan strikes the pose with Guthrie, his idol.

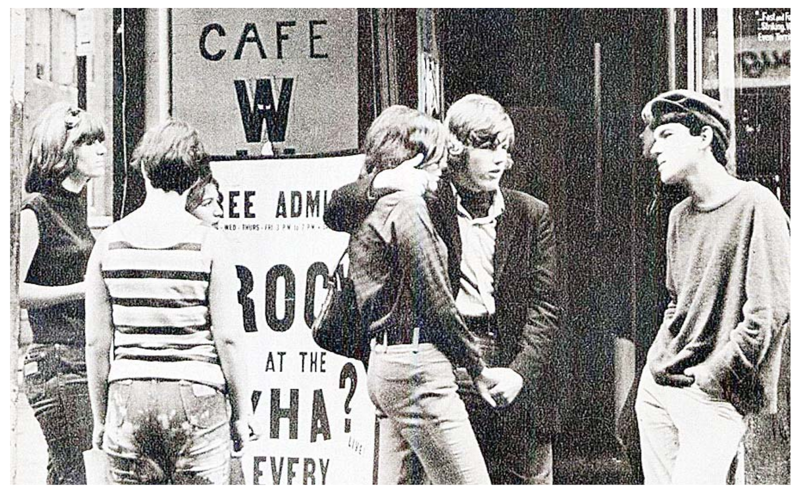

Cafe Wha, where Dylan played in New York.

Simple Twist of Fate

Special mention must be made of Dylan's 'Simple Twist of Fate' which was said to have been written for any one of his muse - Suze Rotolo, Joan Baez and Sara Dylan. It is a narrative about a romantic relationship destined not to work out. Suze was his first muse and they were together for a couple of years before breaking up in 1964, in circumstances which Dylan has described in his song 'Ballad in Plain D':

"Beneath a bare light bulb the plaster did pound
Her sister and I in a screaming battleground"

Joan Baez

'Simple Twist of Fate' was most likely written for Joan Baez, with whom Dylan had a special relationship because they shared a long association together as poets, writers, singers, protestors in their early years. They appeared on stage together, holding hands, just being good friends. In their twenties, they made a fine pair. They collaborated for several years before their relationship blossomed into romance. They may not have taken the vows as husband and wife but the two together were just as good as one. But then Dylan moved on and so did Baez, who wrote 'Diamonds and Rust', a song for Dylan that despite everything memories continue to live on.

Dylan a Poet

Dylan never liked to be called a poet and considered himself a story teller instead. There is no doubt that Bob had this amazing 'ability to tell stories, create images, inspire ideas and baffle the listener with his words'. Yet in his song 'I Shall Be Free' he clearly says:

"Now they asked me to read a poem
At the sorority sister's home
I got knocked down and my head was swimmin'
I wound up with the Dean of Women
Yippee
I'm a poet, and I know it
Hope I don't blow it"

What made Dylan qualify as a true artist was not just his music alone but his extraordinary sweep and understanding of arts especially literature. Dylan had read all the great poets, the inspiring philosophers, the classic novelists and the timeless thinkers. Dylan was a deep thinking philosophical person who actually said that he did not know who he was most of the time. But he did have the ability to see what was going on in the world around him, process it and then distill it in a song. His message of protest made him a rebel. Dylan always fought the establishment but surprisingly he never wrote and sang anything directly against the Vietnam War.

Tarantula, 1965 - 1966

Besides the poet, there was also a writer inside Dylan who dabbled in experimental prose as well as poetry, and in 1971 he produced a collection of his writings in a book called 'Tarantula'. It is completely gibberish if you are not trained to read a 'stream of consciousness' kind of prose. But apparently, Tarantula is also 'filled with obscure but marvelous imagery' that eventually influenced Dylan's songwriting. Tarantula has been described as a kind of trip in the tradition of modern American Beat writers and poets like Allen Ginsberg, Jack Kerouac and William Burroughs. Dylan also published Chronicles: Volume One, the first part of his memoirs; several books of the lyrics of his songs and eight books of his art. He has also been the subject of numerous biographies and critical studies; and who knows, Ph.D.s in future.

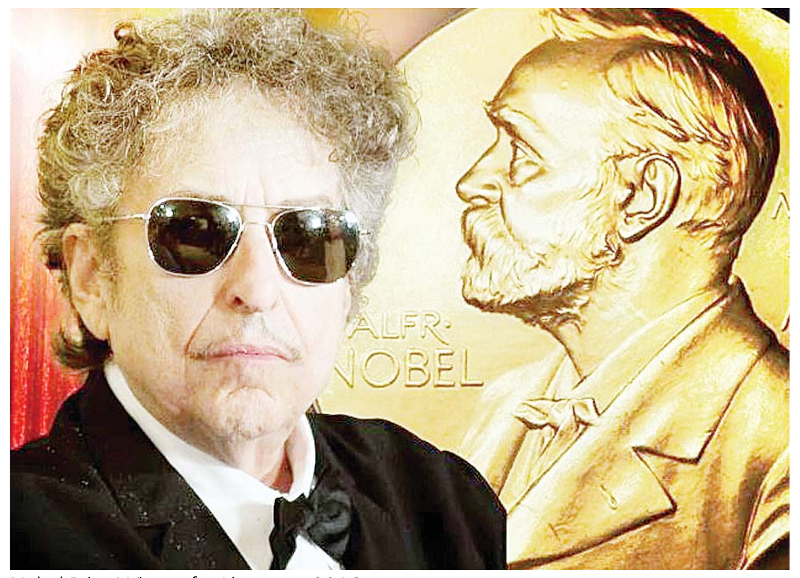

Nobel Prize Winner for Literature 2016.

Nobel Prize for Literature, 2016

In what was seen as a surprise, the 2016 Nobel for Literature was awarded to Bob Dylan. Although Dylan's name had been in speculation for years but few expected the Swedish Academy to extend this prestigious award to a genre such as pop music. And, this was a stunning announcement as well because for the first time the award was being bestowed to someone primarily seen as a musician. The Nobel citation said that the award to Dylan was 'for having created new poetic expressions within the great American song traditions. He embodies the traditions and handles it in a very original way'. This sparked a controversy whether Dylan was even qualified for the 'Literature' tag in the first place. Never mind the debate, what is recognized is that Dylan's poetry is seriously studied by high school and college kids because his songs carry references to TS Eliot, Dylan Thomas, Shakespeare, Ginsberg and a whole lot of other poets, writers and thinkers. Many universities including Harvard, have courses, seminars and lectures on the poetry of Bob Dylan, where he is studied not only in context of popular culture of the 1960s but also seen in the tradition of classical Greek and Roman poets like Homer, Virgil, Horace and Ovid.

Joan Baez & Dylan, a fine pair.

Awards

Awards and whatever that comes with it meant nothing to Dylan. But Dylan's career is laced with awards. There are just too many to be listed but Dylan got his first Grammy in 1973 for Album of the Year award. Since then Dylan has won more than 10 Grammys in different categories. Pulitzer Prize in 2008. President Obama presented him with the Presidential Medal of Freedom - nation's highest civilian honor in 2012, and so did the French who decorated Dylan with their Legion of Honor in 2013.

Conclusion: The Vagabond Poet

Dylan is in a perpetual state of flux, forever changing, refusing to conform and be straight-jacked by others. A vagabond at heart, his inner compulsions keep him moving on, reinventing his persona all the time. But always a singer songwriter. Just as words in Shakespeare's plays were meant to be acted on the stage, the songs of Bob Dylan are meant to be sung and heard, not read on a page. So go out there on YouTube and sing along with some of his old hits.

writetoarbit@rashtradoot.com

THE WALL

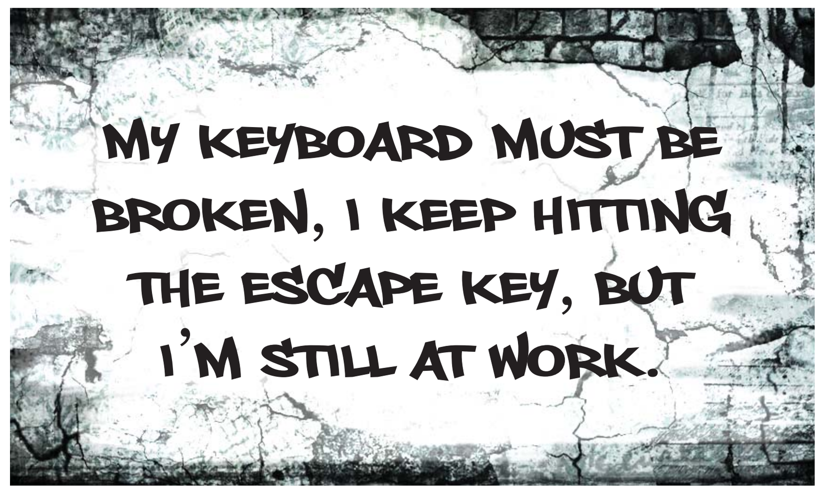

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

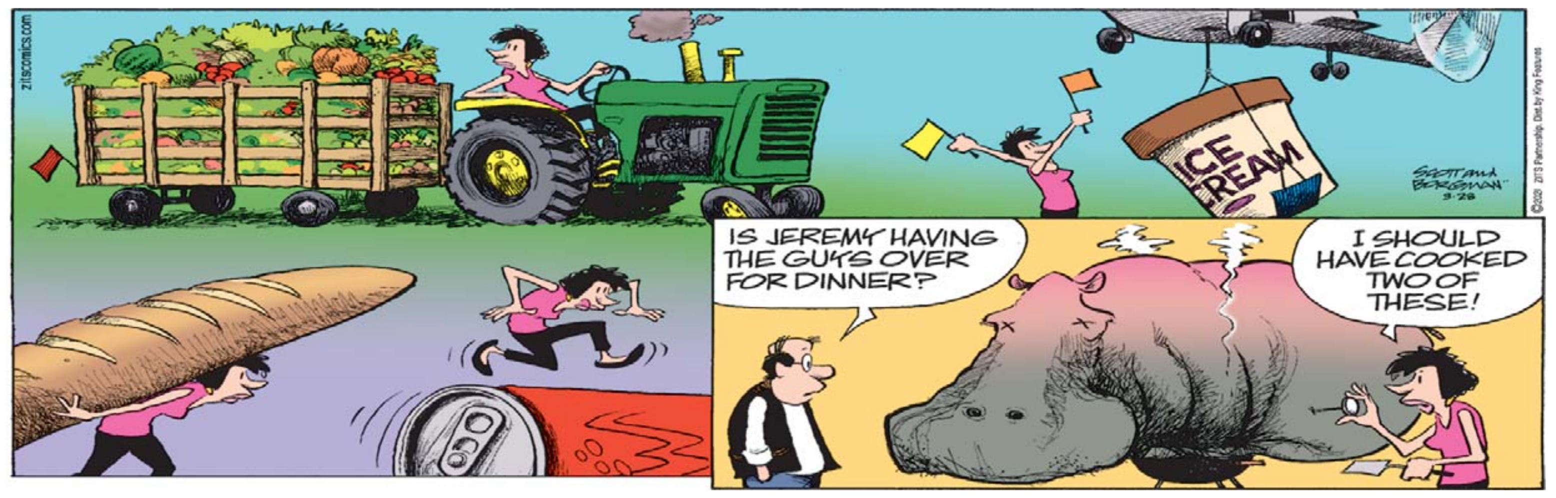

पालिका चेयरमैन पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले तीन गिरफ्तार

रामगंजमंडी पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर तीनों को दबोचा

रामगंजमंडी पुलिस ने चेयरमैन पर हमले के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रामगंजमंडी, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए नगरपालिका चेयरमैन के ऊपर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले तीनों अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कोटा कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामगंजमण्डी नगर पालिका चेयरमेन देवीलाल सैनी ने एक लिखित रिपोर्ट इस आशय की पेश कि की सोमवार को रात्रि के 10 बजे करीब की बात है मैं हाऊसिंग बोर्ड रामगंजमण्डी से बहादुर सिंह राजावत वार्ड पार्षद के यहाँ से खाना खाकर मेरे घर मेरी कार से जा रहा था मेरा मकान रामगंजमण्डी में गायत्री मन्दिर के पास है कार को मैं स्वयं चला रहा था। मेरे साथ कार में अन्य कोई व्यक्ति नही था। मैं जैसे ही कार से मोड़ी वाले लुहार के मकान के पास पहुचां तो सामने से मुझे 3 व्यक्ति मोटरसाइकिल से आते हुये नजर आये। जिन्होंने मेरे सामने मोटरसाइकिल लगा दी तथा मेरी कार रोकने की कोशिश की मैंने जैसे ही कार रोकी तो मोटरसाइकिल के सबसे पीछे बैठे हुये व्यक्ति के पास मुझे पिस्टल नजर आयी।

इस पर मैंने मेरी गाडी मेरे मकान की तरफ भगायी तो इन तीनों व्यक्तियों ने मोटरसाइकिल से मेरा पीछा किया तथा मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे व्यक्ति ने जिसके पास पिस्टल थी, ने मैं जैसे ही मेरे मकान के यहां पहुचां तो पीछे बैठे व्यक्ति ने मुझे जान से मारने की गरज से मेरे उपर पिस्टल से 1 फायर किया। लेकिन मेरी गाडी चालू हालात में होने से मेरे पिस्टल की गोली नही लग सकी। फिर मैंने अपनी जान बचाने के लिये हनुवतखेडा रोड पर टंकी के पास होता हुआ सुकेत रोड पर आया तो इसी दौरान उस मोटरसाइकल पर पीछे बैठे हुये व्यक्ति ने मुझे फिर जान से मारने की नियत से 2 फायर और किये लेकिन मेरी गाडी लगातार रनिंग में होने से मेरे पिस्टल(की गोली नहीं लग सकी। पीछे बैठे व्यक्ति ने मेरे उपर मुझे जान से मारने की गरज से पिस्टल से फायर किये उसका नाम प्रभाकर हरिजन निवासी हरिजन मोहल्ला रामगंजमण्डी है व मोटरसाइकिल चला रहे व्यक्ति का नाम आकाश पिडावा निवासी हरिजन मौहल्ला तथा मोटरसाइकिल के बीच में बैठे हुये व्यक्ति का नाम मोनू मीणा निवासी पीपाखेडी थाना सुकेत है। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण अरूण माच्या के सुपरविजन में प्रवीण नायक वृताधिकारी वृत्त रामगंजमण्डी के निर्देशन में मनोज कुमार थानाधिकारी के नेतृत्व में अलग-अलग विशेष टीमो का गठन किया गया।

पुलिस टीम द्वारा अपराधियों के रिश्तेदारो, मित्रों एवं छीपने के संभावित स्थानों पर सुकेत झालावाड सुनेल थाना क्षेत्र में दबिश दी गई। काफी अथक प्रयास करने के बाद घटना में संलिप्त तीनों अपराधी प्रभाकर हरिजन पुत्र जितेन्द्र वाल्मिकी उम्र निवासी हरिजन मोहल्ला रामगंजमण्डी, आकाश पुत्र मोहन लाल जाति हरिजन उम्र 25 साल निवासी मोची मोहल्ला रामगंजमण्डी, मोनू पुत्र कालूलाल जाति मीणा निवासी पीपाखेडी थाना सुकेत हाल पेटभर थाना सुनेल जिला झालावाड आरोपियों की तलाश पतारसी की जाकर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की गयी है।

सरकार रिपिट हुई तो योजनाओं को देंगे और मजबूत आधार : गहलोत

कांग्रेस और आदिवासियों का चोली-दामन का साथ : डोटासरा

शहीदी मानगढ़ धाम पर विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित समारोह को सीएम ने संबोधित किया।

बांसवाड़ा, (निसं)। अगर राज्य में कांग्रेस सरकार की वापसी होती है तो जनकल्याणकारी योजनाओं को और मजबूत आधार प्रदान किया जायेगा। उक्त उद्गार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को शहीदी मानगढ़ धाम पर विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में व्यक्त किये। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं की चर्चा अन्य राज्यों में भी है। शिक्षा, चिकित्सा और हर क्षेत्र में विकास की गाथाएं आज हर जुबां पर है।

गहलोत ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर गर्व भी होता है और दिल में चिंतन-मनन के भाव जागृत होते हैं कि जिन्दगी में क्या उपलब्धियां हासिल की। गहलोत ने याद दिलाया कि आज से 20 वर्ष पूर्व जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उन्होंने शहीदी मानगढ़ धाम पर स्मारक बनवाने की सोच दी थी और मालवीया ने इसका बीड़ा उठाया। दूसरी बार जब सरकार बनी तो स्मारक निर्माण का कार्य पूरा करवाया और इसका उद्घाटन भी उन्होंने स्वयं किया। उन्होंने कहा कि यह स्थली त्याग, बलिदान, कुर्बानी और जज्बे की है जिसने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त किया। गहलोत ने कहा कि महाराणा प्रताप के साथ भील राजा पूंजा और भील फौज थी ये सब इतिहास में अंकित है। ऐसे में आदिवासी समाज की समस्याओं का निपटारा करने के लिए कांग्रेस सदैव आगे रही है। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री बनते ही देश के आदिवासी क्षेत्रों का दौरा किया और इस समाज की प्राथमिकताएं जानी। बाद में मनमोहन सरकार के दौरान सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह ने मंथन कर वन अधिकार एक्ट बनवाया। गहलोत ने एक बार फिर कहा कि कलम हाथ में है तो गरीब, पिछड़ो, आदिवासी किसानों के हित में चलेगी। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित करना गर्व की बात है।

राज्य स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि एआईसीसी के महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने कहा कि देश की आजादी के इतिहास में 9 अगस्त महत्वपूर्ण दिन रहा है। इसी दिन महात्मा गांधी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो का नारा दिया था और करो या मरो के नारे का आगाज भी आज ही के दिन हुआ था। उन्होंने कहा कि गोविन्द गिरि की धरा पर आज फिर ऐतिहासिक दिन बन गया है। उन्होंने कहा कि हम शहादत को और आजादी और हमारे भविष्य के लिए प्राण देने वालों को नहीं भूलें। उन्होंने कहा कि जब अंग्रेजों से संघर्ष चल रहा था तब एक संस्था ऐसी थी जिसने अंग्रेजों का हाथ पकड़ा था उस संस्था का नाम है आरएसएस। उन्होंने कहा कि विकास केवल कांग्रेस ही कर सकती है और जब राजस्थान की बात सुनते हैं और विकास देखते हैं तो दिल गदगद हो जाता है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस और आदिवासियों का चोली-दामन का साथ रहा है। गांधी की अगवाई में आदिवासियों ने आजादी में अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि साढ़े तीन साल पहले राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तब से अब तक कल्याण के कार्य होते आये हैं। बेहतरीन बजट, घोषणा-पत्र पर अमल, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली हर क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हो रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने भी ट्विट किया कि आदिवासी कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। डोटासरा ने कहा कि कोरोना काल में भी राज्य ने श्रेष्ठ कार्य किया। इसी तरह किसानों की कर्ज माफी की गई वहीं अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोले गये। डोटासरा ने कहा कि केबिनेट मंत्री के रुप में महेन्द्रजीत सिंह मालवीया एवं टीएडी मंत्री के रुप में अर्जुन सिंह बामनिया के बलबूते पर आज आदिवासी क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है।

केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया ने कहा कि 17 नवंबर 1913 को प्रातरू 7 बजे अंग्रेजों ने शहीदी मानगढ़ धाम पर गोलियां चलाई। हालात तो ये हो गये थे कि कई शव का दाह संस्कार नहीं हो पाया तो कुछ शवों का पता भी नहीं लगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस शहीदी स्थल के इतिहास को उजागर किया। गहलोत ने प्रधानमंत्री को ट्विट करके शहीदी मानगढ़ धाम को राष्ट्रकीय स्मारक घोषित करने की भी मांग की है। उन्होंने हाल ही में इस शहीदी स्थल को राजनीतिक हथियार बनाने पर तंज कसते हुए कहा कि महात्मा गांधी की सफेद टोपी और तिरंगा इस शहादत स्थली का मान है।

फिसलने से पूर्व विधायक राजावत का पैर फ्रेक्चर

पूर्व विधायक राजावत ने पैर में प्लास्टर बंधवाया।

कोटा, (निसं)। पांच हजार करोड़ के विकास कार्यों के लिए पूरे कोटा शहर को खोदा हुआ है और प्रतिदिन दर्जनों लोग विकास के इन गड्ढ़ों में गिरकर घायल हो रहे हैं। अब इस फेहरिस्त में पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत का नाम भी जुड़ गया है।

वल्लभबाड़ी में उनके कार्यालय के दोनों ओर के सीसी रोड़ को बिना जरूरत ही खोदकर दोबारा बनाया गया है, खुदी हुई सड़क पर फिसलने से पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत दायें पैर में फ्रेक्चर हो गया है जिस पर प्लास्टर बंधवाया गया है। वहीं आमजन के उत्साह को देखते हुए राजावत ने तय किया है कि 14 अगस्त को होने वाली तिरंगा रैली यथावत रहेगी और फ्रेक्चर के बावजूद राजावत इसकी अगुवाई करेंगे। राजावत ने कहा है कि स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने अंधाधुंध फ्लाई ऑवर, अण्डरपास और सीवरेज लाइन के लिए पूरे शहर को खोद डाला, इस बेतरतीब विकास से लगभग 2 दर्जन लोग मौत के शिकार हो गये हैं।

धारीवाल शहर को विकसित करें यह अच्छी बात है लेकिन विकास चरणबद्ध होना चाहिए, वैसे भी विकास सतत् प्रक्रिया है। मैंने डीसीएम रोड़ आरओबी, भामाशाह मण्डी आरओबी, शहर के बीचोंबीच 80 फीट रोड़, नॉर्दन बाईपास, छत्रपति शिवाजी पार्क, स्मृति वन, गोविन्द नगर अण्डरपास जैसे बड़े काम करवाये, पूर्व मंत्री ललित किशोर चतुर्वेदी ने कोटा को 3-3 विश्वविद्यालयों की सौगात दी, न्यास अध्यक्ष हरिकृष्ण जोशी ने कोटा को आरकेपुरम् और श्रीनाथपुरम जैसी विकसित कॉलोनियां दी जो आज घना आबादी क्षेत्र है।

इस प्रकार प्रत्येक जनप्रतिनिधि अपने कार्यकाल में क्षेत्र के अधिकतम विकास के लिए प्रयास करता है लेकिन विकास के साथ साथ आम जन की सुविधा का भी ध्यान रखना आवश्यक है और कोटा की जनता अब ताबडतोड़ विकास व सौंदर्यीकरण से ऊब चुकी है।

युवक पर फायरिंग, अस्पताल में भर्ती

हिण्डौन सिटी, (का.सं.)। शहर के सुखदेव पुरा स्थित एक मंदिर में पूजा कर रहे एक युवक पर मंगलवार सुबह कुछ लोगों ने फायरिंग कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे परिजनों ने शहर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इधर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शहर के सुख देव पुरा निवासी भगवती पुत्र हीरा ने बताया कि मंगलवार सुबह लगभग 6:30 बजे मंदिर में पूजा कर रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने अचानक उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिससे उसके पैर में गोली लग गई। आरोप लगाया जा रहा है कि इस दौरान आरोपियों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला किया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में परिजनों ने उपचार के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

सूचना के बाद पहुंचे कोतवाली थाने के थानाधिकारी वीर सिंह को पीड़ित युवक ने बताया कि गत 6 मई को भी फॉयरिंग की गई थी। मामले में कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। मामले में थानाधिकारी वीर सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन भी दिया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इस दौरान एक जने को नामजद किया गया है।

पुलिस पर स्कूल संचालक को पीटने का आरोप

- **गंगाशहर पुलिस स्कूल संचालक को थाने ले गई**
- **बचाव में आए भाई और अन्य परिजनों से मारपीट की**

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर पुलिस ने प्राइवेट स्कूल संचालक को न सिर्फ उसके घर में ही पीटा, बल्कि जबरन पुलिस थाने भी ले गई। बीच बचाव करने आए भाई और अन्य परिजनों के साथ भी मारपीट की गई। ये सारा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया, जिसके बाद स्कूल संचालकों में जबर्दस्त आक्रोश है। शाम छह बजे प्राइवेट स्कूल संचालकों की मीटिंग है, जिसमें संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित नहीं करने पर हड़ताल का निर्णय हो सकता है।

दरअसल, गंगाशहर स्थित शांति इंग्लिश एकेडमी में पढ़ने वाली दो लड़कियों की टीसी लेने के लिए उसके पिता स्कूल गए थे। जहां मोहर्रम की छुट्टी होने पर बुधवार को टीसी लेने का बोला गया। घर और स्कूल एक ही परिसर में होने के कारण अभिभावक ने हाथों हाथ टीसी देने का दबाव डाला, मना करने पर वो गंगाशहर थाने शिकायत करने पहुंच गया। इस शिकायत के बाद थाने से एएसआई भवानी दान और दो अन्य पुलिसकर्मी भी स्कूल पहुंच गए। जहां कैलाश मोदी को थाने चलने के लिए बोला। कारण पूछने पर जबरन थाने ले जाने लगे। विरोध करने पर मारपीट की गई। घसीटते हुए घर से बाहर ले गए, जहां घर के अन्य पुरुष सदस्य ने रोकने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। अभिभावक गोविन्द सोनी ने पुलिस को अपनी बेटियों की टीसी नहीं मिलने की शिकायत की थी, जबकि फीस पहले से जमा थी।

आरोप है कि कैलाश मोदी को मुल्जिमों की तरह थाने में बिठा दिया गया, जबकि उसके खिलाफ किसी तरह का कोई अपराध ही साबित नहीं हो रहा था। लड़कियों की टीसी तैयार थी और अवकाश के कारण देना संभव नहीं था। ये बात समझने के बजाय स्कूल संचालक के साथ मारपीट की गई।

प्राइवेट स्कूलों के संगठन पैपा से जुड़े गिरीराज खैरीवाल ने बताया कि शाम छह बजे गंगाशहर में स्कूल संचालकों की आपात मीटिंग रखी गई है, जिसमें आंदोलन की घोषणा हो सकती है। एएसआई भवानी दान को निलंबित करने और एफआईआर दर्ज करने की मांग नहीं मानने पर प्राइवेट स्कूल संचालक भी हड़ताल कर सकते हैं।

53 हजार से ज्यादा प्रकरण होंगे निस्तारित

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने विद्युत कनेक्शन विच्छेद और बिजली चोरी के 53 हजार से ज्यादा मामलों को निस्तारित करने की तैयारी शुरू कर दी है। डिस्कॉम आगामी 13 अगस्त को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से यह मामले निस्तारित करेगा। इन उपभोक्ताओं पर डिस्कॉम का करीब 122.47 करोड़ रुपया बकाया है। लोक अदालत में आपसी सहमति से इन मामलों को निस्तारित किया जाएगा।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लि मिटेड के प्रबंध निदेशक एन एस निर्वाण ने सभी संभागीय मुख्य अभियन्ताओं को तथा अधीक्षण अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि वे लोक अदालत के लिए अपने कार्यालय के नोडल अधिकारी की नियुक्ति करें। प्रबंध निदेशक निर्वाण ने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 अगस्त को तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में निगम द्वारा जारी अद्यतन दिशा निर्देशों के अनुरूप निगम राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों का अधिकाधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रबंध निदेशक निर्वाण ने सभी सम्भागीय मुख्य अभियन्ताओं को निर्देशित किया की वे राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रभावी एवं सफलतापूर्वक संचालन के लिए अपने-अपने क्षेत्राधिकार के अधीन कार्यालय द्वारा विभिन्न न्यायालयों के समक्ष नियुक्त नोडल अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से होना सुनिश्चित करें।

पाइप लाइन में लीकेज से घरों में भरा पानी, लोगों ने जाम लगा किया प्रदर्शन

सुजानगढ़, (निसं)। करीब 45 साल पहले गैनाणी से पानी निकासी के लिए डाली गई पाइप लाइन में लीकेज से घरों में पानी जाने की समस्या का समाधान करने की मांग को लेकर गैनाणी के पास मौहल्लेवासियों ने सडक जाम कर प्रदर्शन किया।

एड. मनीष दाधीच ने बताया कि पाइप लाइन लीकेज होने से घनश्याम स्वामी के मकान में पानी आने लगा है तथा लीकेज ढूंढने के नाम पर मकान में गड्ढा खोद कर छोड दिया गया है, जिससे अब मकान में तेजी से गंदा पानी आने लगा है तथा मकान गिरने के कगार पर पहुंच गया है। नगरपरिषद द्वारा गैनाणी से पम्प नहीं चलाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन फिर भी पम्प चलाया गया, जिससे घनश्याम स्वामी व सूर्यप्रकाश स्वामी के मकान में पानी आने लगा है। जिस पर मौहल्लेवासियों ने पम्प नहीं चलाने की मांग को लेकर गैनाणी के पास सडक जाम की है। सडक जाम की सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक रामप्रताप बिश्नोई मौके पर पंहुचे और समस्या का समाधान निकालने के लिए मौहल्ले के लोगों को सदर थाने पंहुच कर वार्ता करने का न्यौता दिया। लेकिन सडक पर धरना दे रहे लोग वहां से कहीं नहीं गए। देर शाम तक धरना जारी रहा। एड. मनीष दाधीच ने बताया कि जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक धरना जारी रहेगा। इससे पहले विधायक मनोज मेघवाल, सभापति प्रतिनिधि मो. इदरीश गौरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ साख, उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया, आयुक्त कमलेश कुमार मीणा, उपसभापति अमित मारोठिया ने घनश्याम स्वामी के घर पंहुच कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

विधायक ने कहा कि नई पाईपलाईन के लिए आपदा प्रबंधन के तहत एक करोड रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिससे शीघ्र ही नई पाइप लाइन डाल कर समस्या का समाधान किया जायेगा। वहीं दूसरी ओर नगरपरिषद ने घनश्याम स्वामी के मकान पर नोटिस चस्पा कर एहतियात के तौर पर मकान खाली करने के लिए कहा। गैनाणी के पास एड. मनीष दाधीच, भंवर दास स्वामी, कृष्ण कांत स्वामी, पवन पारीक, राजकुमार सैन, विमल सोनी, विष्णु दाधीच, नेमीचंद स्वामी, धनराज तंवर, गुड्डू बन्ना, भागीरथ करवा, हेमंत टाक, हनुवंत सिंह राठौड, रविकांत स्वामी, पवन रांकावत, हेमंत फुलभाटी, दीनदयाल पारीक, लक्ष्मीनारायण सोनी, जुगल किशोर सहित अनेक मौहल्लेवासियों ने सडक जाम कर धरना दिया।

घात लगाकर बैठे बदमाशों ने किया दो युवकों पर हमला

हमले में एक युवक की मौत व दूसरा गम्भीर घायल

हमले में घायल व्यक्ति का रामगंजमंडी अस्पताल में उपचार किया।

रामगंजमंडी, (निसं)। स्थानीय पुलिस थाना क्षेत्र में 12 घण्टे में अलग-अलग दो फायरिंग के मामले सामने आए जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई व दूसरा गंभीर घायल हुआ है। बीती रात सोमवार 10 बजे नगरपालिका अध्यक्ष देवीलाल सैनी पर तीन बदमाशों ने देशी कट्टे से हमला किया जिसमें वह बाल-बाल बच गए।

पुलिस ने घटना को गम्भीरता से लेते हुए तीनों बदमाशों को मात्र 6 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया। यह मसला निबटा ही था कि मंगलवार सुबह 10 बजे रामगंजमंडी शहर में दूध बेच कर अपने गांव सनखेड़ा लौट रहे दो युवक बंशीलाल गुर्जर व विष्णु गुर्जर को मंडली रोड़ पर घात लगाकर बैठे बदमाशों ने अपना शिकार बनाते हुए उन पर तलवारें गंडासों व देशी कट्टे से फायर कर जानलेवा हमला बोल दिया। जिसमें दोनों युवक गम्भीर घायल हो गये। जिन्हें रामगंजमंडी अस्पताल लाया गया जँहा दोनों युवकों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें झालावाड़ रैफर कर दिया गया। उपचार के दौरान एक गम्भीर घायल बंशीलाल गुर्जर की मौत हो गई तथा दूसरे का उपचार जारी है। वहीं पुलिस द्वारा टीम बनाकर आरोपियों की गिरफ्तारी के अथक प्रयास किये जा रहे हैं।

पुलिस की गिरफ्त से भागे दो तस्कर

अनूपगढ़, (निसं)। रावला पुलिस की लापरवाही के कारण एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार किए गए पंजाब निवासी 2 आरोपी पुलिस थाने से फरार हो गए। पुलिस उपाधीक्षक जयदेव ने बताया कि रामसिंहपुर पुलिस ने कुछ दिन पहले 7 क्विंटल भीगे हुए पोस्त सहित पंजाब के दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच रावला थानाधिकारी आलोक सिंह चारण को सौंपी गई थी।

- **ग्रामीणों के सहयोग पीछा कर पकड़ा**

आरोपी सुखा सिंह ने सन्तरी से पेट में दर्द का बहाना करते हुए शौच जाने की इच्छा जाहिर की। संतरी ने आरोपी सुखा सिंह को शौचालय में शौच के लिए भेज दिया। सुखा सिंह के साथ आरोपी मेजर सिंह भी शौचालय के बहाने चला गया। दोनों आरोपी मौका देखकर शौचालय के सामने बाथरूम के रोशनदान से फरार हो गए। इसके बाद मामले की सूचना थानाधिकारी आलोक सिंह चारण को दी। जिसके बाद रावला पुलिस थाने से कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया गया, लेकिन दूसरा आरोपी सुखा सिंह भागने में सफल हो गया। दो घंटे बाद ग्रामीणों की मदद से सुखाराम को रावला की गलियों से पकड़ लिया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस की गिरफ्त से भागने का मामला दर्ज कर लिया गया है और दोषी पुलिसकर्मियों के के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।

दुकान व मकानों से भगवा ध्वज हटाने पर गरमाया माहौल

हिंदू समाज के लोगों ने शहीद स्मारक पर इकट्ठे होकर प्रदर्शन किया

शहर में दुकानों व घरों पर लगाई गई भगवा पताका को हटाने के विरोध में जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी।

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय पर मंगलवार दोपहर उस समय माहौल गरमा गया जब बडी संख्या में हिंदू समाज के लोग शहीद स्मारक पर इकट्ठे हुए और प्रदर्शन करने लगे। जिसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को मिली तो उनके भी हाथ पांव फूल गए और आनन-फानन में शहीद स्मारक के बाहर पुलिस जाता को तैनात किया। क्योंकि पूरा प्रशासन मोहर्रम पर निकलने वाले ताजिया जुलूस में व्यस्त था। ऐसे में उनको हिंदू समाज की नाराजगी का पता नहीं चल पाया।

जानकारी के अनुसार 2 दिन पूर्व राजनगर क्षेत्र में मुस्लिम समाज द्वारा छडी निकालने से पूर्व प्रशासन के आदेशानुसार नगर परिषद के कर्मचारियों जुलूस के मार्ग पर लगे हुए कई होर्डिंग और बैनर हटाए थे। लेकिन कुछ घरों के साथ दूकानों पर लगे भगवा झंडे को अपमानित तरीके से खिंचकर फाडते हुए हटा दिए, जिसको लेकर हिन्दू समाज के लोगों ने विरोध किया लेकिन किसी ने एक नहीं सूनी। उस दौरान एक पुलिस अधिकारी पर भगवा झंडे हटाने के दौरान विरोध जताने पर एक दलित समाज के युवक के साथ अभद्रता करने से नाराज होकर हिंदू संगठन के लोगों ने विरोध जताया।

हिंदू समाज के बडी संख्या में महिला और पुरुष अमर जवान शहीद स्मारक पर इकट्ठे हुए, जहां से रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और नारेबाजी कर अपना विरोध जताते हुए संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचरण शर्मा को ज्ञापन सौंपा। एडीएम शर्मा ने विरोध प्रदर्शन कर रहे सर्व समाज के कार्यकर्ताओं से वार्ता की तथा पुनः भगवा ध्वज लगाने के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। एडीएम के आदेश पर दाणी चबुतरा क्षेत्र से हटाए गए भगवा झण्डियां लगाई गई।

संक्षिप्त

नरेंद्र का अनुसंधान केंद्र में चयन

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के लाखनपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत गोठड़ा गांव के डॉक्टर नरेंद्र कुमार वैष्णव का विश्व के प्रमुख अनुसंधान केंद्रों में से एक हिब्रू विश्वविद्यालय जेरूसलम (इजराइल) में अनुसंधान के लिए भारत सरकार द्वारा चयन किया गया है। डॉक्टर नरेंद्र कुमार वैष्णव ने देश के उत्कृष्ट संस्थान एवं सीएसआईआर लैब केंद्रीय औषधि एवं अनुसंधान केंद्र लखनऊ द्वारा रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। वर्तमान में नरेंद्र वैष्णव गोवा के सींगेटा अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक पद पर कार्यरत हैं। भारत सरकार द्वारा उनके चयन पर प्रांतीय वैष्णव ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष महेश चंद्र वैष्णव, व लाखनपुर के सूरजमल वैष्णव, एवं बौंली बामनवास क्षेत्र के के वरिष्ठ पत्रकार वैष्णवाचार्य श्रद्धा ओम त्रिवेदी ने उनके चयन पर हार्दिक बधाई दी है।

हर्ष उल्लास के साथ मनाया मोहर्रम

गोविंदगढ़, (निसं)। गोविंदगढ़ उपखंड में मंगलवार को करीब 3 बजे ईदगाह से मोहर्रम (ताजिया) निकाले गए। कुंडा बाजार से चौपड़ बाजार मुख्य बाजार होकर ताजिया निकाला गया। जिसमें पुलिस एवं प्रशासन की मौजूदगी में रेलवे फाटक तक ताजिया कर्बला में दफनाया गया। पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा इस मौके पर उपखंड अधिकारी रेखा मीणा तहसीलदार विनोद कुमार मीणा गोविंदगढ़ थाना अधिकारी शिव शंकर शर्मा उप निरीक्षक कमल प्रसाद मीणा बड़ौदामेव थानाधिकारी चंद्रशेखर शर्मा सुरेश पहाड़िया कोतवाली अलवर की मौजूदगी में मोहर्रम शांतिपूर्वक तरीके से निकाला गया और बाजार में भाईचारा भी देखा गया जगह-जगह मीठे पानी की प्याऊ लगाई गई।

10 किलो गांजे के साथ एक गिरफ्तार

श्रीमाधोपुर। स्थानीय पुलिस में सोमवार को कार्रवाई करते हुए 10 किलो गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी करण सिंह खंगारोत ने बताया की जिला स्पेशल टीम के उ नि हेमराज द्वारा पुलिस को सूचना दी गई की कोर्ट से आगे कॉलोनी में एक व्यक्ति एक प्लास्टिक के थैले में मादक पदार्थ लेकर किसी को देने जा रहा है। सूचना पर थाने की टीम व जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर गये तो वहां कस्बे के वार्ड नंबर 22 निवासी प्रेमचंद उर्फ पप्पू महाजन एक थेले में 10 किलो गांजा लिए खड़ा था। जिसे गिरफ्तार कर गांजा जब्त किया है।

बाबा भोले का किया जलाभिषेक

पावटा। प्रागपुरा में सावन के अंतिम प्रदोष व्रत के अवसर पर प्रागपुरा उत्सव समिति के तत्वाधान में बाबा भोले का जलाभिषेक व रुद्री पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा भोले को जल चढा कर क्षेत्र मे अमन व शांति की दुआ मांगी गई। कार्यक्रम बहुत शांति के साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता मदन लाल सैनी , भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष शंकर पंडित प्रागपुरा, बजरंग दल प्रखंड संयोजक पावटा रूपसिंह शेखावत, रणजीत सिंह शेखावत, सोनू पंडित, भानु पण्डित, आशु सैन, गौरव पंडित, हेमंत सिंह शेखावत, जॉनी सैन, विजय जाट, अजीत सिंह ,सोनू कुहार,अमन पंडित ,अंकित सैन ,नीरज शर्मा ,मुकेश बंसल, आदि मौजूद रहे।

105 साल पुराने झूला महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लालसोट, (निसं)। उपखंड के डीडवाना ग्राम पंचायत मुख्यालय पर करीब 105 साल से लगातार परंपरागत चले आ रहे झूला महोत्सव में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। तीन दिवसीय झूला महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होने के साथ मंदिरों में भव्य धार्मिक झांकियां भी सजाई जाती है जो इस झूला महोत्सव के दौरान आकर्षण का केंद्र रहती है। मंगलवार शाम झूला महोत्सव के दूसरे

■ आयोजन के पीछे स्नेह मिलन की थीम

दिन बाहर से आए महिला कलाकारों द्वारा जमकर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

झूला महोत्सव आयोजन समिति से जुड़े राकेश सामोत्या ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पुरखों द्वारा यह है झूला महोत्सव स्नेह मिलन को लेकर करीब 105 सालों से भी ज्यादा समय से आयोजित करते आ रहे हैं। प्राचीन काल में जब स्थानीय तौर पर व्यवसाय नहीं होने के कारण लालन-पालन के लिए ज्यादातर लोग कहीं दूर चले जाती थे। जहां बाहर व्यवसाय से सावन माह में ही लोग वापस लौटते थे एवं एक जगह लंबे समय से मिलने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम झूला महोत्सव का आयोजन कर स्नेह मिलन आयोजित करते थे। वही वर्षों पुरानी इस झूला महोत्सव की परंपरा को आज भी ग्रामीण निभाते चले आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज मध्यरात्रि इस झूला महोत्सव का समापन किया जाएगा।

इस दौरान आयोजन समिति के संरक्षक राकेश सामोत्या, सीताराम सोनी सूरजमल गुप्ता, मुरारी पाटीवाला, मुरारी सोनी, भागीरथ सोनी, हनुमानू शर्मा, प्रकाश गंगा सहाय मुरारी, बृजमोहन थानेदार, प्रकाश चोपड्या, पंडित हेमु, अंगद, काल्या नापित, राममनोहर गुप्ता, शिवान्स गुप्ता, चौंथमल गुप्ता, मन्नू सोनी, प्रकाश पाटीवाला आदि आयोजन समिति से जुड़े लोग एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

लालसोट के डिडवाना ग्राम में आयोजित झूला महोत्सव में कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

तिरंगा यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। अजीतगढ़ में 13 अगस्त को जिला कलेक्टर अविचल चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में तिरंगा यात्रा कार्यक्रम होगा। आयोजन कस्बे के खेल मैदान में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी एवं गीतांजलि हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में 13 अगस्त शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर सोमवार की देर शाम को प्रशासनिक सुधार विभाग के सहायक निदेशक एवं सोसायटी के जिला उपाध्यक्ष राकेश लाटा ने तैयारियों का जायजा लेकर खेल मैदान का अवलोकन किय।

लाटा ने यात्रा के मार्ग खेल मैदान से राबाउमावि, संध्या गोविंद रत्न प्लाजा, मुख्य चौपड़,सेडमाता मंदिर,राउमावि, श्री कृष्ण गौशाला, बाबा नारायण दास राजकीय उप जिला अस्पताल, मोदी मीनार, राजकीय संस्कृत प्रवेशिका विद्यालय होते हुये खेल मैदान तक पैदल चलकर अवलोकन कर तैयारियों पर संतुष्टि जाहिर की । इस अवसर पर सोसायटी के उप संरक्षक सदस्य डॉ.मंगल यादव,विजय यादव,दिनेश गोविंद शर्मा, कपिल मीणा,शंकर लाल शर्मा मौजूद थे।

धरनार्थियों ने पैदल मार्च निकालकर जताया आक्रोश

चौरु/उनियारा, (निसं)। उनियारा के बनेठा कस्बे में ग्राम सेवा सहकारी समिति के बाहर पक्का निर्माण कर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए किसानों का धरना छठे दिन भी जारी रहा। प्रशासन द्वारा कोई रेस्पान्स नहीं मिलने से नाराज किसानों ने सोमवार शाम को धरना स्थल से कल्याण महाराज के मंदिर तक मुख्य मार्गों से गुजर कर पैदल मार्च निकाला तथा कल्याण महाराज से प्रशासन को सद्बुद्धि देने के लिए अरदास लगाई।

■ बनेठा में धरना स्थल से कल्याण महाराज के मंदिर तक निकाला पैदल मार्च

किसान महापंचायत युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी ने बताया कि गत 6 दिनों से ग्राम सेवा सहकारी समिति के बाहर किसानों का धरना अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर चल रहा है। मगर धरना स्थल पर प्रशासन द्वारा कोई भी अधिकारी वार्ता करने के लिए नहीं पहुंचा है जबकि धरना दे रहे किसानों द्वारा कलेक्टर तक सूचना दे दी गई।

धरने में समर्थन करने बनेठा उपसरपंच रामनिवास केवट भी मंगलवार को पहुंचे । पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को किसानों द्वारा ग्राम सेवा सहकारी समिति से नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च रवाना हुआ । पैदल मार्च में प्रशासन को सद्बुद्धि देने के लिए ग्रामीण हाथों में तख्तियां लिए हुए चल रहे थे।

पैदल मार्च धरना स्थल से शुरू हुआ जो बस स्टैंड, राउमावि के पास सुरेली चौराहे से गुजरता हुआ छोटा बाजार, आजाद मार्केट होकर कल्याण महाराज के मंदिर पहुंचा जहां पर सभी धरनार्थियों द्वारा कल्याण महाराज से प्रशासन को सद्बुद्धि देने के लिए माथा टेक कर अरदास लगा कर शीघ्र अतिक्रमण हटवाने की मनौती मांगी गई । इसके बाद पैदल मार्च वापस जागो के मोहल्ले से गुजरता हुआ सहकारी समिति परिसर में धरना स्थल पर पहुंचा।

बाबा भूतनाथ मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

पावटा, (निसं)। सावन के महिने में शिवालयों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। महादेव के मंदिरों में भक्त जलाभिषेक के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि इस माह में अगर भक्त महादेव को प्रसन्न कर लेते हैं तो जो भी मनोकामना करता है महादेव उसकी मनोकामना को पूरा करते हैं।

पावटा में श्मशान घाट के पास जोहडा धाम पर बाबा भूतनाथ का मंदिर है। जहां हर वर्ष हजारों की तादाद में भक्त महादेव के दर्शन व जलाभिषेक करने के लिए पहुंचते हैं। जब से सावन माह की शुरुआत हुई है बाबा के भक्तों का सैलाब उमड रहा है। भक्त बाबा भूत नाथ को बेलपत्र के साथ अभिषेक करने के लिए पहुंच रहे हैं। पावटा शहर में यह मंदिर श्मशान घाट के पास जोहडे पर स्थित है। जहां महादेव विराजे हैं जो भक्तों को साक्षात दर्शन देते हैं। बाबा भूतनाथ के शिवलिंग की खास बात यह है कि पुराने लोगों के अनुसार लगभग 35-40 साल पहले इसकी स्थापना की गई थी लेकिन किसने की यह आज तक पता नही चल पाया है। इसके सबसे पहले भक्त गोविंदराम किशन लाल गोयल है। पहले लोग श्मशान घाट रास्ते मे होने के कारण मंदिर मे जाने से डरते थे। जिसे देखते हुए लगभग 35-40 साल पहले एक युवाओं की टीम ने इस मंदिर के निर्माण, विकास व सौंदर्यकरण की योजना बनाते हुए लोगों को जागरूक करते हुए एक कमेटी बाबा भूतनाथ कमेटी का गठन किया।

पावटा में बाबा भूतनाथ की अलौकिक झांकी सजाई।

भाई-बहिन पर गोली चलाई, दोनों घायल

अलवर । अलवर के लक्ष्मणगढ के हिंगोटा गांव में सोमवार देर शाम को घर में घुसकर गोली चला दी। जिसमें भाई-बहिन सहित तीन जने घायल हुए हैं। तीनों का अलवर के अस्पताल में इलाज जारी है। जिला अस्पताल में घायलों ने बताया कि गांव के शौकीन व अन्य ने गोली चलाई। शाम करीब साढे सात बजे आदिल, तस्मीना व कासम घर में खाना खा रहे थे। तभी शौकीन, मुबारिक व लादेन घर के अंदर घुस आए। आते ही गोली चला दी। आदिल को गर्दन व मुंह पर छर्रे लगे हैं। उसकी हालत गंभीर है। बहन तस्मीना व कासम भी घायल हुए हैं। जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। परिवार के लोगों का कहना है कि सोमवार को कोई झगडा नहीं हुआ। बेवजह आकर गोली चला दी। पहले भी एक बार महिला से मारपीट कर चुके हैं।पुलिस को जानकारी मिली है कि दोनों पक्षों में जमीन को लेकर पुराना झगडा चल रहा है। इस रंजिश के तहत हमला किया गया है। हालांकि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में एक-दो जनों को डिटेन करना भी किया गया है। यह वारदात देर शाम करीब साढे सात बजे की है।

भाईचारे का प्रतीक ताजिए: जूली

अलवर, (निसं)। मुस्लिम समाज की ओर से मंगलवार को मोहर्रम मनाया गया। केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने रोड नं. 2 स्थित मेव बोर्डिंग पहुंचकर ताजिए की अगुवाई करते हुए मेव बोर्डिंग से कर्बला दशहरा मैदान के लिए रवाना किए जो कि शहर के भगतसिंह सर्किल, अम्बेडकर चौराहा होते हुए जेल चौराहे स्थित कर्बला मैदान पहुंचा। उन्होंने कहा कि इस बडे जुलूस में जिले भर से बडी संख्या में लोगों ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि साम्प्रदायिक सौहार्द्र और आपसी भाईचारे का प्रतीक ताजिए के जुलूस में बडी संख्या में लोग शामिल हुए। ताजियों की आगे-आगे जिले भर से आई पैक पार्टियां मातमी धूनों के साथ चल रही थी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की ओर से पुख्ता प्रबंध किए गए। जुलूस के दौरान रास्ते में अखाडों से जुडे लोगों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, सदर शेर मोहम्मद, प्रधान दौलतराम जाटव, वीरमती देवी, पूर्व प्रधान शिवलाल गुर्जर, सरपंच बबल यादव, असरू खान, उमरदीन खान, दीना खान सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ने पदभार संभाला

दौसा, (निसं)। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के पद पर सोमवार को राजीव शर्मा ने कार्यग्रहण कर लिया है। इधर राजीव शर्मा के कार्य ग्रहण करने पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक घनश्याम मीणा सहित अनेक अधिकारियों ने स्वागत किया।

उधर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के पद पर राजीव शर्मा को नियुक्त कराये जाने पर विभिन्न शिक्षक संगठन एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने कृषि विपणन मंत्री मुरारीलाल मीणा का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभाग ने रविवार देर रात्रि को तकरीबन दो हजार से अधिक प्रधानाचार्य एवं शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों की स्थानांतरण सूची जारी की थी। उक्त सूची में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के पद पर राजीव शर्मा का स्थानांतरण किया गया है। तथा अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के पद पर कार्यरत नवल मीणा का स्थानांतरण बांरा जिले मे हो गया है। इससे पूर्व राजीव शर्मा समसा के सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत थेए उक्त पद पर चार साल पूर्ण होने पर उन्हे पदस्थापन्न की प्रतीक्षा में बीकानेर निदेशालय भेज दिया गया था। शिक्षा विभाग रविवार को रात्री को जारी की गई सूची में राजीव शर्मा को अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के पद पर लगा दिया। सोमवार को राजीव शर्मा ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक घनश्याम मीणाए ब्लॉक जिला शिक्षा अधिकारी राजाराम मीणाए सहायक परिजयोजना समन्वयक रंगलाल मीणाए आरपी राजेन्द्र सोनीए आरपी कालूराम आदि मौजूद थे।

हर घर तिरंगा वितरण किया

अलवर । आज भारतीय जनता पार्टी अलवर (दक्षिण) के श्री विवेकानन्द मण्डल के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा वितरण किया गया। विवेकानन्द मण्डल के हर घर तिरंगा प्रभारी व जिला मंत्री जितेन्द्र राठौड व मण्डल अध्यक्ष मनोज चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा मण्डल में हर घर तिरंगा वितरण का शुभारम्भ जिला अध्यक्ष संजय सिंह नरूका के द्वारा किया गया।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजक मण्डल महामंत्री नरेन्द्र सिंह राठौड व महिला मोर्चा की मण्डल अध्यक्ष ममता कॅवर रही। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजय सिंह नरूका ने अपने उद्बोधन में कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। इसी के तहत भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा बूथ स्तर पर तिरंगा वितरण करने की शुआत करके हर घर तिरंगा वितरण किया जाएगा तथा जनता के बीच में जाकर जन जागृति कर हर घर तिरंगा लगवाने का कार्य करेंगे। भाजपा जिला मंत्री जितेन्द्र राठौड ने कहा कि बूथ स्तपर पर कोई भी घर बिना तिरंगा के ना रहे यह हम कार्यकर्ताओं का संकल्प है।

सांभर में सरसों का ताजिया रहा आकर्षण का केंद्र

सांभरझील, (निसं)। कई दशकों से हिंदू परिवार की ओर से बनवाया जाने वाला सरसों का ताजिया राजस्थान में सांप्रदायिक सौहार्द की खास मिसाल कायम किए हुए हैं। यूं तो सांभर में ताजियेदारों की ओर से अनेक ताजिये बनाए जाते हैं जिन्हें देखने के लिए भी लोगों का हुजूम उमड़ता है लेकिन यह सरसों का ताजिया सभी वर्ग के लोगों के लिए खास आकर्षण है केंद्र भी होता है।

सरसों के ताजिये का निर्माण करने के लिए करीब 15 रोज पहले से ही इसकी तैयारी शुरू कर ली जाती है। इसके कारीगर पहले बांस की खपच्चियों से इसका खाका तैयार करते हैं। इसके बाद इसके ऊपर चारों तरफ रूई लपेटी जाती है। रुई में ही सरसों के दाने पहले से ही डाल दिए जाते हैं। इसके पश्चात इसकी खास तरीके से सिंचाई की जाती है, यह भी ध्यान रखा जाता है की इसकी सिंचाई ना अधिक हो और ना ही कम। धीरे धीरे रुई में से सरसों के दानों का अंकुरित फूटना शुरू हो जाता है। इसकी खास देखभाल करते हैं और ताजिया निकलने के वक्त तक यह

■ कई दशकों से हिंदू परिवार की ओर से तैयार करवाया जाता है यह खास ताजिया

ताजिया पूरी तरह से हरा भरा हो जाता है। ताजिया निकलने के दौरान यह हिंदू परिवार पूरे वक्त तक मुस्लिम भाइयों के साथ ही चलता है, जो हिंदू मुस्लिम एकता का खास संदेश भी देता है।

माना जाता है कि बुरी नजर से बचने के लिए भी अनेक बच्चे इसके नीचे से होकर भी निकलते हैं। मंगलवार को ताजिया निकलने के दौरान पर्याप्त पुलिस और प्रशासन का जाब्ता तैनात रहा। इससे पहले सोमवार की रात्रि को ही अंजुमन हुसानियां दरगाह कमेटी की ओर से बनवाया गया गश्त का ताजिया रात को प्रमुख जगहों से निकाला गया।

सांभर में हिंदू परिवार की ओर से बनवाया सरसों का ताजिया लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना।

हर घर तिरंगा को लेकर बैठक

किशनगढ़ बास। अमृत महोत्सव के तहत भाजपा की ओर से हर घर तिरंगा अभियान को लेकर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने अनाज मंडी में भाजपा कार्यालय पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और हर घर तिरंगा व तिरंगा यात्रा को लेकर जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा मंडल महामंत्री मनोज मित्तल ने बताया कि मंगलवार को अनाज मंडी स्थित भाजपा कार्यालय पर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने आजादी के 75 वर्ष होने पर देशभर में उल्लास पूर्वक मनाए जा रहे अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा व तिरंगा यात्रा को लेकर पार्टी पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने हर घर तिरंगा व तिरंगा यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपते हुए दिशा निर्देश दिए है। इस दौरान बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंघल पूर्व अध्यक्ष राजेश बटवाड़ा युवा मोर्चा अध्यक्ष तेज सिंह सैनी मंडल महामंत्री प्रदीप संगवैया जय सिंह सरदार विक्की गोयल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार-समाचार

विधायक और जेलर को राखी बांधी

किशनगढ़ बास, (निसं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से रक्षाबंधन के पावन पर्व पर किशनगढ़ सेवा केंद्र की कल्याणी और आरती दीदी ने विधायक दीपचंद खैरिया व उप कारागृह जेल प्रभारी एवं बंदियों को राखी बांधी और परमात्मा का परिचय कराते हुए रक्षा सूत्र का महत्व बताते हुए विधायक वे जेलर को माउंट आबू आने का न्योता दिया।

वार्डवासियों को तिरंगे बांटे

श्रीमाधोपुर, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव पर घर-घर तिरंगा फहराने की तैयारी चल रही है, जिसे लेकर सभी से सहयोग मांगा जा रहा है। श्रीमाधोपुर कस्बे के वार्ड-19 में मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। लक्की मऊवाला ने बताया कि कांग्रेस के पार्षद उमेश चूलेट ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत वार्डवासियों को तिरंगा वितरण किया।इसी प्रकार कस्बे के मीणा धर्मशाला में भी मीणा समाज के लोगों ने कहा कि तिरंगा हमारी आन बान शान है। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रत्येक घर में फहराया जाना है। इस मौके पर पार्षद जगदीश मीणा, अशोक कुमार मीणा, सांवरमल मीणा, पीडी मीणा, मुन्नालाल पबड़ी, रामनिवास मीणा, राजाराम मीणा समेत मीणा समाज के कई लोग मौजूद थे।

स्कूली बालकों को ड्रेस वितरित की

मंडावरी, (निसं)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोड्या जार्या डूंगरी ढाणी महारिया में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ प्रबंधक जगमोहन मीना द्वारा अपने पिताजी स्वर्गीय राजा राम मीना की चतुर्थ पुण्य तिथि पर विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस एवं शिक्षण सामग्री किट आदि भेंट किया तथा विद्यालय के लिए एक ओरिएंट पंखा उपहार स्वरूप प्रदान कर बालकों को प्रसादी वितरण किया गया। इस सादा समारोह को संबोधित करते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ प्रबंधक मीणा ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों एवं भामाशाह के सहयोग से विद्यालय में दी गई व्यवस्था किसी निजी विद्यालय द्वारा दी गई सुविधाओं से कम नहीं है। पीईईओ प्रभारी कमलेश गौतम ने बताया कि महारिया राजकीय विद्यालय में कई बार भामाशाह द्वारा अध्ययनरत बालक बालिकाओं को शिक्षण सामग्री एवं स्कूल विकास के लिए भरपूर सहयोग किया है जो आसपास की स्कूलों में आने वाले योगदान में एक बडी मिसाल है..इस अवसर पर संजय मीना, आनंदी लाल मीना, जगदीश मीना कैशियर, बुधराम, सुखराम, सोहन लाल मीना, प्रधानाध्यापक रमेश तिवाड़ी, भोलाराम माली सहित ढाणी के अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

ताजिया जुलूस निकाला

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा के अंदर ताजिया जुलूस निकाला गया जिसमें हजारों ने शिरकत की। इस दौरान प्रागपुरा में हर वर्ष की भांति इस बार भी मोहर्रम (ताजिया) सैकडो लोगो की उपस्थिति व प्रशासन की मौजूदगी में जामा मस्जिद प्रागपुरा से शुरू होकर मेंन मार्केट से गुजरते हुए करबला में जाकर सुपर्द ए खाक हुआ। जहां हिन्दू मुस्लिम भाईचारे का पैगाम भी देखने को मिला। हमेशा की भांति इस बार भी जगह जगह लंगर व खाने की व्यवस्था की गई। सुभाष चौक पर शरबत व पानी पिलाया गया तथा मेला भरा जिसमे लोगों ने जमकर खरीददारी की। लोगो ने कलाबाजी भी दिखाई। इस मौके पर अल्पसंयक मोर्चा जिला अध्यक्ष अब्दुल सत्तार इमरान खान जिला मंत्री रिजवान कुरैशी इरफान कुरैशी महमूद लोहार लल्लू शाह फकीर ताजियादारी इकरामुद्दीन अलीमुद्दीन लोहार मुमताज लोहार अनवर तेली यासीन साह लाला लोहार रुस्तम लोहार ने बताया कि कर्बला के मैदान में हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत आने वाली पीढियों के लिए मिसाल बन गई।

विश्व आदिवासी दिवस मनाया

फुलेरा। आल इण्डिया एससी-एसटी रेलवे एम्पलॉय एसोसिएशन के कार्यालय परिसर में विश्व आदिवासी दिवस एच के मीना की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में फुलेरा डीएमई विनोद मीना रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में किशन लाल मीणा, रामस्वरूप बैरवा रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अनेक महिला-पुरूष एवं बच्चों नृत्य पेश किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि मीना ने कहा कि सभी को अपने-अपने दिवस सामूहिक रूप से मनाना चाहिए। ताकि आपसी प्रेम और सहयोग होता रहे। इसी प्रकार विशिष्ट अतिथि बैरवा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज की प्रतिभाओं को सबल मिलता है। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालक बाबूलाल मीना के द्वारा किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में अध्यक्ष एच.के. मीना ने सभी आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उम्मेद सिंह, रामप्रकाश मीना, पी.एस. मीना, बुद्धिप्रकाश, रामवतार बी, बुध्दराम, धर्मसिंह, रामजीलाल, वर्षा देवी, सुनीता, रीना देवी, बीना देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मातमी धुनों के साथ निकाले ताजिया

फुलेरा। कस्बे में इंतेजामियां ताजिया मोहर्रम कमेटी के तत्वाधान में मंगलवार को दोपहर 2 बजे इमाम चौक जामा मस्जिद से रवाना होकर दोपहर 3:30 बजे गणगौरी बाजार पहुंचे। जहां पर ढोल-ताशेदारों एवं अतिथियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में जनसेवक विद्याधर सिंह चौधरी रहे, विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्षा संगीता अग्रवाल, कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष राकेश वर्मा, नगर अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, फुलेरा थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड़, पार्षद प्रमोद मीणा, त्रिलोक चन्द भाटी, विमला वर्मा, श्रवण वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि राजेश रांवका व राजकुमार सैनी, शैलेन्द्र शर्मा रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माला-साफा एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्याधर सिंह चौधरी ताजिया पर तिरंगा लगाकर स्वागत किया।

अन्धता निवारण जागरूकता रैली

देवली, (निसं)। नामदेव टांक क्षित्रय दर्जी समाज द्वारा आयोजित आँखों की जाँच व मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित व्यक्तियों को श्री नामदेव टांक क्षित्रय धर्मशाला में एकत्रित किया गया। तत्पश्चात समाज अध्यक्ष भंवर लाल डिडवानिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर उन्हें बस द्वारा बूंदी स्थित नीमच आई हॉस्पिटल के लिए रवाना किया गया। इस दौरान समाज की धर्मशाला से लेकर बस स्टैंड तक समाज बंधुओं व स्थानीय व्यक्तियों द्वारा अन्धता निवारण जागरूकता रैली निकाली गई ,जिसमे समाज अध्यक्ष भंवर लाल डिडवानिया, उपाध्यक्ष मदन लाल डिडवानिया, राजेन्द्र थारवान,अरुण डिडवानिया, लक्ष्मी लाल टेलर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

कोच के लिए अजीम का चयन

टोंक,(निसं)। नेशनल क्रिकेट एकेडमी की ओर से बैंग्लुरू में होने वाले तीन दिवसीय हाइब्रिड लेवल-2

कोच कोर्स के लिए राजस्थान से तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इसमें रणजी खिलाडी व टोंक शहर निवासी अजीम अख्तर शामिल है। अजीम कोच कोर्स के लिए जाएगा। बंग्लुरू में यह कोर्स 15 से 18 अगस्त तक होगा। अजीम के चयन पर शहर के खिलाडियों में खुशी है। अजीम फिलहाल पोस्ट ऑफिस में कार्यरत है।

गौ सवामणी का होगा आयोजन

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कुजोता स्थित श्री रघुनाथ गौशाला में बुधवार को गौ सवामणी कार्यक्रम का आयोजन होगा। अखिल भारतीय यादव महासभा के सम्भाग अध्यक्ष अनिल यादव ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता गोविन्द कलावत के जन्मदिवस पर गौमाता को गुड व दलिया खिलाकर गौ सेवा की जायेगी। साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। इस दौरान पूर्व सरपंच अशोक घोघड, एड. महेश यादव, पवन बन्ना कुजोता, दिलीप सिंह कुजोता, हिरालाल प्रजापति, उप सरपंच अशोक यादव, राजू भाई, हेमकरण सिंह, गौरव मलावत, राकेश मीणा, बंटु जोगी, मुकेश मोरदा, राकेश खेडकी आदि कार्यक्रम में शिरकत करेगें।

पुलिसकर्मियों को बांधे रक्षा सूत्र

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती पनियाला थाने में मंगलवार को महिला सुरक्षा सखी स्वयंसेविकाओं द्वारा रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधे गये। इस मौके पर स्वयंसेविकाओं ने एसएचओ हितेश शर्मा समेत स्टॉफ सदस्यों को तिलक कर व रक्षा सूत्र बांधकर मुंह मीठा करवाकर सम्मान किया। इस दौरान पूनम देवी, रेखा देवी, शकुंतला आर्य, सुनीता देवी, मंजू शर्मा, नीतू देवी, सामाजिक कार्यकर्ता रवि कुमार शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

ध्यान जी महाराज का विशाल भण्डारा आज

कोटपूतली,(निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम चतुर्भुज स्थित श्री श्री 1008 श्री ध्यान जी महाराज का विशाल भण्डारा बुधवार को आयोजित होगा। मंदिर महंत रामरतन दास महाराज ने जानकारी देते हुए बताया की कोरोना के कारण विगत वर्ष भण्डारे का आयोजन नहीं हो पाया था। लेकिन इस बार लोक कल्याणार्थ एवं गौ सेवार्थ बडे ही धुमधाम से भंडारे का आयोजन होगा। इस दौरान लोक गायक कलाकार महावीर म्हासी एवं जयराम म्हासी द्वारा नेहडा कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

हल्की बारिश हुई, उमस बढ़ी

निवाई, (निसं)। मंगलवार को दिन में कई बार रूक-रूककर रिमझिम बारिश होती रही। हल्की बारिश होने से उमस बढ गई जिससे लोग पसीने से तर-बतर रहे। दो दिन के ठहराव के बाद अचानक मंगलवार को मौसम में बदलाव हुआ और काली घटाएं आकाश में छा गई। दोपहर में करीब 3 बजे तेज गर्जना के साथ बारिश होने लगी। कुछ देर बाद मौसम खुल गया और धूप निकली। थोडी देर बाद ही फिर मानसूनी बादल बरसने लग गए। बरसात का यह दौर देरशाम तक रूक-रूककर चलता रहा।

टोंक में कांग्रेसियों ने निकाली आजादी गौरव यात्रा

टोंक, (निसं)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं पूर्व उप-मुख्यमंत्री टोंक विधायक सचिन पायलट के निर्देशानुसार टोंक विधानसभा क्षेत्र की आजादी गौरव यात्रा प्रदेश कांग्रेस सचिव जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेड़ी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य एवं प्रदेश मदरसा बोर्ड सदस्य सऊद सईदी, नगर परिषद सभापति अली अहमद की अगुवाई में निकाली गई, जिसमें निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता भी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के अन्तर्गत यह यात्रा राधे-राधे गार्डन देवली रोड से

■ 'देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में कांग्रेस की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता'

टोंक में कांग्रेसियों ने आजादी गौरव यात्रा निकाली।

शुरू होकर सवाई माधोपुर चौराहा, बडा कुंआ, जवाहर बाजार, काफला बाजार, पांच बत्ती, सुभाष बाजार, घण्टाघर, बमोर दरवाजा, छावनी सर्किल होते हुए कामधेनु सर्किल जयपुर रोड तक निकाली गई। यात्रा के दौरान रास्ते में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चन्द्र बोस, देश की पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। यात्रा पूर्व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव जिला प्रभारी महेन्द्र खेडी ने देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद होने वाले, शहीदों को नमन करते हुए आज हम देश की आजादी का 75वां वर्ष मना रहे है।

यात्रा पूर्व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रदेश मदरसा बोर्ड सदस्य सऊद सईदी ने हमारे लिए बडी गर्व की बात है उन्होनें कहा कि देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में कांग्रेस की भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देष के विकास को नये आयाम कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दिए गए, जो अपने आप में अतुल्य है। आजादी गौरव यात्रा में अली अहमद चेयरमैन ,टोंक नगर पारिषद ,पूर्व विधायक कमल बैरवा, दिनेश चौरासिया, सुनिल बंसल, हंसराज गाता, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अलका बैरवा, ब्लॉक अध्यक्ष अजीज कुरेशी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आतीफ नकवी, एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष राहुल चन्देल, जिला प्रवक्ता जर्रार खान, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष, पार्षद युसूफ इंजिनियर के अलावा बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर-घर तिरंगा योजना को लेकर बैठक

मालपुरा,(निस) पीएम मोदी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 13 से 15 अगस्त तक देश में घर-घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम घोषित किये जाने के बाद मंगलवार को चितोडगढ सांसद व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीपी जोशी ने टोडारायसिंह क्षेत्र के बावडी में भाजपा देहात मंडल की बैठक ली।

सांसद ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार का जमकर निशाना साधते हुए राजस्थान में तुष्टिकरण को बढावा देने का खुला आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी दिनो मे देश मे जनआक्रोश रैली का आयोजन होगा। जिसके माध्यम से राजस्थान की कांग्रेस सरकार को उखाड फेंकने के लिए भाजपा कार्यकर्ता जुट जाये। सांसद ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान मे हिन्दु समाज के धार्मिक जूलूस व यात्राओं सहित सामाजिक कार्यक्रमो पर अनगिनत पाबंदियां एवं प्रतिबंध लगा दिये। जबकि पीएफआई व अन्य संगठनो सहित समुदाय विशेष के आयोजनो पर किसी प्रकार की कोई पाबंदियां नही है। मंदिर मे भागवत कथा के लिए कलश यात्रा निकालने जैसे आयोजनो के लिए भी अब हिन्दु समाज को प्रशासन से सशर्त स्वीकृति लेने की बाध्यत्ता लगाई गई है। ऐसी कांग्रेस सरकार को अब सत्ता मे रहने का कोई अधिकार नही है। गहलोत सरकार ने साम्प्रदायिक तनाव व महिला हत्याचार की घटनाए दिन-प्रतिदिन बढती जा रही है। गायों में फैल रहे लम्पी स्कीन जैसे रोग की रोकथाम के लिए भी स्वयं प्रयास करने के बजाय केन्द्र सरकार पर दोषारोपण कर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड रहै है।

सार-समाचार

बाबा भास्करानंद महाराज का भंडारा

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। नेशनल हाईवे नंबर 48 पर स्थित बहरोड़ कस्बे के प्रसिद्ध मन्दिर बाबा भास्करानंद महाराज आश्रम पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य एडवोकेट बस्तीराम यादव, बहरोड़ प्रधान सरोज बस्तीराम यादव तथा कांग्रेस पार्टी समर्थित हितेंद्र यादव एडवोकेट, एडवोकेट राजाराम यादव, भामाशाह उद्योगपति भवानी यादव, महिपाल यादव, सुरेंद्र यादव सियाराम शोरूम बहरोड़ सहित कस्बे के अन्य गणमान्य लोगों ने भी पहुंचकर बाबा भास्करानंद महाराज के श्री चरणों में धोक लगाई। बहरोड़ वासियों की अटूट श्रद्धा के प्रतीक बाबा भास्करानंद महाराज मंदिर के विशाल भंडारे में बहरोड़ कस्बे के सभी लोगों सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की भी अटूट श्रद्धा देखने को मिली। बाबा भास्करानंद महाराज के भंडारे के आयोजन में कमेटी के सदस्यों द्वारा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु अलग-अलग व्यवस्थाओं को देखने हेतु टीमों का गठन किया गया था।

शिवालयों में सहस्त्रघट की रही धूम

निवाई, (निसं)।शहर में मंगलवार को शिव प्रदोष के पावन अवसर पर शहर के शिवालयों में सहस्त्रघट की धूम रही। शहर के श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर, मायला कुण्ड स्थित शिवालय व जमात स्थित इमली वाले बालाजी मंदिर में स्थित शिवालय सहित शहर शिवालयों में श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का सहस्त्रघटों से अभिषेक किया। सावण मास में भोम प्रदोष का विशेष महत्व होने के कारण शिवालयों में दिनभर दर्शनों के लिए शिव भक्तों की भीड लगी रही। रक्तांचल पर्वत की तलहटी में स्थित श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर में चल रहे पूरे सावण मास के सहस्त्रघट के दौरान मंगलवार को श्रद्धालुओं, यजमानों व मंदिर समिति ने भगवान शिव का विधि विधान से पूजन किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद, भांग, पंचामृत, इक्षुरस, बील रस व जल से अभिषेक किया। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा ओम नमः शिवाय के जाप से पूरा मंदिर परिसर में गूंज उठा। सहस्त्रघट के दौरान इन्द्र देव भी मेहरबान रहे और रिमझिम बारिश होती रही। शाम को भगवान का फूलों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद आरती कर प्रसादी का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी जिमाई गई। इस दौरान सुभाष ईटावा, पवन, ओमप्रकाश विजय, सुरेन्द्र दाधीच नला, कालू माली, चिरंजीलाल सैन, हनुमानप्रसाद सीदडा, जगमोहन गौतम, मुकेश राणोली सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

20 ग्राम स्मैक ले जाते एक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली टोंक एवं जिला डीएसटी टीम द्वारा बड़ी कार्यवाही हुए अवैध मादक पदार्थ 20 ग्राम स्मैक ले जाते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर आरोपी को एन.डी.पीएस के तहत गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी द्वारा मादक पदार्थ का सेवन व तस्करी करना वालो के विरूद्ध चालाये गये अभियान के तहत पुलिस ने गश्त के दौरान जनाना अस्पताल के पास नौशाद पुत्र हबीब रर्हमान जाति मनिहारी मुसलमान निवासी 16ए/4884 घोडा निकास रोड शिकारीयों का मौहल्ला रामगंज, जयपुर पुलिस थाना रामगंज जयपुर को अवैध मादक पदार्थ स्मैक 20 ग्राम कब्जे मे रखे हुए को पकडा गया और उसके कब्जे से 20 ग्राम स्मेक,एक मोबाईल रियलमी कम्पनी का रंग काला तथा 280 रुपये जप्त कर पुलिस कार्यवाही शुरु की।

विश्व आदिवासी दिवस पर लगाए पौधे

चाकसू, (निस)विश्व आदिवासी दिवस पर मंगलवार को अनेक संस्थाओं द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए आदिवासी मीना कर्मचारी संघ ब्लॉक चाकसू के सौजन्य से विश्व आदिवासी दिवस के पर्व को हर्षोल्लास एवं कई सामाजिक गतिविधियां के साथ मनाया। डॉ.ऋतुराज मीणा प्रमुख चिकित्सा अधिकारी प्रभारी ने बताया की ब्लॉक के सभी पदाधिकारी सदस्य एवं समाज के अन्य लोगों के साथ मीणा आदिवासी संगठन शीतला माता आश्रम पर एक दूसरे को बधाई दी आदिवासी महानायकों की फोटो पर मालार्पण सहित सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण कर संरक्षण का संकल्प लेकर समाज के कल्याण के प्रति जागरूकता दिखाई श्रीराम वृद्धाश्रम , बालिका छात्रावास एवम् उप जिला चिकित्सालय में फल वितरित कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया।

देवधाम पदयात्रा को लेकर चर्चा

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में देवनारायण सेवा समिति के तत्वाधान में तुर्कियावास वाले पीर बाबा मंदिर में मंगलवार को महंत श्योरामदास महाराज के सानिध्य में 25 अगस्त को नारायणपुर से देवधाम जोधपुरिया जाने वाली ध्वज पदयात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई । बैठक में सेवा समिति द्वारा पदयात्रा की रुपरेखा तैयार की गई । इस दौरान अध्यक्ष हीरालाल धाबाई द्वारा कार्यकर्ताओं को ध्वज पदयात्रा के दौरान व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई । इस अवसर शीशराम रावत, मुरारी लाल, छुट्टन फागणा, कैलाश चेची, मुरली गोवल्या, गिर्राज मेहर, विक्रम अवाना सहित बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग मौजूद थे ।

गौशाला में करवाया दवाई का छिड़काव

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कालुहेडा स्थित श्री देवनारायण गौशाला में सामाजिक कार्यकर्ता रतन लाल शर्मा के नेतृत्व में गौमाता को लम्पी बीमारी से बचाव हेतु गौशाला में दवाई का छिडकाव करवाया गया। इस दौरान शर्मा ने कहा कि गायों में पिछले कुछ दिनों से लम्पी बीमारी फैल रही है। अतः हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने आसपास गौवंशो के बचाव के लिए कार्य करें। ताकि हमारी संस्कृति का प्रतीक हमारी गौमाता को बचाया जा सके। राजेन्द्र प्रसाद हिन्दू ने कहा कि हमारा पहला धर्म गौमाता की रक्षा करना है। ट्रैक्टर चालक जगमाल गोनेडा ने अपनी निःशुल्क सेवा दी। इस दौरान हनुमान प्रसाद, गोपाल मंगल, सवाई सिंह पंच, शीशराम, जगदीश, छितर मुक्कड, दाताराम, गिर्राज, जगमाल, कृष्ण, दयाराम, प्रकाश, सुरेश समेत अन्य मौजूद रहे।

शिव रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित

बहरोड़/ शाहजहांपुर। अलवर जिले के शाहजहांपुर कस्बे के निकटवर्ती गांव जौनायचा कलां के प्राचीन वैद्य काशीराम शिव मन्दिर पर मंगलवार को शिव महासंघ के तत्वावधान में एक दिवसीय विशाल शिव रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम पण्डित भूपेन्द्र शर्मा के सानिध्य में आयोजित हुआ। शिव मंदिर पर आयोजित शिव रुद्राभिषेक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय शर्मा ऑरियण्टल ग्रुप के चेयरमैन रहे। आयोजन के तहत जिंदोली भगवत धर्म संस्कृत वेद विद्यालय के ग्यारह पंडितों में पण्डित महावीर प्रसाद एवं सोमदत्त शर्मा के नेतृत्व में शिवाष्टक के मंत्रो सहित रुद्राष्टाध्यायी के मंत्रों द्वारा शिव पिण्डी पर पंचामृत अभिषेक किया गया। आयोजन के तहत श्रद्धालुओं के लिए खीर प्रसादी का वितरण किया गया।

मातमी धुनों के साथ निकाले ताजिया

बौंली। नगर पालिका व उपखंड मुख्यालय बौंली नगर में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन की याद में मातमी धुनों के साथ ताजिया मोहर्रम निकाले। काफी वर्षों से चली आ रही बौंली नगर की परंपरा के अनुसार मोहर्रम ताजिया निकाले गए। इस दौरान यह सात दिवसीय मातमी कार्यक्रम रहा। जिसमें 5 दिन तक रात्रि को मातमी धुनों को बजाकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया गया। एवं सोमवार को रात्रि को व मंगलवार दिन में मातमी धुनों के साथ ताजिया मोहर्रम का जुलूस इमामबाड़े से होता हुआ सदर बाजार मुख्य बस स्टैंड होता हुआ करबला पहुंचा। जहां पर दफनाने की रस्म पूरी की गई। ताजिया के साथ अखाड़ेबाज युवाओं ने मातमी धुनों पर करतब भी दिखाए पुलिस व प्रशासन भी व्यवस्था में मुस्तैद रहा।

एसडीएम ने ली अधिकारी व्यापारियों की बैठक

किशनगढ़ बास। एसडीएम गंगाधर मीणा ने उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर उपखंड कार्यालय में अधिकारी एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव एवं सरकार की ओर से संचालित मतदाता कार्ड को आधार कार्ड से लिंक कराए जाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। बैठक में नायब तहसीलदार खैरथल किशनगढ़ बास विकास अधिकारी नगर पालिका खैरथल किशनगढ़ बास ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी महिला बाल विकास अधिकारी विद्युत पीएचडी शिक्षा विभाग सहित व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं व्यापार महासंघ के अध्यक्ष परमानंद लखयाणी आदि मौजूद रहे।

शोभायात्राओं के मार्ग पर समान नीति अपनाने की मांग

चाकसू,(निस)। भाजपाइयों सहित विभिन्न सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं एवं सर्व हिन्दू समाज के प्रतिनिधियों द्वारा धार्मिक शोभायात्राओं के मार्गो को लेकर प्रशासन के द्वारा समान नीति अपनाए जाने को लेकर विरोध प्रकट करते हुए कस्बा थाना अधिकारी यशवंत सिंह यादव को ज्ञापन सौंपा

ज्ञापन में बताया गया कि हिंदू संगठनों के विभिन्न धार्मिक जुलसों को सुरक्षा का हवाला देकर प्रशासन द्वारा कई बार मार्ग परिवर्तन हुआ है वहीं अल्पसंख्यक समुदाय के जुलूसों को उनके पूर्ववर्ती मार्गों से ही जाने की इजाजत दी गई है जिससे यहां के धर्म प्रेमी लोगों की भावनाएं आहत हुई है। जो पुलिस एवं प्रशासन द्वारा इस प्रकार की भेदभाव पूर्ण नीति अपनाकर दोनों समुदाय में क्रूरता एवं भेदभाव पैदा करने का प्रयास किया गया है जो गलत एवं बहुसंख्यक समुदाय द्वारा निंदनीय है। इस प्रकार की तुष्टीकरण की राजनीति के कारण क्षेत्र में निवास कर रहे दोनों समुदायों में भेदभाव करके धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास ना करें यहां लोगों ने दोनों समुदायों में समान नीति अपनाई जाने की मांग की है जिस पर थानाधिकारी ने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर सभी धार्मिक जुलूस को पारम्परिक मार्ग से निकालने के सम्बंध में सम्पूर्ण जानकारी दी है। इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष केदार शर्मा भाजपा देहात अध्यक्ष भुणाराम गुर्जर भाजपा विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह राजावत पार्षद विनोद राजोरिया मोहित अग्रवाल सहित सभी हिन्दू संगठन, भाजपा, व्यापार मंडल, धार्मिक आयोजन समिति सदस्य, समाजिक प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

चाकसू में गमी माहौल में निकले ताजिये

चाकसू, (निसं)। कस्बे में कोरोना संक्रमण काल के 2 साल बाद निकले ताजियों में लहराता तिरंगा देश प्रेम का संदेश देते दिखा। इमामबाडों से ताजिये निकलकर तहसील चौराहे पर पहुंचे। अकीदतमंदों ने गमी माहौल मातमी धुने बजायी, मसिया पढ़े उस्ताद के पठों ने इजाजत लेकर अखाड़े में कई हैरतअंगेज करतब दिखाए और या अली या हुसैन के गगनभेदी नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे।

मुख्य बाजार महिलाओं, बच्चों व लोगों से खचाखच भरा था बाजार में पकोड़ी , पापड़ व चाट की दुकान सजी नजर आयी वर्षा होने से मौसम सुहावना हो गया वहीं महिलाओं ने

चाकसू में निकाले गये ताजियों में हैरतअंगेज करतब दिखाए।

छोटे बच्चो को ताजियों के नीचे से निकाला खटीक चौराहे पर पुलिस प्रशासन , मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने ताजियेदार का पगड़ी पहनाकर इस्तकबाल किया । शाम को सभी ताजिये कर्बला में सुपुर्द खाक किये गए वही रात्री को दरगाह शाह जलाल पर भी ताजिया निकाला गया था शांतिपूर्ण ताजिये निकलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

देश की आजादी में आदिवासी समाज का अहम योगदानः मुकेश गोयल

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा कार्यालय पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से कार्यकर्ताओं ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया। वरिष्ठ भाजपा नेता मथुरा प्रसाद मीणा एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि अमीचन्द धानका ने द्वीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुण्डा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प किया। इस अवसर पर भाजपा नेता मुकेश गोयल ने कहा कि आदिवासियों की जल जंगल जमीन एवं पर्यावरण की रक्षा करने की परम्परा को अपनाने से ही विश्व की पर्यावरण व कोरोना महामारी जैसी अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम सबको आदिवासी समाज की ऐतिहासिक विरासत अनूठी संस्कृति, कला एवं परम्परा की रक्षा करनी

■ भाजपा कार्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मनाया

चाहिए। गोयल ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रेजो के विरूद्ध संघर्ष करने वाले आदिवासी समाज के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। गोयल ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेने वाली आदिवासी वीरांगनाओं सिनगी दई, कइली दई, माकी, धीगी, नागे, लेंबू, रत्नी खड़िया, फूलो, झानो, जिउरी पहाड़िन, रूनिया और झुनिया आदि को नमन करते हुए देश की आजादी में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

भाजपा एसटी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष महेश निर्वाण, पूर्व नगर मण्डल महामंत्री कमलेश प्रजापत, कैलाश चन्द धानका, मण्डल महामंत्री मुकेश कसाना आदि ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये।

भाजपा जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, मण्डल अध्यक्ष सुभाष घोघड़, नरेश मेहरा, ओबीसी मोर्चा जिलामंत्री दुलीचन्द मान, किसान मोर्चा जिलामंत्री दिलीप यादव, एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, एसटी मोर्चा जिलाउपाध्यक्ष रविन्द्र मीणा, मुकेश मीणा, नगरपालिका नेता प्रतिपक्ष प्रमोद गुरूजी, सरपंच मालाराम गुर्जर, भाजयुमो नगर मण्डल महामंत्री दयाराम कुमावत, न.पा.पार्षद जयराम रावत, धर्मेन्द्र गोयल, सुरेश सूद, अनिल सैनी, बिजेन्द्र सैनी, कमलेश प्रजापत, जयसिंह पायला, कैलाश धानका, पूरण धानका, हेमचन्द धानका, नीरज धानका, रतन सिंह धानका, धर्मपाल सिंह राठौड़, राहुल धानका, अमित धानका, शनि कुम्हार, कृष्ण कुमार धानका, सुरेन्द्र सिंह नृसिंहपुरा, जगदीश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजुद थे।

किशनगढ़ बास में पानी भराव की समस्या से आमजन परेशान

किशनगढ़ बास, (निसं)। शहर में जोहड़ खाई और पानी निकासी के नालों पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर प्रशासन की ओर से अतिकर्मियों के साथ की जाने वाली समझाइश वार्ता बैठक के हवा हवाई होने से नगर पालिका अधिकारी एक बार फिर से हंसी का पात्र बने हैं।

इससे पहले पूर्व में भी पालिका की ओर से की गई अतिकर्मियों को नोटिस की कार्वाई महज एक मजाक बन चुकी है। सोमवार को बुलाई जाने वाली बैठक को लेकर 3 अगस्त को एसडीएम गंगाधर मीणा ने जिला कलेक्टर के आदेश पर नगर पालिका ईओ महेश गुर्जर व पीडब्ल्यूडी अभियंता के साथ गंज रोड पर मौका निरीक्षण कर सरकारी नालों पर हो रहे पक्के अतिक्रमण के चलते अवरुद्ध हो रहे नाले से सड़क पर बनी पानी भराव की गंभीर समस्या को देखते हुए निर्देश दिए थे।

मजेदार बात यह देखिए की 8 अगस्त सोमवार तक पालिका की ओर से चिन्हित अति कर्मियों को यह तक मालूम नहीं था कि बैठक कब और कहां होनी है। बैठक को लेकर लोग एक दूसरे से पूछ रहे थे कि बैठक कहा रखी गई है लेकिन किसी को कोई सूचना नहीं थी। बैठक को लेकर जब एसडीएम कार्यालय से जानकारी लेने पर मालूम हुआ की एसडीएम तो तिजारा सीएम की बैठक में गये हैं और बैठक निरस्त कर दी गई है।

गौरतलब बात यह है कि 3 से 8 अगस्त तक नगर पालिका ने अति कर्मियों को 8 अगस्त को होने वाली बैठक की सूचना दी है और ना ही बैठक निरस्त होने की। इससे साफ होता है कि नगर पालिका को आमजन को हो रही परेशानी की ना तो परवाह है और ना ही वह गंज रोड पर अवरुद्ध हो रहे हैं गंदे पानी निकासी के नालों को खुलवाने की। सोमवार को होने वाली बैठक को लेकर जब ईओ महेश गुर्जर से बात की तो उन्होंने जवाब में कहा एसडीएम साहब से बात करें वही बता पाएंगे। एसडीएम गंगाधर मीणा ने बताया कि सीएम साहब के तिजारा दौरे में ड्यूटी लगाए जाने के कारण बैठक नहीं हो सकी जल्दी ही बैठक बुलाई जाएगी।

गांव के गरीब लोगों तक सरकार की योजना का लाभ पहुंचेः विधायक बैरवा

निवाई, (निसं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जाने वाली निवाई वनस्थली मोड से जोधपुरिया तक सडक का मंगलवार को विधायक प्रशांत बैरवा ने शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक प्रशांत बैरवा ने कहा कि भगवान देवनारायण किसी एक समाज के नहीं है। यहां दर्शनों के लिए सभी 36 कोम के लोग आते हैं।

उन्होंने कहा कि देव धाम जोधपुरिया के लिए कई वर्षो से सडक की चौडाई बढाने एवं नवीनीकरण की मांग की जा रही थी। मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा भी कई बार मांग की गई थी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर सडक निर्माण की मांग की। मुख्यमंत्री ने बजट 2022-23 में सडक के लिए 18 करोड रुपए स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि जोधपुरिया में मांसी डैम के लिए भी 11 करोड रुपए स्वीकृत हो गए हैं। बांध का काम भी जल्दी ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि गांव

निवाई वनस्थली मोड से जोधपुरिया तक सड़क के शिलान्यास कार्यक्रम को विधायक प्रशांत बैरवा ने संबोधित किया।

जोधपुरिया से मनोहरपुरा तक की सडक भी स्वीकृत कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने पैनोरमा बनाने की भी मुख्यमंत्री ने स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भगवान देवनारायण के लक्खी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर में पुलिस चौकी की स्थापना भी कर दी है। विधायक बैरवा ने कहा कि उनका उद्देश्य है की विधानसभा क्षेत्र के बच्चों को अच्छी व उच्च शिक्षा मिल सके इसके लिए राज्य सरकार ने कृषि महाविद्यालय एवं आईटीआई कॉलेज सहित 6 महाविद्यालय खुलवा दिए हैं। कार्यक्रम को देवनारायण मंदिर ट्रस्ट

■ 18 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क का विधायक प्रशांत बैरवा ने शिलान्यास किया

के अध्यक्ष फूलचंद लांगडी, महामंत्री शिवप्रताप हरषाना, दीपेंद्र सिंह खंगारोत ,ब्लॉक अध्यक्ष राजेश चौधरी, शहर अध्यक्ष महावीर पराना, जिला परिषद सदस्य छोगालाल गुर्जर, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश गुर्जर, पार्षद पारस पहाडी ,पार्षद प्रदीप पारीक ने भी संबोधित किया। जोधपुरिया मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सुरेश डोई ने विधायक प्रशांत बैरवा से जोधपुरिया में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने एवं मासी डैम में बोट चलाने की स्वीकृति दिलाने एवं जोधपुरिया को पर्यटन स्थल बनाने की मांग की। इस दौरान कार्यवाहक उपखण्ड अधिकारी रवि वर्मा ,पुलिस उप अधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा, तहसीलदार प्रांजल कंवर ,अधीक्षण आरके सिंह, अधिशाषी अभियंता जल संसाधन विभाग अशोक जैन, सहायक अभियंता रविंद्र कुमार व रामगोपाल सेवलिया ,राजेश चौधरी गुरुजी , पप्पू मीणा, पीटीआई देवनारायण गुर्जर, सुरेन्द्र बेनीवाल, सीआर हनुमान मीणा, हंसराज मीणा, पुखराज गुर्जर, रामकरण गुर्जर सहित अनेक लोग मौजूद थे। सडक विस्तार के लिए 18 करोड की स्वीकृति - पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता वेद प्रकाश उपाध्याय ने बताया कि बनस्थली मोड से जोधपुरिया तक सडक का निर्माण मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अंतर्गत करवाया जा रहा है। इसमें अट्ठारह करोड रुपए स्वीकृत हुए हैं। इसका टेंडर होकर कार्य चालू कर दिया गया है।

दो गुटों की रंजिश, दो जने गिरफ्तार

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। बहरोड़ कस्बे के नेशनल हाईवे नंबर 48 पर स्थित अशोका होटल में 27 जुलाई को आपत्तिजनक अवैध गतिविधि हेतु कमरा किराया लेकर होटल में ठहरे मोबाइल टावर इंजीनियर गंडाला निवासी धर्मवीर यादव के साथ आपसी रंजिश के चलते अशोका होटल पर तोड़फोड़ एवं फायरिंग करते हुए धर्मवीर को गाड़ी में पटक कर ले जाने वाले आरोपियों को बहरोड़ पुलिस ने गिरफ्तार किया।

गौरतलब है कि धर्मवीर टावर इंजीनियर अनैतिक गतिविधियों का शिकार है जिससे दोनों टावर इंजीनियरों में डीजल के मामले में भ्रष्टाचार करने में कंपनी के अधिकारियों को शिकायत करने से दोनों की आपसी रंजिश के चलते उक्त घटना घटित हुई। बहरोड़ पुलिस ने उक्त मामले में शाहजहांपुर के गजेंद्र यादव व जाट बहरोड़ के दीपेश जाट को हरियाणा से किया गिरफ्तार। बहरोड़ पुलिस की कार्यवाही टीम में थानाधिकारी वीरेंद्रपाल, एएसआई सुरताराम, कांस्टेबल धर्मवीर तथा मनोज की अहम भूमिका रही।

खेल को लेकर मेरी समझ काफी मजबूत है और मैंने अपनी तकनीक में सुधार के लिये काफी मेहनत की है। एक प्रारूप को समझना भी बहुत महत्वपूर्ण है। मैं एकदिवसीय प्रारूप की जरूरतों को समझता हूं और इससे मुझे बहुत मदद मिली है। - शिखर धवन

भारतीय क्रिकेटर, अपने खेल को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **सेरेना विलियम्स**

अमेरिका की शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को अपने सन्यास का अंदेशा देते हुए कहा कि ''उलटी गिनती'' शुरू हो गयी है। विलियम्स ने कहा, ''जिन्दगी में एक ऐसा समय आता है जब हमें एक अलग दिशा में बढ़ने का फैसला करना होता है। वह समय हमेशा कठिन होता है जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं। मत पूछिये मैं टेनिस का कितना आनंद लेती हूं, लेकिन अब उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक माँ होने पर, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों पर और अंत में एक अलग, लेकिन सिर्फ रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओर से दो गेंदबाजों को वनडे में हैट्रिक बनाने का श्रेय हासिल है। चेतन शर्मा ने 1997 में न्यूजीलैंड में तथा कपिल देव ने (1991) में श्रीलंका के विरुद्ध यह उपलब्धि हासिल की।

भारतीय महिलाओं ने रचा इतिहास, ओपन सेक्शन में पुरुषों ने भी जीता कांस्य पदक

शतरंज ओलंपियाड

मामल्लापुरम (तमिलनाडु), 9 अगस्त वार्ता भारतीय महिला टीम ने यहां आयोजित 44वें शतरंज ओलंपियाड में देश के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया। पुरुषों ने भी हालांकि तमिलनाडु के मामल्लापुरम में हुई इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता में मंगलवार को अपना अब तक का दूसरा कांस्य पदक जीता।

कोनेरू हम्पी, आर. वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी से सजी भारत-ए टीम ने फाइनल राउंड के मैच में अमेरिका से मिली 1-3 की हार के बाद महिला वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इस मुकाबले में एक भी भारतीय खिलाड़ी को जीत नहीं मिली। हम्पी और वैशाली ने जहां अपने मैच ड्रॉ किए वहीं तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी को हार का सामना करना पड़ा।

भारत-ए टीम के कोच अभिजीत कुंटे ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, ''टीम ने पिछले तीन या चार महीनों में वास्तव में कड़ी मेहनत की है और यह ओलंपियाड के इतिहास में भारत का पहला पदक है। इसे एक शुरुआत मानी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं की शतरंज के लिए बहुत बेहतर दिन आने वाले हैं।'' पहला महिला ओलंपियाड 1957 में आयोजित किया गया था। 1976 से महिलाओं और ओपन वर्गों को एक साथ आयोजित किया गया है।

वहीं, ओपन वर्ग में पूरे आयोजन में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करने वाली युवा भारत-बी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराकर देश को दूसरा कांस्य पदक दिलाया। इंडिया-बी में डी. गुकेश शुरुआत से आगे थे। उन्होंने 9/11 का शानदार स्कोर बनाया। निहाल सरीन ने 7.5/10 का शानदार स्कोर किया। प्रज्ञानंदा ने 6.5/9 के साथ अच्छा स्कोर किया और रौनक साधवानी ने भी 5.5/8 का मूल्यवान स्कोर किया।

कुल 11 मुकाबले खेलने के बाद 9 अंक हासिल करने वाले गुकेश ने कहा, ''कुल मिलाकर, यह एक बहुत ही सुखद अनुभव रहा है। मुझे उम्मीद नहीं थी कि हम इतना अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे लेकिन यह और बेहतर हो सकता था। अगर मैं कल (सोमवार को) अपना मैच जीत जाता या ड्रा करा लेता, तो हमारे पास स्वर्ण पदक जीतने का एक बड़ा मौका हो सकता था। लेकिन ये चीजें होती रहती हैं। मैच के तुरंत बाद मैं काफी परेशान हो गया था और हमारे गुरु (विश्वनाथन) आनंद ने मुझे यह कहकर बेहतर स्थिति में रखा कि ये चीजें खेल में होती रहती हैं और कई मौकों पर हार के लिए भी तैयार करना चाहिए। भारत ने इससे पहले 2014 में ओपन सेक्शन में कांस्य पदक जीता था। अब उसके खाते में दूसरा पदक आया है।

टीम इवेंट्स में पदकों के अलावा व्यक्तिगत प्रदर्शनों के आधार पर भी भारतीय खिलाड़ियों ने कई पदक जीते। भारतीयों ने दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीते। गुकेश और सरीन क्रमश:: शीर्ष और दूसरे बोर्ड पर जबकि अर्जुन इरिगैसी ने तीसरे बोर्ड में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा आर प्रज्ञानंदा (तीसरा बोर्ड), आर. वैशाली (तीसरा बोर्ड), तानिया सचदेव (तीसरा बोर्ड) और दिव्या देशमुख (रिजर्व बोर्ड) ने व्यक्तिगत कांस्य पदक जीते। भारत ने प्रतिष्ठित गैप्रिंडाशविली कप भी जीता। यह ओपन और महिला दोनों वर्गों में बेहतरीन सामूहिक प्रदर्शन करने वाले देश को दिया जाता है। भारत के लिए यह वैसे भी ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि उसने पहली बार दुनिया के इस सबसे बड़े शतरंज टूर्नामेंट की मेजबानी की।

44वें शतरंज ओलंपियाड में उज्बेकिस्तान और यूक्रेन क्रमश: ओपन और महिला वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। उज्बेकिस्तान की युवा टीम, जिसे, 14वीं वरीयता मिली थी, 12वीं वरीयता प्राप्त अर्मेनिया के साथ शीर्ष स्थान पर बराबरी पर रही लेकिन बेहतर टाई-ब्रेक पर वह स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। अर्मेनिया को रजत से संतोष करना पड़ा। दोनों टीमों ने 19-19 अंक जुटाए। इंडिया-बी का अभियान 18 अंकों के साथ समाप्त हुआ।

इस इवेंट कुछ अप्रत्याशित परिणाम दिए। जहां शीर्ष -10 में स्थान बनाने वाली टीमों को कोई पदक नहीं मिला। भारत-ए टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया बावजूद इसके वह बहुत कम अंतर से पदक से चूक गई। भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही। भारत-ए ने अमेरिका को 2-2 से बराबरी पर रोक लिया। ईरीगैसी ने जीत हासिल की जबकि हरिकृष्णा और विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोक दिया गया। एसएल नारायणन ने अपना मैच गंवा दिया। महिलाओं के वर्ग में यूक्रेन ने एक स्वर्ण पदक जीता और जॉर्जिया ने टाई-ब्रेक के बाद रजत पदक जीता। प्रत्येक टीम के खाते में 18 आए। भारत-ए, अमेरिका और कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन कांस्य के लिए भारत-ए ने इन दोनों को पीछे छोड़ दिया।

11वीं वरीयता प्राप्त भारत-बी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 16 अंकों के साथ 8वां स्थान हासिल किया जबकि भारत-सी 15 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा। उज्बेकिस्तान के खिलाड़ियों ने अपने देश को स्वर्ण पदक मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उसके लिए दोहरी खुशी की बात यह रही कि फिडे कांग्रेस में 2026 ओलंपियाड की मेजबानी उज्बेकिस्तान को ही दी है।

श्रृंखला जीतना अहम नहीं, टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता : रोहित

'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा, लेकिन मेरे लिए एक टीम के रूप में हर दिन बेहतर होना ही हमारा लक्ष्य है। शृंखला जीतना और हारना मायने नहीं रखता, बल्की एक टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता है। टीम जो कुछ भी करने की कोशिश कर रही है, खिलाड़ियों को उस विचार प्रक्रिया में हिस्सा लेने और उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।'

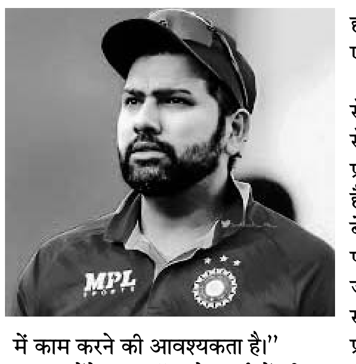

मुंबई, 9 अगस्त। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के हालिया बदलाव पर मंगलवार को कहा कि टीम का लक्ष्य हर दिन सुधार करना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष आयोजित हुए टी20 विश्व कप 2020 में भारत को ग्रुप स्टेज में बाहर होने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा था। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम की धीमी बल्लेबाजी पर कई सवाल उठे थे, लेकिन इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ पिछली दो शृंखलाओं में भारत ने बदले हुए रवैये के साथ बल्लेबाजी की है।

कप्तान रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम फॉलो द ब्लूज़ पर बात करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा, लेकिन मेरे लिए एक टीम के रूप में हर दिन बेहतर होना ही हमारा लक्ष्य है। शृंखला जीतना और हारना मायने नहीं रखता, बल्की एक टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता है। टीम जो कुछ भी करने की कोशिश कर रही है, खिलाड़ियों को उस विचार प्रक्रिया में हिस्सा लेने और उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।''

उन्होंने कहा, ''हमने दुबई में टी20 विश्व कप के बाद यह स्पष्ट कर दिया है कि जब हम (सेमीफाइनल के लिए) क्वालीफाई नहीं कर पाए थे। हमने महसूस किया कि खेल को खेलने के तरीके के प्रति हमारे दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत है। हमने लड़कों को एक स्पष्ट संदेश दिया था और वे उस चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार थे। साथ ही, हमें यह याद रखने की जरूरत है कि जब आप नयी चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं, तो कुछ असफलताएं होंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि तुम एक कदम पीछे हटो।''

पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से भारत अपनी टीम के साथ प्रयोग करने से नहीं कतरा रहा है। चोट और कार्यभार प्रबंधन ने हालांकि इसमें एक भूमिका निभाई है, रोहित ने स्पष्ट किया कि वह एक मजबूत बेंच बनाना चाहते हैं जिसे आवश्यकता पड़ने पर जिम्मेदारी निभाने के लिए बुलाया जा सके। रोहित ने कहा, ''हम काफी क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए चोट और कार्यभार प्रबंधन होगा, इसलिए हमें खिलाड़ियों की अदला-बदली करनी होगी। यह हमारी बेंच को खेल खेलने की ताकत देता है। यही वजह है कि हम ऐसे कई लोगों को आजमा सकते हैं जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।''

भारत को टी20 विश्व कप की समाप्ति के बाद एक नये कप्तान के अलावा राहुल द्रविड़ के रूप में एक नया कोच भी मिला है। नये कप्तान और कोच के बीच का रिश्ता रोहित के वनडे डेब्यू जितना पुराना है, जब द्रविड़ भारतीय टीम के कप्तान थे।

पदक विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप करोड़ों देकर प्रोत्साहित करेगी सरकार

चंडीगढ़, 9 अगस्त। हरियाणा के खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री संदीप सिंह ने कहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने 61 मेडल जीतकर देश की झोली में डाले। सिंह ने मंगलवार को यहां कहा कि इन खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने भी हर बार की तरह अपना वर्चस्व कायम रखा। कुल मेडल में से लगभग 33 प्रतिशत भागीदारी हरियाणा के खिलाड़ियों की रही। प्रदेश के 43 खिलाड़ियों के दल ने राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया, जिनमें महिला हॉकी टीम में 18 में से आठ खिलाड़ी हरियाणा की रही। उन्होंने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों ने 20 मेडल देश को दिलवाए जिसमें से नौ गोल्ड, चार सिल्वर और सात कांस्य पदक हैं। पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक, दीपक पुनिया, विनेश फोगाट, रवि दहिया, पैरा पावर लिफ्टिंग खिलाड़ी सुधीर, बॉक्सर अमित पंघाल, नवीन कुमार और नीतू घनघस ने गोल्ड मेडल हासिल किया, जबकि सिल्वर मेडल के रूप में अंशु मलिक और सागर अहलावत सहित दो व्यक्तिगत और दो टीम गेम मेडल हमारे खिलाड़ियों ने देश को दिलाए। खेल मंत्री ने कहा कि इसका पूरा श्रेय हमारे खिलाड़ियों की मेहनत उनके अभिभावकों के परिश्रम, त्याग तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल की खेल प्रेम नीति को जाता है, जिसकी बदौलत हरियाणा केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व में खेल हब के रूप में उभर कर सामने आया है। हरियाणा का हर अभिभावक अपने बच्चों को खेलों में अग्रसर होने के लिए प्रेरित कर रहा है। पुत्रियों को अब बोझ नहीं, मेडल जीतने वाली के रूप में जाना जाता है। संदीप ने कहा कि सरकार की खेल नीति के तहत स्वर्ण पदक विजेता को 1.50 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 75 लाख रुपये तथा कांस्य पदक विजेता को 50 लाख रुपये का पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। जल्द ही खिलाड़ियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शमी को एशिया कप की टीम में होना चाहिये था : श्रीकांत

'मेरी टीम में शमी शामिल थे। अगर मैं चयनकर्ता समिति का अध्यक्ष होता तो शमी टीम में होते, और शायद रवि बिश्नोई नहीं होते। मेरा यह भी मानना है कि अक्षर पटेल टीम में जगह पाने के मजबूत दावेदार थे। अक्षर पटेल और अश्विन के बीच चुनना मुश्किल होता।'

कोलकाता, 9 अगस्त। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता समिति के पूर्व चेयरमैन कृष्णमचारी श्रीकांत ने एशिया कप 2022 के लिये भारतीय टीम की घोषणा के बाद कहा है कि तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किया जाना चाहिये था।

श्रीकांत ने स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्लूज़ पर सोमवार को कहा, मेरी टीम में शमी शामिल थे। अगर मैं चयनकर्ता समिति का अध्यक्ष होता तो शमी टीम में होते, और शायद रवि बिश्नोई नहीं होते। मेरा यह भी मानना है कि अक्षर पटेल टीम में जगह पाने के मजबूत दावेदार थे। उन्होंने कहा, ''मेरा खयाल है कि टीम अच्छी है, लेकिन एक और मीडियम पेसर को इसमें होना चाहिये था। हम टूर्नामेंट में एक मीडियम पेसर की कमी के साथ जा रहे हैं। दो कलाई के स्पिनर काफी हैं। मुझे अक्षर पटेल के लिये बुरा लग रहा है जो टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। मुझे दीपक हुड्डा के लिये खुशी है, वह गेंदबाजी कर सकते हैं, अच्छे बल्लेबाज हैं और तेज भी खेलते हैं।''

श्रीकांत ने कहा, मुझे दीपक हुड्डा के बारे में जो बात पसंद है वह यह है कि वह गेंद के अच्छे स्ट्राइकर हैं। अन्यथा यह टीम एक शानदार टीम है, केवल अक्षर पटेल के लिए बुरा लगता है। मुझे अब भी विश्वास है कि वह ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में एक अच्छा गेंदबाजी ऑलराउंडर हो सकता है। मैं सिर्फ एशिया कप के बारे में नहीं सोच रहा, यह टीम आईसीसी टी20 विश्व कप का भी ब्लू प्रिंट होना चाहिए। टीम के चयन पर विचार करते हुए पूर्व विकेट कीपर और मुख्य चयनकर्ता किरन मोरे ने कहा, ''एशिया कप निश्चित रूप से विराट कोहली के लिए खास होगा क्योंकि उन्हें अब वापसी करने की जरूरत है। अन्य बल्लेबाज भी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कुल मिलाकर, टीम अच्छी और संतुलित दिखती है। टीम में अच्छे ऑलराउंडर भी हैं। रविचंद्रन अश्विन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। निश्चित रूप से अक्षर पटेल भी पूरे साल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।''

''मुझे टीम संयोजन पसंद है और मैं रवि बिश्नोई के चयन से वास्तव में खुश था। इससे टीम में बदलाव आया। मेरे हिसाब से यह एक अच्छी टीम है। मैं अर्शदीप सिंह के लिए भी खुश हूं। उन्होंने आईपीएल के बाज वेस्टइंडीज के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया, जहां वह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे। हम बाएं हाथ के गेंदबाज की तलाश में थे, जो हमें अर्शदीप सिंह में मिला है।''

इंग्लैंड की कोच लीज़ा कीटली ने की पद छोड़ने की घोषणा

लंदन, 9 अगस्त। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की हेड कोच लीज़ा कीटली ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मंगलवार को कहा कि वह इस सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगी और कॉन्ट्रैक्ट का विस्तार नहीं करेंगी।

इंग्लैंड अब दक्षिण अफ्रीका में 2023 टी20 विश्व कप से छह महीने पहले नए कोच की भर्ती शुरू करेगा। इंग्लिश टीम के साथ कीटली का आखिरी अभियान भारत के खिलाफ 10 सितंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवर की घरेलू श्रृंखला होगी।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कीटली ने 2019 के अंत में हीथर नाइट की अगुवाई वाली टीम की कमान संभाली, और इंग्लैंड को 2022 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल के साथ-साथ 2020 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचाया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इंग्लैंड कांस्य पदक मैच में न्यूजीलैंड से हार गयी।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट के निदेशक जोनथन फिंच ने कहा, ''हम पिछले ढाई वर्षों में लीज़ा की प्रतिबद्धता और जुनून के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हमने पिछले 12 महीनों में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा में वृद्धि देखी है। लीज़ा जो टीम छोड़कर जा रही हैं वो युवाओं और अनुभव का एक रोमांचक मिश्रण है।

उन्होंने कहा, ''एक अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करना अच्छे समय में भी चुनौतीपूर्ण होता है। यह एक महामारी के दौरान अधिक चुनौतीपूर्ण होता है, और लीज़ा सबसे कठिन अवधि में टीम के विकास को जारी रखने में सक्षम रही हैं।

मनीषा, सुनील बने 2021-22 के फुटबॉलर ऑफ द ईयर

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मनीषा कल्याण को साल 2021-22 का महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना है, जबकि पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर का खिताब सुनील छेत्री को मिला है। दोनों दिग्गजों को उनके संबंधित राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी और इगोर स्टिमैक द्वारा विजेताओं के रूप में नामित किया गया था।

मनीषा ने पिछले सत्र में उभरती हुई महिला फुटबॉलर (वुमेन्स एमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर) का पुरस्कार जीता था जबकि सुनील को सातवीं बार फुटबॉलर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

महिला राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी ने कहा, ''मनीषा ने राष्ट्रीय टीम और अपने क्लब के लिए कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उसने गोल किये हैं, और नियमित रूप से असिस्ट भी किये हैं। उत्कृष्ट गति और एक अच्छी ड्रिब्लर होने के कारण वह भविष्य में बड़ी लीगों में खेलने की क्षमता रखती है। वह युवा है और अभी भी तैयार हो रही है लेकिन नियमित आधार पर हमारी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही है।''

सुनील के बारे में बोलते हुए, पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, सुनील सैफ कप में पांच गोल करके हमारे सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ी और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी थे। इसके अलावा, उन्होंने कोलकाता में एएफसी एशियन कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में तीन मैचों में चार गोल किए।''

उन्होंने कहा, ''उनकी प्रतिबद्धता, नेतृत्व, अनुशासन और कड़ी मेहनत बुरे और अच्छे समय में प्रभावशाली थी।'' इसके अलावा मार्टिना थॉकचोम को उभरती हुई महिला खिलाड़ी और विक्रम प्रताप सिंह को 2021-22 का उभरता हुआ पुरुष खिलाड़ी चुना गया है।

नीरज ने अरशद नदीम को राष्ट्रमंडल स्वर्ण के लिये बधाई दी

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। टोक्यो 2020 ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। नदीम ने बर्मिंघम 2022 के फाइनल में 90 मीटर के निशान को पार करते हुए दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स को मात दी, उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपने प्रदर्शन से एक वीडियो साझा किया और चोपड़ा ने उसपर तुरंत अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें बधाई दी। चोपड़ा ने नदीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''अरशद भाई को स्वर्ण पदक और नए गेम रिकॉर्ड के साथ 90 मीटर पार करने के लिए बधाई। आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं।''

2024 तक चेन्नईयिन एफसी में रहेंगे रहीम अली

चेन्नई, 9 अगस्त। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइज़ी चेन्नईयिन एफसी ने मंगलवार को घोषणा की कि रहीम अली ने अपने कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ा लिया है, जिसके बाद वह 2024 तक क्लब का हिस्सा रहेंगे। अली चेन्नईयिन टीम के उन मुट्ठी भर सदस्यों में से एक हैं जो 2019-20 सीज़न में आईएसएल फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने तीन वर्षों में 40 बार क्लब का प्रतिनिधित्व किया है और चार बार स्कोर करने के अलावा दो बार असिस्ट भी किया है।

उन्होंने दो और वर्षों के लिए क्लब के लिए प्रतिबद्ध होने पर कहा, ''मैं चेन्नईयिन एफसी के साथ एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करके बहुत खुश हूं। मेरे मन में कभी कोई संदेह नहीं था। मैं कहीं नहीं जा रहा हूं।'' रहीम ने 31 बार आई-लीग क्लब इंडियन एरो एफसी का प्रतिनिधित्व भी किया है, जिसे बड़े पैमाने पर भारत की सबसे बड़ी युवा प्रतिभाओं का घर माना जाता है।

22 वर्षीय रहीम भारतीय टीम के वर्तमान सदस्य हैं और सितंबर 2021 में पदार्पण के बाद से छह बार मैदान पर उतर चुके हैं। चेन्नईयिन की सह-मालिक वीटा दानी ने कहा, ''बीते वर्षों में रहीम देश की सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक बनकर उभरे हैं। भारतीय राष्ट्रीय टीम के साथ उनका मूल्यवान अनुभव हमारी टीम के लिए सकारात्मक साबित होगा।''

बर्मिंघम में पदक जीतने पर कार्तिक ने की दीपिका की तारीफ

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल के राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने पर उनके पति और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने खुशी व्यक्त की है। गौरतलब है कि पल्लीकल और सौरव घोषल की मिश्रित युगल जोड़ी ने कांस्य पदक मैच में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन पील और लोबान डोना को 11-8, 11-4 से मात दी थी। कार्तिक ने सोमवार को ट्विटर पर पल्लीकल और घोषाल की तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''प्रयास और दृढ़ता रंग लाई... बहुत खुशी और आप दोनों पर गर्व है!'' कांस्य पदक जीतने के बाद, पल्लीकल ने खुद पिछले तीन वर्षों से अपनी यात्रा के बारे में इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखी।

सड़क दुर्घटना में पूर्व अंपायर रूडी कर्ट्ज़न का निधन

केप टाउन, 9 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आईसीसी एलीट पैनल अंपायर रूडी कर्ट्ज़न का केप टाउन में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। ईएसपीएन क्रिक इन्फो के अनुसार, जब यह सड़क दुर्घटना हुई तब 73 वर्षीय कर्ट्ज़न एक कार में केपटाउन से ईस्टर्न केप प्रांत में अपने घर जा रहे थे। कर्ट्ज़न ने 2010 में सन्यास लेने से पहले 331 मैचों में अंपायर की भूमिका निभाई, जो उस समय एक रिकॉर्ड था।

वह 100 से ज्यादा मैचों में अंपायरिंग करने वाले तीन अंपायरों में से एक हैं। इनके अलावा पाकिस्तान के अलीम दार और वेस्ट इंडीज़ के स्टीव बकनर भी ऐसा कर चुके हैं। दार ने कर्टज़न की मौत के बारे में कहा, ''यह उनके परिवार, दक्षिण अफ्रीका और क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी क्षित है। मैं उनके साथ इतने सारे मैचों में खड़ा था। वह न केवल एक अंपायर के रूप में बहुत अच्छे थे, बल्कि एक उत्कृष्ट सहयोगी भी थे। हमेशा मैदान पर बहुत सहयोगी और हमेशा मैदान के बाहर मदद करने के लिए तैयार रहते थे।

ट्वंटी-20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में लौटी जेमिमाह

दुबई, 9 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा खिलाड़ी जेमिमाह रॉड्रिगेज़ ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 बल्लेबाजों में जगह बना ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार रॉड्रिगेज़ सात पायदान ऊपर उठकर 630 पॉइंट के साथ 10वें स्थान पर आ गयी हैं।

उन्होंने बर्मिंघम 2022 में भारत के लिये 146 रन बनाये, जिसकी बदौलत वह अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में जगह बना पाई हैं। स्मृति मंधाना (चौथा पायदान) और शेफाली वर्मा (छठा पायदान) पहले से ही टी20 बल्लेबाजों के शीर्ष 10 में कायम हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी अपनी हमवतन मेग लेनिंग को पछाड़कर पहले पायदान पर आ गयी हैं। मूनी ने राष्ट्रमंडल खेल के फाइनल में भारत के खिलाफ 41 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 70 रन और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 36 रन का योगदान भी दिया था, जिसने उन्हें 743 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर पहुंचा दिया है।

यूरोपीय दौरा ऊंच-नीच भरा रहा, पर इससे कुछ सीखा : सविता

यह काफी लंबा दौरा था, इसमें उतार-चढ़ाव थे लेकिन इसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हमने अपने डेब्यू एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 अभियान में तीसरे स्थान पर रहते हुए दौरे की मजबूत शुरुआत की और फिर विश्व कप के दौरान खराब दौर से गुजरे। नौवें स्थान पर रहना निराशाजनक था, लेकिन बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिये इससे आगे बढ़ना और सकारात्मक सीख लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। यूरोपीय दौरे पर दो महीने बिताने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों से ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने मंगलवार को कहा कि यह दौरा ''ऊंच-नीच भरा रहा और इससे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला।''

गौरतलब है कि सविता पूनिया की टीम ने जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों से अपने यूरोपीय दौरे की शुरुआत की थी, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद टीम ने नीदरलैंड और स्पेन में हुए एफआईएच महिला विश्व कप में हिस्सा लिया जहां वे नौंवे पायदान पर रहे। अंततः, भारत ने विश्व कप के खराब प्रदर्शन से वापसी करते हुए बर्मिंघम 2022 खेलों में कांस्य पदक जीता।

कप्तान सविता ने कहा, ''यह काफी लंबा दौरा था, इसमें उतार-चढ़ाव थे लेकिन इसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हमने अपने डेब्यू एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 अभियान में तीसरे स्थान पर रहते हुए दौरे की मजबूत शुरुआत की और फिर विश्व कप के दौरान खराब दौर से गुजरे। नौवें स्थान पर रहना निराशाजनक था, लेकिन बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिये इससे आगे बढ़ना और सकारात्मक सीख लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।'' उन्होंने कहा, ''उसके बाद हम नॉटिंघम में एक छोटे तैयारी शिविर में शामिल हुए थे, जहां हमने अपने प्रदर्शन का आत्मनिरीक्षण किया और अपनी गलतियों पर काम किया। हम ताज़ा विचारों के साथ आए और बर्मिंघम में एक समय में एक मैच पर ध्यान दिया। मुझे लगता है कि टीम की एकता ने भी हमें वापस लाने में मदद की। हमारे द्वारा साझा किए गए बंधन ने हमें टीम में सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद की। इसने हमें वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों से उबरने में मदद की।''

भारतीय टीम ने अपने राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान की शुरुआत क्रमश: घाना (5-0) और वेल्स (3-1) के खिलाफ लगातार जीत के साथ की, लेकिन अपने तीसरे मैच में इंग्लैंड से 1-3 से हार गई। उन्होंने पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने के लिए अपने चौथे मैच में कनाडा के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ठोस प्रदर्शन किया, लेकिन शूटआउट की करीबी हार के कारण उस चुनौती को पार नहीं कर सका।

इसके बावजूद भारतीय टीम ने हौसला नहीं हारा और रविवार को ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए न्यूजीलैंड को शूटआउट में 2-1 से मात दी। सविता ने इस मैच में तीन शानदार गोल रोके और भारत को 16 साल बाद राष्ट्रमंडल पदक दिलाया। कांस्य पदक जीतने के बारे में गोलकीपर सविता ने कहा, ''हमने जो हासिल किया है उस पर हमें खुशी और गर्व है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इसे कैसे हासिल किया है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार को स्वीकार करना मुश्किल था।

हमने अपना मनोबल हारा था, लेकिन यह हमारी कोच जेनेके शोपमैन थीं जिन्होंने हमें प्रेरित किया और हमें एहसास दिलाया कि हमारे पास अभी भी एक पदक के साथ घर लौटने का अवसर है। उन्होंने कहा, ''यह हमारे लिए सिर्फ एक पदक नहीं है, यह एक प्रेरणा है। युवा पीढ़ी भी इससे प्रेरित होगी। हमारे अभियान के दौरान विश्व कप और साथ ही साथ राष्ट्रमंडल खेलों में हमारे प्रशंसकों ने जो समर्थन और प्यार दिया उसके लिए हम आभारी हैं।''

सुदेवा की जीत में छेत्री की तिकड़ी

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। युवा खिलाड़ियों से सजे सुदेवा दिल्ली एफसी ने रॉयल रेंजर्स को 5-3 से परास्त कर दिल्ली प्रीमियर लीग में एक बार फिर से अपना शीर्ष स्थान अर्जित कर लिया। मैच का आकर्षण रमेश छेत्री की शानदार तिकड़ी रही।आज यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए दिन के दूसरे मुक़ाबले में तरुण संघा और हिंदुस्तान क्लब 1-1 से बराबर खेले।

सुदेवा और रेंजर्स केबीच खेले गए उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में स्तरीय खेल देखने को मिला लेकिन बाजी युवा टीम के हाथ लगी। प्लेयर ऑफ द मैच रमेश छेत्री के तीन गोलों के अलावा श्रीदर्थ और बासित अहमद ने एक एक गोल बांटे। तरुण संघा और हिंदुस्तान के मध्य खेले गए मैच में तरुण संघा ने श्याम कुमार के गोल से बढ़त बनाई लेकिन चार्ल्स ऑफी ने बराबरी का गोल जमा कर हिसाब बराबर कर दिया।

मांडलगढ़ के भाट खड़ला रिजर्व फॉरेस्ट की जमीन पर कई दिनों से सैंडस्टोन का अवैध खनन जारी है। ग्रामीणों की सक्रियता से पुलिस और वन विभाग ने कार्यवाही करके मौके से ट्रैक्टर कम्प्रैशर व क्रेन जब्त किए हैं। बताया जाता है कि, अवैध खनन माफिया ने यहां से करोड़ों रुपए का सैंडस्टोन चुराया है।

रिज़र्व फॉरेस्ट में सैंड स्टोन का अवैध खनन

भीलवाड़ा के भाट खड़ला फॉरैस्ट रिज़र्व में गत कई दिनों से अवैध खनन किया जा रहा है

- ग्रामीणों को जब इसकी भनक लगी तो उन्होंने घेराबंदी की, इसके बाद खननकर्ता भाग छूटे।
- वन विभाग ने मौके से दो ट्रैक्टर कम्प्रैसर व एक क्रेन को जब्त किया, हालांकि तीन अन्य वाहन थे जिन्हें जब्त नहीं किया गया।

मांडलगढ़, 9 अगस्त (निस)। भीलवाड़ा जिले में बिजौलिया क्षेत्र के भाट खड़ला में सियासत और सिस्टम की मेहरबानी से आरक्षित वन भूमि में खनन माफिया पिछले कई दिनों से सैंड स्टोन का अवैध खनन कर रहा है।

इस मामले की भनक लगने पर ग्रामीणों ने घेराबंदी की तो अवैध खननकर्ता मौके से भाग छूटे। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी और वन कर्मियों को बुलाकर दो ट्रैक्टर कम्प्रैशर व एक क्रेन को जब्त कराया। हालांकि तीन अन्य वाहनों को वनकर्मी बिना जब्त किए मौके पर ही छोड़ कर चले गये।

वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए। इस मामले में ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की हैं।

ऊपरमाल वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति जलेरी के उपाध्यक्ष रोड़ू लाल बंजारा के नेतृत्व में बिजौलिया उपखंड अधिकारी सीमा तिवारी को ज्ञापन दिया, जिसमें कहा गया है कि, भाट खड़ला खनिज बाउंड्री के ब्लॉक नम्बर 4 की गैप से सटी रिजर्व फॉरेस्ट की भूमि में खनन माफिया धड़ल्ले से सैंड स्टोन का अवैध खनन कर रहे हैं।

इस मामले की सूचना मेनाल चौकी के कार्यवाहक वनपाल लोकेंद्र सिंह को दी। लोकेंद्र सिंह मय टीम के मौके पर पहुँचे।

अवैध खनन स्थल पर तीन ट्रैक्टर कम्प्रैशर, एक ट्रैलर, एक क्रेन व एक लग्जरी कार मिली। ग्रामीणों ने बताया कि खनन माफिया ने करोड़ों रुपए का सैंडस्टोन चुराया है तथा वन में वनस्पति एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचा हैं, ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों पर गश्त नहीं करने का आरोप लगाया है।

भाजपा और शिंदे गुट ने मंत्री पदों को आधा-आधा बांटा

मुंबई, 9 अगस्त (वार्ता)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपना पदभार संभालने के करीब 40 दिनों के बाद मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए 18 नये चेहरों को शामिल किया और इसके साथ ही मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 20 हो गयी।

- 40 दिन के इंतजार के बाद महाराष्ट्र की सरकार का पहला मंत्रिमण्डल विस्तार हुआ।

मंत्रिमंडल विस्तार में शिवसेना के बागी शिंदे गुट के नौ तथा सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के भी नौ विधायक शामिल किये गये। सभी नये मंत्रियों ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली है। कैबिनेट में अब मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस समेत कुल 20 मंत्री हो गये।

शपथ लेने वालों में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए राधाकृष्ण विखे पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, चंद्रकांत पाटिल, विजयकुमार गावित, गिरीश महाजन, शिंदे समूह के गुलाबराव पाटिल, दादा भूसे, संजय राठौड़, सुरेश खाड़े, संदीपन भुमरे, उदय सामंत शामिल हैं।

तानाजी सावंत, रवींद्र चव्हाण, अब्दुल सत्तार, दीपक केसरकर, अतुल सावे, शंभूराज देसाई, मंगलप्रभात लोढ़ा और अन्य शामिल हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े मौजूद थे।

शिंदे की नई टीम में सभी के सभी मंत्री करोड़पति हैं। इसमें सबसे ज्यादा संपत्ति मालाबार हिल्स सीट से भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा के पास है।

काले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं के काले कपड़े पहनने की भर्त्सना करने वाले गृह मंत्री अमित शाह को मंगलवार को आड़े हाथ लिया। राहुल और कांग्रेसी नेताओं ने संसद भवन परिसर में और कीमत वृद्धि, बेरोजगारी और आवश्यक खाद्य पदार्थों पर लगाई गई जी.एस.टी. के विरूद्ध दिल्ली में गत शुक्रवार को दी गई गिरफ्तारियों के दौरान काले कपड़े पहन रखे थे।

कांग्रेस नेताओं के काले वस्त्र पहनने को अमित शाह ने भारत की आस्था का अपमान करना बताया और कहा कि वर्ष 2020 में इसी दिन, ''अयोध्या दिवस'' को प्रधानमंत्री ने राम मंदिर का शिलान्यास किया था, इस दिन काले वस्त्र पहनना भगवान राम का अपमान है। इस पर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारा दो अवसरों पर ऐसे ही काले कपड़े पहने जाने की याद दिलाई। शर्मा ने प्रश्न किया कि ''जब मोदी ऊपर से लेकर नीचे तक काले वस्त्र पहनकर पवित्र गंगा नदी में नहा रहे थे तब क्या वे गंगा मां का अपमान कर रहे थे'' और जब वे काले कपड़े पहनकर जिम कॉर्बेट नैशनल पार्क में घूम रहे थे तब क्या वे वन देवता का अपमान कर रहे थे।'' उन्होंने आगे कहा कि ''भारत लोकतांत्रिक मूल्यों के मामले में 50वें पायदान पर पहुंच गया है, उस बात की चिंता करना ज्यादा बेहतर होगा।''

भारत जोड़ो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तर्ज पर की जाएगी, जो 7 सितम्बर को ही 80 वर्ष पहले शुरू हुआ था और जिसके बाद भारत ने अन्ततः स्वतंत्रता प्राप्त की थी। कांग्रेस महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश और प्रवक्ता गौरव गोगोई ने यहां एक प्रैस कांफ्रेंस में बताया कि पदयात्रा करीब पांच महीने चलेगी और 12 राज्यों और-और केन्द्र शासित प्रदेशों में 3 हजार 500 किलोमीटर का क्षेत्र कवर करेगी जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी भाग लेंगे। इस विशाल जुलूस में भाग लेने के इच्छुक सभी लोगों से उन्होंने कांग्रेस की तरफ से अपील की कि यह एक विशाल राष्ट्रीय उद्यम है जो भय की राजनीति, धर्मान्धता और पूर्वाग्रह के साथ ही आजीविका विनाश की अर्थव्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी एवं असमानताओं का एक विकल्प हैं।

जयराम रमेश ने एक ट्वीट में ध्यान दिलाया कि जब महात्मा गांधी ने ''भारत छोड़ो'' महाआंदोलन शुरू किया था तब आर.एस.एस. ने स्वयं को इस ऐतिहासिक दिन से अलग कर लिया था। उन्होंने रेखांकित किया कि ''इसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भाग नहीं लिया था जबकि गांधी, नेहरू, सरदार पटेल, आज़ाद, राजेन्द्र प्रसाद, पंत और कई अन्य नेता व आम लोग जेल गए थे।''

इस बीच, राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों के जंगल-जमीन अधिकारों के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि उनके इन अधिकारों को छीनने के लिए सरकार नए कानून लेकर आई है। उन्होंने आगे कहा कि ''विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर मैं वादा करता हूँ कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया जाएगा। जय जौहर।''

राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के 10 अगस्त को तिजारा आने की जानकारी मिली है लेकिन अभी उनके कार्यक्रम के बारे में विस्तृत और अधिकृत जानकारी नहीं प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि, 10 अगस्त को शिविर का समापन है और राहुल गांधी समापन सत्र को संबोधित कर सकते हैं। शिविर में पूर्व केन्द्रीय मंत्री शैलजा भी आई जिन्होंने संगठन की मजबूती पर संवाद किया और कहा कि कांग्रेस संगठन को जागरूकता के माध्यम से मजबूती देनी होगी। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस देश का सबसे पुराना संगठन है जिसने देश की एकता एवं अखण्डता के लिये हमेशा अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। इधर अलवर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव रिपु दमन गुप्ता ने बताया कि, राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की यात्रा की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी तिजारा पहुंचे और देर रात तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

'अगर सभी बांधों को ईआरसीपी से नहीं जोड़ा तो रोड पर होगी जंग'

भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने लालसोट के मीणा हाई कोर्ट में चुनौती दी

- विश्व आदिवासी दिवस पर लालसोट के मीणा हाई कोर्ट में आयोजित जल क्रांति कार्यक्रम में बड़ी तादाद में जुटे लोग तथा कई राजनैतिक हस्तियों ने भी शिरकत की।
- जयपुर कूच के ऐलान से सरकारी तंत्र के हाथ पांव फूले।

लालसोट/दौसा, 9 अगस्त (निसं)। दौसा के नांगल राजावतान में आयोजित मीणा हाईकोर्ट में राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार को खुले शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दौसा जिला सहित प्रदेश के सभी बाधों को डीपीआर संशोधन कर बिना भेदभाव के ईआरसीपी परियोजना से नहीं जोड़ा गया तो रोड पर खुले में जंग होगी।

मीणा हाईकोर्ट के जल क्रांति कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि ईआरसीपी परियोजना को गहलोत सरकार ने राजनीति का मुद्दा बना रखा है जो बिल्कुल गलत है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, जिनमें उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, कांग्रेस सरकार में कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, बांदीकुई विधायक गजराज खटाना, कई विधायक, प्रधान, जिला प्रमुख आदि थे।

जल क्रांति कार्यक्रम को इसके संयोजक राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सहित उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा, विधायक गजराज खटाना आदि कई नेताओं ने संबोधित किया और ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के साथ पूर्वी राजस्थान क्षेत्रों से जुड़े बांधों को राष्ट्रीय परियोजना में जोड़ने की मांग की।

वहीं कार्यक्रम के दौरान विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी संस्कृति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी बाहर से आए कलाकारों गायकों द्वारा पेश किए गए।

हालांकि इससे पूर्व दौसा जिले के प्रभारी मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, संभागीय आयुक्त सीताराम विकास भाले, दौसा जिला कलैक्टर कमर चौधरी सहित अन्य अधिकारियों ने राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कूच का कार्यक्रम निरस्त करने के लिए काफी मानमनुहार भी की थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा ठोस आश्वासन नहीं मिलने पर डॉ. मीणा ने सायं 4 बजे जयपुर कूच का ऐलान किया, जिसके बाद सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, पूर्व मंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी और पूर्व मंत्री गोलमा देवी अपनी-अपनी गाड़ियों से रवाना हो गये। वहीं हजारों की संख्या लोग हाथों में तिरंगा लेकर ट्रेक्टर, बाईक, निजी वाहनों से उनके पीछे जयपुर के लिए कूच कर गये। तकरीबन 1 घंटे बाद कारवां दौसा बाइपास से जयपुर-आगरा हाईवे पर आ गया। उनके जयपुर कूच को जटवाटा में पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोक दिया। काफिले को रोकने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। जटवाडा में करीब एक हजार पुलिसकर्मी, वज्र वाहन, आरएसीए रेपिड एक्शन फोर्स, स्पेशल टास्क फोर्स तैनात की गई है। यहां आईजी उमेश दत्ता, एडीजी विजिलेंस बीजू जॉर्ज जोसेफ, संभागीय आयुक्त विकास सीताराम भाले, दौसा जिला कलैक्टर कमर चौधरी, दौसा एसपी संजीव नयन पहले से ही मोर्चा सभाले हुये थे। इधर कूच रोके जाने के दौरान डॉ. किरोडीलाल मीणा समर्थकों एवं पुलिसकर्मियों के बीच काफी गहमागहमी हुई, समर्थकों ने जमकर नारेबाजी कर अपना विरोध प्रदर्शन किया।

वार्ता के लिए मंगलवार को सायं 6 बजे दौसा जिला प्रभारी मंत्री विश्वेन्द्रसिंह जटवाडा में स्थित लक्ष्मी निवास होटल पहुंचे, लेकिन देर सांय तक वार्ता का कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया।

यह पहला मौका नहीं, सातवीं बार है जब नीतीश ने अचानक पाला बदला है

कुछ राजनीतिक विश्लेषक तो उन्हें ''कुर्सी कुमार'' तक कहने लगे हैं, क्योंकि गठबंधन बदल जाता है लेकिन कुर्सी उनके हाथ में ही रहती है

- इससे पहले भी वे 2013 में एन.डी.ए. को छोड़कर आर.जे.डी. और कांग्रेस के साथ चले गए थे। फिर 2017 में एक बार फिर से भाजपा के साथ चले आए थे।

पटना, 9 अगस्त। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने का फैसला लिया है और एक बार फिर से वह आर.जे.डी., कांग्रेस और लेफ्ट दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रहे हैं। नीतीश कुमार ने यह फैसला अचानक ही लिया है, जिसने बिहार समेत देश भर के लोगों को चौंका दिया है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक तो उन्हें ''कुर्सी कुमार'' तक कहने लगे हैं। लेकिन यह पहला मौका नहीं है, जब नीतीश कुमार ने इस तरह से अपना रुख बदला है। इससे पहले भी वह 2013 में एन.डी.ए. को छोड़कर आर.जे.डी. और कांग्रेस के साथ चले गए थे। फिर 2017 में एक बार फिर से भाजपा के साथ चले आए थे। इस तरह वे राजनीति में कई बार पाला बदल चुके हैं।

नीतीश कुमार की बिहार में एक अच्छी छवि है और उसके बूते ही वह जे.डी.यू. से ज्यादा सीटें जीतने वाली आर.जे.डी. और भाजपा को अपनी शर्तों पर साधते रहे हैं। नीतीश कुमार ने कई बार राजनीतिक पंडितों को अब अपने पैंतरों से चौंकाया है। 2005 में भाजपा संग बिहार की सरकार बनाने वाले नीतीश कुमार ने पहली बार 2012 में चौंकाया था। वह एन.डी.ए. में थे, लेकिन राष्ट्रपति चुनाव में प्रणब मुखर्जी को वोट दिया था। इसके बाद 2013 में जब भाजपा ने नरेंद्र मोदी को पी.एम. कैंडिडेट घोषित किया तो नीतीश कुमार ने 17 साल पुराने रिश्ते को ही खत्म कर दिया था।

जे.डी.यू. ने उसके बाद 2014 का आम चुनाव आर.जे.डी. के साथ ही मिलकर लड़ा था, लेकिन भाजपा की लहर में करारी हार हुई। तब नीतीश कुमार ने चौंकाते हुए मुख्यमंत्री पद से ही इस्तीफा दे दिया था और फिर जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री बने थे। जे.डी.यू. को बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से महज 2 पर ही जीत मिली थी। इसके बाद नीतीश कुमार ने 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन संग उतरने का फैसला लिया था और जीत भी हासिल की थी। यही नहीं जून 2017 में जब वह महागठबंधन के साथ तो राष्ट्रपति चुनाव में यू.पी.ए. की मीरा कुमार की बजाय एन.डी.ए. के रामनाथ कोविंद को वोट दिया था।

अजीब संयोग है: भारत में गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- ट्रम्प का खेमा इस छापे को वर्तमान राष्ट्रपति द्वारा अपने प्रतिद्वंदियों को भयभीत करने की साजिश बता रहा है।
- ट्रम्प इन छापों को आधार बना कर, पुनः राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की कोशिश में हैं।

सर्किल और उनके घर के अंदरूनी लोगों ने सारे कार्यकलापों की बैकग्राउण्ड ब्रीफिंग और सूचना एफ.बी.आई. को दी थी।

खबरों के अनुसार यह वही क्लब एरिया है जो एफ.बी.आई. जाँचकर्ताओं के संदेह का मुख्य स्थल था और बेसमैंट के स्ट्राँगरूम्स की तलाशी ली गई जहाँ ट्रक भर मिले दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया।

ट्रम्प इसके जवाब में कह रहे हैं कि नौकरशाहों को उनके घर और क्लब में घुसने तथा उनकी तिजोरी को तोड़ने ''हथियार के रूप में काम में लिया जा रहा है।'' विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प एफ.बी.आई. जाँच का राजनीतिकरण कर रहे हैं ताकि वे इसे 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी वापसी का कारण बना सकें।

एफ.बी.आई. यह जाँच कर रही है कि क्या ट्रम्प वाइट हाउस से कुछ संवेदनशील कागज़ात फ्लोरिडा-स्थित अपने घर ले गये थे। संवेदनशील कागज़ातों को सरकारी कार्यालयों/ भंडारों से अपने निजी घरों या दफ्तरों में ले जाना एक ''फैडरल'' अपराध है। ऐसा माना जाता है कि अगर ये कागज़ात गलत हाथों में पहुँच जायें तो अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये खतरा बन सकते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति के निजी स्टाफ ने इस बात के प्रमाण दे दिये हैं कि दूसरी बार के चुनाव में मिली हार के बाद, ट्रम्प क्रोधोन्माद से भरे हुये थे तथा उन्होंने झूठे दावे करते हुये, परिणामों को विकृत एवं रद्द कर देने की कोशिश तक की थी।

इस देश में जो कुछ हो रहा है, उसके साथ ही देश के सर्वोच्च पदाधिकारियों की भी जाँच-पड़ताल हो रही है तथा अमेरिका की जाँच एजेंसियाँ उनके आवासों तथा निजी दफ्तरों पर छापे मार रही है। इन तमाम कार्यवाहियों को निजी स्वतंत्रता के साथ एक प्रकार का समझौता माना जा रहा है तथा सरकार सरकारी एजेंसियों का उपयोग पूर्व राजनेताओं को डराने-धमकाने के लिये कर रही है।

एफ.बी.आई. इन आरोपों की प्रतिक्रिया में हरकत में आई है कि संवेदनशील जानकारियाँ तथा दस्तावेज इधर से उधर किये जा रहे हैं। जिस समय एफ.बी.आई. छानबीन एवं जाँच-पड़ताल कर रही थी, उस समय, अमेरिका के राष्ट्रीय पुरालेखाकार (नैशनल आर्काइन्स) के प्रतिनिधि भी उसके साथ मौजूद थे। एफ.बी.आई. अपने साथ कागज़ात तथा दस्तावेजों से भरे हुये कम से कम 17 ट्रक अपने साथ ले गई है।

वाइट हाउस के कुछ पूर्व सहायकों ने डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा कुछ संवेदनशील दस्तावेजों को निपटाने तथा अपने निजी स्टाफ से व्यवहार रखने के बारे में भी बताया है। उनके एक पूर्व सहायक ने कहा कि ट्रम्प को दस्तावेजों के टुकड़े-टुकड़े करते तथा उसके बाद उन्हें टॉयलेट के फ्लश में बहाते देखा गया था। इस प्रकार की घटनाओं के इस प्रकार के साक्ष्य मिले हैं।

इस प्रकार के सरकारी भ्रष्ट व्यवहार के सबूतों के बावजूद, रिपब्लिकन पार्टी ट्रम्प का परित्याग नहीं कर रही है और ऐसी भी आशंका है कि ट्रम्प 2024 के चुनाव में एक बार फिर राष्ट्रपति पद के लिये खड़े हो सकते हैं। कुछ लोगों का तो यहाँ तक मानना है कि ये चीजें मध्यावधि चुनाव परिणामों को साफतौर पर प्रभावित कर सकती हैं।

समलैंगिकों को भी मिलेगा बच्चा गोद लेने का अधिकार?

नई दिल्ली, 9 अगस्त। संभव है कि, बहुत जल्द समलैंगिक एवं ट्रांसजैडर्स इत्यादि को बच्चा गोद लेने की कानूनी अनुमति मिल सकेगी। दरअसल में समलैंगिकों को बच्चा गोद लेने का अधिकार देने के पहलुओं को परखने के एक संसदीय समिति गठित की गई है। यह संसदीय समिति इस विषय पर विचार कर रही है कि समलैंगिकों एवं ट्रांसजैंडर्स को भी क्या बच्चा गोद लेने का कानूनी अधिकार दिया जाना चाहिये।

विशेषज्ञों का कहना है कि कानून व्यक्ति के यौन झुकाव के आधार पर बच्चा गोद लेने पर रोक नहीं लगाता है, लेकिन समलैंगिक एवं ट्रांसजैंडर समुदाय के सदस्य दम्पती के रूप में बच्चा तभी गोद ले पाएंगे, जब देश में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिल जाए, क्योंकि बिना शादी के साथ रहने वाले (लिव-इन) जोड़ों को देश में बच्चा गोद लेने की इजाजत नहीं है।

नीतीश कुमार ने मोदी-शाह द्वय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जायसवाल ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''नीतीश कुमार ने बिहार की जनता तथा भाजपा के साथ विश्वासघात किया है। जनता, उन्हें सबक जरूर सिखायेगी।''

दोनों पार्टियों के बीच के तनाव के संबंध-विच्छेद की स्थिति तक पहुँचने के पीछे नीतीश कुमार की यह चिन्ता रही कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनता दल (यूनाइटेड) को तोड़ने की लगातार कोशिशें कर रहे हैं।

इसके लिये, नीतीश कुमार ने अपनी ही पार्टी के पूर्व नेता आर.सी.पी. सिंह पर दोषारोपण करते हुए कहा कि वे अमित शाह के प्रतिनिधि के रूप में काम कर रहे हैं। जब आर.सी.पी.सिंह की पार्टी ने ही उन पर घोर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया तो उन्होंने जे.डी. (यू.) से इस्तीफा दे दिया।

2021 में, आर.सी.पी. सिंह, नीतीश कुमार की पार्टी के प्रतिनिधि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट में शामिल हुये थे। बिहार के मुख्यमंत्री केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में उनकी पार्टी को केवल एक सीट दिये जाने पर बहुत अशांत हुये थे। कल, उनके निकटतम सहायक ने कहा कि आर.सी.पी. सिंह केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में अपनी इच्छा से शामिल हुये थे तथा उन्होंने नीतीश कुमार को सूचित किया था कि अमित शाह ने कहा है कि मंत्रिमण्डल में जे.डी.यू. के प्रतिनिधि के रूप में केवल वे ही स्वीकार्य हैं। जे.डी.यू. के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह ने कहा, ''क्या हमारी पार्टी के मामले में अमित शाह निर्णय लेंगे?''

बिहार-संकट पर चर्चा करने के लिये, आज बिहार के सबसे बड़े दल, राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) की भी मीटिंग हुई। पार्टी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव हैं। आशा की जा रही है कि पार्टी नीतीश कुमार को समर्थन देने की विधिवत घोषणा करेगी तथा पुराना गठबंधन एक बार पुनर्जीवित हो जायेगा। ज्ञातव्य है कि वह गठबंधन सरकार तीन साल से कम समय ही चली थी। सूत्रों के अनुसार, तेजस्वी यादव नई सरकार में उपमुख्यमंत्री पद सँभालेंगे।

तेजस्वी यादव तथा उनके भाई 2017 तक नीतीश कुमार की उस सरकार में मंत्री थे, जो तीन पार्टियों से मिलकर बनी थीं- जे.डी.यू., आर.जे.डी. तथा कांग्रेस। नीतीश कुमार ने, भाजपा के साथ अपने दशकों पुराने संबंधों को समाप्त करके, आर.जे.डी. तथा कांग्रेस के साथ मिलकर वह गठबंधन सरकार बनाई थी।

लेकिन, लगभग तीन साल बाद, नीतीश ने तेजस्वी यादव और उनके भाई पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा दिया था तथा इस विवाद के चलते ''धर्मनिरपेक्ष'' दलों के साथ गठबंधन को तोड़कर, वापस भाजपा की तरफ आ गये थे।

बताया जाता है कि नीतीश कुमार को इस बात का पूरा यकीन है कि अमित शाह बिहार में, महाराष्ट्र-मॉडल को दोहराना चाहते हैं। ज्ञातव्य है कि उद्धव ठाकरे उस समय मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिये मजबूर हो गये थे, उन्हीं की पार्टी शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर शिवसेना एक बड़े विद्रोह के लिये सफलतापूर्वक उकसा दिया था। इसके पुरस्कारस्वरूप, भाजपा ने उन्हें महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना दिया था।

सूत्रों ने कहा कि नई सरकार में, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री तथा तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री बनेंगे तथा नई व्यवस्था के तहत, विधानसभा अध्यक्ष का पद आर.जे.डी. के पास रहेगा।

दोनों गठबंधन पार्टनरों- जे.डी. (यू.) तथा भाजपा के बीच के संबंधों में आई खटास का अंत इन दोनों के संबंध-विच्छेद के रूप में हुआ। इस घटना का असर राष्ट्रीय राजनीति में भी दिखाई देगा तथा आगामी सप्ताहों और महीनों में राजनैतिक ताकतों का पुर्नसमायोजन सामने आयेगा।

बैंगलोर निगम के चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है।

काफी पहले ही कर लिये गये सर्वेक्षण म्यूनिसिपल काउंसिल चुनावों में त्रिशंकु जनादेश का संकेत दे रहे हैं क्योंकि मतदाता-विशेषज्ञ आम आदमी पार्टी के ''एक्स फैक्टर'' बनने की अपेक्षा कर रहे हैं। लेकिन शहर में बहुत कम असर होने के बावजूद, जनता दल ने अपनी तैयारियां सबसे पहले शुरू कर दी हैं तथा चुनाव से संबंधित सभी कमेटियाँ बना दी हैं। कांग्रेस ने अपनी सभी शक्तियाँ वरिष्ठ विधायक तथा के.पी.सी.सी. के कार्यकारी अध्यक्ष रामलिंगा रेड्डी के पीछे तैनात कर दी हैं। भाजपा ने शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे विधायकों के साथ मीटिंग की श्रृंखला का कार्यक्रम बना लिया है। बी.बी.एम.पी. काउंसिल की सदस्य संख्या 302 है तथा महापौर एवं उपमहापौर के पद हासिल करने के लिये किसी भी पार्टी को 152 सदस्यों की जरूरत होगी।

संयोगवश, अगर त्रिशंकु जनादेश की स्थिति आती है तथा किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता तो, जैसा कि कई स्वतंत्र सर्वेक्षणों तथा पार्टियों के आकलन है, तो पार्टियों का गठबंधन विधानसभा चुनावों को ध्यान में रख कर किया जायेगा।

'आप' के प्रवेश से इस समीकरण में अनिश्चितता का तत्व शामिल हो जायेगा। आप का लक्ष्य 100 सीटों का है तथा वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिले, जिसके कि म्यूनिसिपेलिटी की सत्ता में उसका महत्व रहे तथा स्थानीय प्रशासन में उसे तवज्जोह मिले।

सत्तारूढ़ भाजपा ने इन सर्वेक्षणों को भ्रामक बताते हुये खारिज कर दिया है तथा कहा है कि ज़मीनी स्थिति काफी हद तक भाजपा के पक्ष में है। भाजपा विधायक उदय गरुड़ाचर के अनुसार, ''हम बड़े बहुमत से जीतेंगे।''

कांग्रेस भी अपनी जीत को लेकर इतनी ही आश्वस्त है तथा अभी हाल ही में, पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया का जन्म दिन मनाने के उपलक्ष में हुई जनसभाओं की सफलता के बाद, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश का संचार हुआ है तथा वे सक्रिय हो गये हैं। ए.आई.सी.सी. के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, जो जन्म दिन समारोह में शामिल हुये थे, ने सिद्धारमैया तथा के.पी.सी.सी. अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार के बीच समझौता कराने की कोशिश की थी, ताकि वे एकजुट होकर पार्टी के लिये काम कर सकें क्योंकि ''कांग्रेस जीतने की स्थिति में है तथा विधानसभा चुनाव की जीत के लक्ष्य को हासिल करने के रास्ते में उसके सामने कोई बाधा नहीं है।''

राजनीतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जे.डी.यू. के बने रहने पर अब भी सवालिया निशान लगे हुए हैं। यह लगभग तयशुदा है कि 2025 के राज्य विधानसभा चुनावों के दो मुख्य प्रतिद्वन्द्वी आर.जे.डी. और भाजपा ही रहेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908